सोमवार
04 मई -2026
वर्ष 10, अंक 239
पेज 8, मूल्य 2 रुपए
रांची

रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

# अलग पहचान

सत्य की उड़ान

पेज-8

## अब मोदी तत्व और आरएसएस का इतिहास पढ़ेंगे छात्र

### गुजरात की महाराजा सयाजीराव विवि ने शुरू किया नया कोर्स

**वडोदरा (एजेंसी)।** गुजरात के महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व पर आधारित मोदी तत्व नामक एक मॉड्यूल और आरएसएस के इतिहास को समाजशास्त्र पाठ्यक्रम में शामिल किया है, ताकि समाज पर उनके प्रभाव का अध्ययन किया जा सके। विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के प्रमुख डॉ. वीरेंद्र सिंह ने बताया कि एमए के दो वर्षीय पाठ्यक्रम में देशभक्ति का समाजशास्त्र नाम से नया कोर्स शुरू किया गया है। इसका उद्देश्य मोदी तत्व और सामाजिक सुधारों में अग्रणी भूमिका निभाने वाले छत्रपति शिवाजी महाराज तथा सयाजीराव गायकवाड़ तृतीय के कार्यों का वैज्ञानिक विश्लेषण करना है। उन्होंने कहा कि चाहे आपको पसंद हो या न हो, राजनीतिक क्षेत्र और नेतृत्व की भूमिका में प्रधानमंत्री मोदी पर चर्चा करनी ही होगी। वह एक ऐसा तत्व हैं, जो लंबे समय तक मौजूद रहेंगे। हम समाजशास्त्री मैक्स वेबर के करिश्माई नेतृत्व का अध्ययन करना चाहते थे। ऐसा व्यक्तित्व महात्मा गांधी और मार्टिन लूथर किंग में भी देखा गया था। पीएम मोदी में भी उसी तरह का करिश्माई नेतृत्व दिखाई देता है। यह एक वैज्ञानिक विषय है, जिसकी पड़ताल आवश्यक है। डॉ. सिंह नीति आयोग की सार्वजनिक परियोजनाओं के निगरानी कार्यक्रम से भी जुड़े रहे हैं।

### मोदी तत्व की अवधारणा का होगा वैज्ञानिक विश्लेषण

इन तीनों भागों में मोदी तत्व की अवधारणा का वैज्ञानिक विश्लेषण किया जाएगा और इस बात पर चर्चा की जाएगी कि वह इतने प्रसिद्ध क्यों हो रहे हैं, उनकी स्वीकार्यता इतनी व्यापक कैसे है और भारत में सबसे लंबे समय तक सत्ता में बने रहने के पीछे उनमें ऐसी क्या खास बात है। प्रधानमंत्री की नीतियां, जैसे- नोटबंदी, डिजिटल क्रांति, फास्टैग, जल शक्ति मंत्रालय आदि दर्शाती हैं कि वह जनता की इच्छाओं को कितनी अच्छी तरह समझते हैं। शायद यही कारण है कि उन्हें जनता का इतना समर्थन प्राप्त है।

## संक्षिप्त समाचार

### मणिपुर में दो मासूमों का 25 दिन बाद अंतिम संस्कार

- बम हमले के हुए थे शिकार, पूरे इलाके में शोक और आक्रोश

**इंफाल (एजेंसी)।** मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में ट्रोंग्लाओबी घटना में जान गंवाने वाले दो मासूम बच्चों का अंतिम संस्कार 25 दिन बाद किया गया। इस घटना ने पूरे इलाके को गहरे शोक में डाल दिया है। जानकारी के अनुसार, 7 अप्रैल को मोइरांग के ट्रोंग्लाओबी अवांग लीकेई इलाके में स्थित एक घर पर संदिग्ध उग्रवादियों द्वारा बम फेंका गया था। इस हमले में दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि उनकी मां गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। लंबे समय तक चले हालात और प्रक्रियाओं के बाद, अब जाकर दोनों बच्चों का अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार के दौरान इलाके में माहौल बेहद गमगीन रहा और लोगों ने पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। यह घटना अब भी स्थानीय लोगों के बीच डर और आक्रोश का कारण बनी हुई है, जबकि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

### चेन्नई में यात्री चलती फ्लाइट का इमरजेंसी गेट खोलकर कूदा

- विमान रनवे से टर्मिनल की तरफ जा रहा था, पायलट ने तुरंत रोका, आरोपी गिरफ्तार

**चेन्नई (एजेंसी)।** चेन्नई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रविवार सुबह लैंडिंग के दौरान एयर अरेबिया की चलती फ्लाइट में एक यात्री इमरजेंसी गेट खोलकर नीचे कूद गया। यह फ्लाइट शारजाह से चेन्नई पहुंची थी और इसमें 231 यात्री सवार थे। घटना सुबह करीब 3.23 बजे हुई। एयरबस 320 मॉडल की फ्लाइट ए9 471 रनवे से टर्मिनल की ओर बढ़ रही थी। घटना के बाद पायलट ने तुरंत विमान को रोक दिया और एयरपोर्ट अधिकारियों को सूचना दी। घटना के बाद यात्री एयरपोर्ट के कमर्शियल एरिया की ओर भागने लगा, जिससे कुछ देर के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। हालांकि, सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत उसे पकड़ लिया। कूदने के दौरान यात्री घायल हो गया था। उसे इलाज के लिए ले जाया गया। आरोपी की पहचान 29 साल के मोहम्मद शरीफ मोहम्मद नजमुद्दीन के रूप में हुई है।

### शांति चाहते हो या युद्ध फैसला तुमको करना है

- ईरान का अमेरिका को सख्त संदेश, कहा-हम तैयार हैं

**तेहरान (एजेंसी)।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के नए शांति प्रस्ताव को अस्वीकार करने के संकेत देने के बाद ईरान ने कहा है कि अब अगला कदम पूरी तरह अमेरिका पर निर्भर करता है। ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने तेहरान में विदेशी राजनयिकों से बातचीत में कहा कि कूटनीति का रास्ता अपनाना है या टकरावपूर्ण रुख जारी रखना है, यह फैसला अब अमेरिका को करना है। ईरान दोनों विकल्पों के लिए पूरी तरह तैयार है। दरअसल, ट्रंप ने शनिवार को एयर फोर्स वन में सवार होने से पहले पत्रकारों से कहा कि वह तेहरान के प्रस्ताव की समीक्षा करेंगे, लेकिन इसके सफल होने की संभावना पर उन्होंने संदेह जताया। ट्रंप ने कहा कि ईरान ने अभी तक पर्याप्त कीमत नहीं चुकाई है। उन्होंने आगे कहा कि मैं आपको इसके बारे में बाद में बताऊंगा।

## सीएम यादव ने दी इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर की सौगात

### कहा-किसानों को सरकार लौटाएगी 60 फीसदी विकसित भूखंड

**भोपाल।** मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर के नैनोद में 2360 करोड़ रुपये की लागत वाले इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर का भूमिपूजन कर प्रदेश के औद्योगिक विकास को नई ऊंचाई दी है। मुख्यमंत्री ने इस दौरान किसानों को जमीन का 4 गुना मुआवजा और 60 प्रतिशत विकसित भूखंड वापस देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। क्षेत्र के कई किसान रातों-रात करोड़पति बन गए हैं। 8-लेन के इस सुपर एक्सप्रेस-वे के माध्यम से न केवल इंदौर-पीथमपुर की कनेक्टिविटी विश्वस्तरीय होगी, बल्कि यह दिल्ली-मुंबई कॉरिडोर से जुड़कर लाखों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेगा। सीएम

डॉ. मोहन यादव ने इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर के लिए भूमिपूजन कार्यक्रम में कहा कि भविष्य में प्रदेश में उद्योगों की संख्या बढ़ेगी।

इससे राज्य में रोजगार और स्व-रोजगार के कई रास्ते खुलेंगे। प्रदेश के युवा-किसान और ज्यादा समृद्ध होंगे। दरअसल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 2360 करोड़ रुपये की लागत के इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर के प्रथम चरण का भूमिपूजन किया। यह कार्यक्रम इंदौर के नैनोद गांव में हुआ।

#### 8 लेन सुपर एक्सप्रेस वे, दिल्ली-मुंबई कॉरिडोर जुड़ेगा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि इंदौर-उज्जैन-धार-देवास-शाजापुर-रतलाम, ये सब मिलाकर मेट्रोपॉलिटन सिटी बन रही है। ये सड़क केवल पीथमपुर से इंदौर नहीं है, यह उज्जैन से भी आगे है। यह 8 लेन सुपरएक्सप्रेस वे है। इसके माध्यम से दिल्ली-मुंबई कॉरिडोर जुड़ेगा। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कमाल है। आज अगर राष्ट्रीय राजमार्गों का आंकड़ा देखें, तो एक लाख 60 हजार किमी से ज्यादा सड़कें हैं। भारत आज कहां से कहां पहुंच गया।

#### कांग्रेस पर उठाए सवाल, सीएम बोले 55 साल में कुछ नहीं किया

सीएम डॉ. यादव ने कहा कि मैं कांग्रेसियों से पूछना चाहता हूं कि उनकी सरकार के वक्त क्या हुआ था। आज किसानों को दिन में बिजली मिल रही है, जबकि कांग्रेस के समय रात को भी बिजली का ठिकाना नहीं था। किसान डीजल के लिए लाइनों में लगकर परेशान होते थे। बिजली का ठिकाना ही नहीं था। सिंचाई का रकबा भी कितना छोटा था। 55 साल उनकी सरकार रही। 1956 में मध्यप्रदेश बना, लेकिन 2002-03 तक केवल साढ़े सात लाख हेक्टेयर में सिंचाई होती थी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने ढाई साल में 10 लाख हेक्टेयर से ज्यादा रकबा कर दिया।

## दिल्ली में 4 मंजिला बिल्डिंग में आग, 9 लोगों की मौत

### डेढ़ साल का बच्चा भी शामिल, 15 लोग बचाए गए

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली के शाहदरा इलाके के विवेक विहार में एक चार मंजिला बिल्डिंग में रविवार सुबह भीषण आग लग गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई। इनमें 4 पुरुष, 4 महिलाएं और एक डेढ़ साल का बच्चा शामिल है। दिल्ली फायर सर्विस के मुताबिक, उन्हें सुबह करीब 3.47 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। 4

घंटों की मशक्कत के बाद सुबह करीब 8 बजे आग पर काबू पाया गया। बिल्डिंग के अंदर फंसे 10 से 15 लोगों को बचाया गया। इनमें दो लोग घायल हुए हैं। मृतकों के शव बिल्डिंग के अलग-अलग फ्लोर से बरामद किए गए। स्थानीय पार्षद पंकज लूथरा ने बताया कि कुछ शव इतने बुरे तरह जल चुके हैं कि सिर्फ कंकाल बचा है। डीएनए टेस्ट के बाद ही मृतकों का पता चल पाएगा। हादसे को लेकर कुछ लोगों का कहना है कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी। वहीं कुछ स्थानीय लोगों ने बताया कि एसी में धमाके के बाद आग फैली।

#### 9 मृतकों के नाम सामने आए, लेकिन पहचान मुश्किल

दिल्ली पुलिस के अनुसार, बिल्डिंग के पहले फ्लोर से 1 शव, दूसरे फ्लोर से 5 शव और सीढ़ियों से 3 शव मिले, जहां दरवाजा बंद था। आशंका है कि लोगों ने छत पर भागकर जान बचाने की कोशिश की थी। दूसरे फ्लोर पर मिले मृतकों की पहचान अरविंद जैन (60), उनकी पत्नी अनीता जैन (58), बेटे निशांत जैन (35), बहू आंचल जैन (33) और डेढ़ साल के पोते आकाश जैन के रूप में हुई। तीसरे फ्लोर पर नितिन जैन (50), उनकी पत्नी शैले जैन (48) और बेटे सम्यक जैन (25) मृत पाए गए। पहले फ्लोर पर शिखा जैन (45) का शव मिला, जबकि उनके पति नवीन जैन (48) घायल हो गए।

**दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /**

**रांची।** झारखंड के माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार @jhar_governor से 3 मई 2026 को झारखण्ड के नन्हें प्रतिभाशाली बालक इशांक ने अपने परिजनों के साथ लोक भवन, रांची में शिष्टाचार भेंट की। 7 साल के इशांक ने श्रीलंका और भारत के बीच स्थित लगभग 29 किमी लंबे Palk Strait को पार कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम की है। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने इशांक को इस अद्भुत उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि इशांक ने न केवल झारखण्ड, बल्कि पूरे देश का मान बढ़ाया है और अन्य बच्चों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बने हैं।

## जबलपुर क्रूज हादसे में अब तक 13 मौतें

### रविवार को मिले चाचा कामरान और भतीजे मयूरन के शव

**जबलपुर (एजेंसी)।** यह एक्सीडेंट नहीं, मर्डर है हमें रेमेडी (मुआवजा) नहीं, जस्टिस चाहिए। इसके लिए सारा का सारा एमपी टूरिज्म डिपार्टमेंट रिस्पॉन्सबल है। अभी तक कितने ऑफिसर अरेस्ट किए गए, कितने सस्पेंड किए गए। बोट ऑपरेटर कहां है। उसे अरेस्ट क्यों नहीं किया गया। यह आक्रोश है क्रूज हादसे में जान गंवाने वाले कामराज के दोस्त और सहकर्मी का। उन्होंने सीधे तौर पर टूरिज्म डिपार्टमेंट को कटघरे में खड़ा किया और अफसरों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। उनका

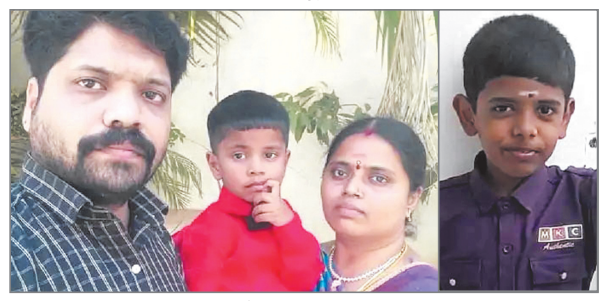

कहना था कि कामराज की सैलरी 1 लाख रुपए थी, ऐसे में सहायता राशि से नुकसान की भरपाई संभव नहीं है। एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हुई है, जब तक दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं होगी, तब तक न्याय अधूरा रहेगा। वहीं आज सुबह 9.40 बजे कामराज आर. का शव निकाला गया। इससे पहले सुबह करीब 6 बजे उनके 8 साल के भतीजे मयूरन की डेडबॉडी मिली थी। वह त्रिची (तमिलनाडु) से आया था।

#### कार्गो विमान से तमिलनाडु भेजे गए शव

बरगी क्रूज हादसे में जान गंवाने वाले तमिलनाडु के पर्यटकों के शव उनके गृह राज्य भेजे गए। जबलपुर के डुमना एयरपोर्ट से कार्गो विमान के जरिए शवों को त्रिची रवाना किया गया। शुरुआत में तकनीकी कारणों से एक कार्गो विमान में दिक्कत आई, जिसके बाद शवों को दूसरे विमान से भेजा गया। मृतकों के परिजन भी साथ में रवाना हुए हैं। प्रशासन की ओर से अन्य शवों को भी उनके गृह राज्यों तक पहुंचाने की तैयारी की जा रही है। एमपी टूरिज्म के सलाहकार कमांडर राजेंद्र निगम के अनुसार, बरगी डैम हादसा अचानक आए मिनी बवंडर और तेज लहरों के कारण हुआ। उनका कहना है कि ऊंची लहरों से क्रूज का संतुलन बिगड़ गया, जिससे वह पलट गया। हालांकि, इस पूरे मामले में सबसे अहम सवाल अब भी अनसुलझा है कि जब मौसम विभाग ने पहले ही यलो अलर्ट जारी कर दिया था तो फिर क्रूज का ऑपरेशन क्यों नहीं रोका गया। यह भी स्पष्ट नहीं है कि खराब मौसम के दौरान किसी तरह की रियल-टाइम मॉनिटरिंग या अलर्ट सिस्टम मौजूद था या नहीं।

## मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

### जनगणना 2027 में सरना कोड कॉलम रखने का किया आग्रह

**दैनिक अलग पहचान, मुख्य संपादक अन्नपूर्णा गुप्ता, नई दिल्ली /**

**रांची।** झारखंड की धरती एक बार फिर अपनी आदिवासी अस्मिता और पहचान के सवालों को लेकर केंद्र में है। इस बार बहस का केंद्र है 'सरना धर्म' को जनगणना में अलग धार्मिक कोड दिलाने की मांग, जिसे लेकर राज्य के सीएम हेमंत सोरेन एक बार फिर एक्टिव मोड में आ गये हैं। राजनीतिक गलियारों से लेकर गांव-गांव तक यह मुद्दा चर्चा में है कि क्या आदिवासी समुदाय की प्रकृति-आधारित आस्था को आधिकारिक रूप से अलग धार्मिक पहचान मिलनी चाहिए। इसी को लेकर सीएम हेमंत सोरेन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राज्यपाल संतोष गंगवार को पत्र लिखकर 2027 की जनगणना में सरना धर्म के लिए अलग कोड की मांग को दोहराया है।

**जनगणना 2027 :** सिर्फ आंकड़े नहीं, पहचान की कसौटी सीएम हेमंत सोरेन का कहना है कि 2027 की जनगणना केवल जनसंख्या गणना का अभ्यास

नहीं है, बल्कि यह आने वाले वर्षों की नीतियों, योजनाओं और संसाधन वितरण की बुनियाद तय करेगी। ऐसे में किसी भी समुदाय की पहचान का अधूरा या गलत दर्ज होना, सीधे तौर पर उनके अधिकारों और विकास पर असर डाल सकता है। उनके अनुसार, पिछली जनगणना 2021 विभिन्न कारणों से स्थगित हो गई थी, इसलिए अब यह अवसर और भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि हर समुदाय की धार्मिक-सांस्कृतिक पहचान को सही तरीके से दर्ज किया जाए।

**'सरना' सिर्फ धर्म नहीं, जीवन पद्धति-** सरना धर्म को लेकर आदिवासी समाज की दलील वर्षों से एक जैसी रही है... यह केवल आस्था नहीं, बल्कि जीवन से जुड़ा एक संपूर्ण दर्शन है। सीएम हेमंत सोरेन ने अपने पत्र में भी यही बात दोहराई है कि सरना परंपरा प्रकृति केंद्रित है, जिसमें जल, जंगल और जमीन की पूजा को केंद्रीय स्थान प्राप्त है। ग्राम देवता, कुल देवता और प्राकृतिक शक्तियों की आराधना इसके मूल में है। पारंपरिक पर्व-त्योहार, सामूहिक पूजा पद्धति और प्रकृति के साथ गहरा जुड़ाव इसे अन्य धर्मों से अलग पहचान देते हैं। ऐसे में इसे किसी बड़े धार्मिक वर्ग में समाहित कर देना, इसकी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान को कमजोर करता है। यही आदिवासी संगठनों की मुख्य चिंता रही है।

**2011 की जनगणना का संदर्भ और बढ़ती मांग-** 2011 की जनगणना का हवाला देते हुए सीएम ने बताया कि उस समय 'सरना' के लिए अलग कोड नहीं था, लेकिन इसके बावजूद देशभर के करीब 21 राज्यों में लगभग 50 लाख लोगों ने अपनी पहचान 'सरना' के रूप में दर्ज कराई थी। यह आंकड़ा इस बात का संकेत माना जा रहा है कि यह मांग केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि सामाजिक और भावनात्मक स्तर पर भी गहराई से जुड़ी हुई है।

**राष्ट्रपति से संवैधानिक संरक्षण की अपील-** राष्ट्रपति को लिखे पत्र में सीएम हेमंत सोरेन ने आदिवासी समाज की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान के संरक्षण को संविधान की मूल भावना से जुड़ा बताया। उनका कहना है कि आदिवासी समुदायों की विशिष्ट पहचान को सुरक्षित रखना केवल नीतिगत मुद्दा नहीं, बल्कि संवैधानिक जिम्मेदारी भी है।

**पीएम मोदी को याद दिलाया पिछला पत्राचार-** पीएम नरेंद्र मोदी को भेजे गए पत्र में सीएम हेमंत सोरेन ने यह भी उल्लेख किया कि उन्होंने पहले भी 2023 में इस विषय पर पत्राचार किया था। साथ ही यह भी बताया कि झारखंड विधानसभा पहले ही इस मुद्दे पर प्रस्ताव पारित कर चुकी है। उनका तर्क है कि यदि जनगणना में पहचान स्पष्ट और अलग नहीं होगी, तो भविष्य की योजनाएं और कल्याणकारी नीतियां भी वास्तविक जरूरतों को सही ढंग से प्रतिबिंबित नहीं कर पाएंगी।

**राज्यपाल से सिफारिश की मांग-** राज्यपाल संतोष गंगवार को लिखे पत्र में मुख्यमंत्री ने झारखंड की सांस्कृतिक नींव को आदिवासी परंपराओं से जुड़ा बताया। उन्होंने आग्रह किया कि राज्यपाल इस विषय को केंद्र के समक्ष सकारात्मक सिफारिश के रूप में आगे बढ़ाएं, ताकि आदिवासी पहचान से जुड़ी यह लंबित मांग निर्णायक स्तर तक पहुंच सके।

**पहचान, नीति और भविष्य की बहस-** इस पूरे विवाद के केंद्र में केवल एक 'धर्म कोड' नहीं, बल्कि डेटा की राजनीति और पहचान का सवाल है। सरकार का मानना है कि सटीक आंकड़ों के बिना न तो योजनाएं प्रभावी हो सकती हैं और न ही संसाधनों का न्यायसंगत वितरण संभव है। वहीं आदिवासी संगठनों का तर्क है कि सरना धर्म को अलग मान्यता मिलना उनकी सांस्कृतिक स्वायत्तता और ऐतिहासिक पहचान को स्वीकार करने जैसा होगा। सीएम का कहना है कि 'तथ्य आधारित नीति' के लिए जरूरी है कि हर समुदाय की सही पहचान और आंकड़े उपलब्ध हों।

## संक्षिप्त समाचार

### श्रावणी मेला की तैयारी तेज! उपायुक्त ने अधिकारियों को दिए निर्देश

**देवघर, एजेंसी।** जिले में आगामी श्रावणी मेला 2026 को लेकर जिला प्रशासन ने अभी से तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने समाहरणालय सभागार में समीक्षा बैठक कर विभिन्न विभागों को जरूरी निर्देश दिए। मेले की तैयारियों को लेकर राज्य के पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार भी रविवार को अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। इधर, समीक्षा बैठक में खासतौर पर बाबा बैद्यनाथ धाम मंदिर के आसपास बिजली व्यवस्था को सुरक्षित और सुव्यवस्थित करने पर जोर दिया गया। बिजली विभाग को निर्देश दिया गया कि सभी तारों को दुरुस्त कर श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करें। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कांवरिया पथ पर बालू बिछाने का निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिया गया, ताकि लंबी दूरी तय करने वाले कांवरियों को राहत मिल सके। स्वास्थ्य विभाग को मेले के दौरान बेहतर चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। बड़े एंबुलेंस के साथ-साथ छोटे एंबुलेंस की भी व्यवस्था करने को कहा गया है, ताकि भीड़भाड़ वाले रास्तों से भी मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाया जा सके। इसके अलावा सभी विभागों के कार्यपालक अभियंताओं को निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने विभागों में अभी से पत्राचार कर मेले से जुड़े आवंटन की कमी को दूर कर लें। सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ काम करने पर विशेष जोर दिया गया, ताकि देवघर आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर अनुभव मिल सके। नगर निगम को भी साफ-सफाई और कचरा प्रबंधन को लेकर विशेष निर्देश दिए गए हैं। मेले के दौरान बढ़ने वाले कचरे को देखते हुए अतिरिक्त सफाई कर्मियों की नियुक्ति सुनिश्चित करने को कहा गया है। साथ ही उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों को एक्शन प्लान तैयार कर जल्द जमा करने का निर्देश दिया है।

### गढ़वा में सड़क किनारे बिकने वाले खाने की जांच, छापेमारी में मिली गड़बड़ियां

**गढ़वा, एजेंसी।** झारखंड के गिरिडीह में हाल ही में गोलगप्पे खाने से 40 से अधिक लोगों के बीमार होने की घटना के बाद अब गढ़वा जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। प्रशासन नहीं चाहता कि जिले में ऐसी किसी अनहोनी की पुनरावृत्ति हो। इसी कड़ी में शहर के स्ट्रीट फूड ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की गई। अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ। आर ।एस। सिंह और खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी दीपश्री की संयुक्त टीम ने शहर के गली-मोहल्लों में बिकने वाले गोलगप्पा, चाट, मोमोज और पनीर चिल्ली की दुकानों की सघन जांच की। इस दौरान जो नजारा दिखा वह डराने वाला था। दुकानदार न तो हाथों में ग्लब्स पहन रहे थे और न ही सिर पर हेडगियर। प्रशासनिक जांच में पाया गया कि खाने को रंगीन बनाने के लिए प्रतिबंधित रंगों का उपयोग हो रहा था। मौके पर मिले मिलावटी पनीर को प्रशासन ने तत्काल नष्ट करवा दिया। अधिकांश वेंडिंग कार्ट और दुकानों के आसपास स्वच्छता का नामोनिशान नहीं था। गिरिडीह की घटना से सबक लेते हुए प्रशासन अब केवल कार्रवाई तक सीमित नहीं है। अब फुटपाथ पर दुकान लगाने वालों को 'स्वच्छता का पाठ' पढ़ाया जाएगा। इसके लिए 6 मई (बुधवार) की तारीख तय की गई है। इस दिन सिविल सर्जन कार्यालय के सभागार में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें वेंडर्स को बताया जाएगा कि ग्राहकों की सेहत के साथ बिना खिलवाड़ किए व्यवसाय कैसे करें।

### किराए के मकान में महिला ने लगाई फांसी, 2 साल पहले हुआ था लव मैरिज

**गढ़वा, एजेंसी।** झारखंड में गढ़वा थाना क्षेत्र के कर्मडीह गांव में शनिवार को एक 21 वर्षीय महिला ने किराए के मकान में फांसी लगाकर जान दे दी। मृतिका की पहचान धुरकी थाना क्षेत्र के गनियारी खुर्द निवासी रामलाल साव की पत्नी सीमा कुमारी के रूप में हुई है। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना के संबंध में पति रामलाल साव ने बताया कि दो साल पहले उसने करवा पहाड़ निवासी सुदेश्वर भुइयां की पुत्री सीमा कुमारी के साथ प्रेम विवाह किया था। शादी के कुछ समय बाद रामलाल काम के सिलसिले में हिमाचल प्रदेश चला गया था। इस दौरान सीमा अपनी बहन के घर पर ही रह रही थी। लगभग तीन महीने पहले रामलाल हिमाचल से वापस लौटा। इसके बाद, पिछले एक महीने से दोनों गढ़वा के कर्मडीह गांव में कोदू महतो के मकान में किराए पर रह रहे थे। रामलाल गढ़वा में ही मजदूरी कर परिवार चला रहा था। रामलाल के अनुसार वह खाना खाकर मजदूरी करने गया था। जब वह शाम को वापस लौटा, तो कमरे का दृश्य देखकर दंग रह गया। सीमा का शव दुपट्टे के फंदे से लटका हुआ था। जल्दीबाजी में ग्रामीणों को सूचना दी गई, जिसके बाद ग्रामीणों ने शव को फंदे से नीचे उतारा और स्थानीय पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर गढ़वा सदर अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पति का कहना है कि उसे आत्महत्या के कारण की कोई जानकारी नहीं है। फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आखिर लव मैरिज के बाद खुशी से रह रहे इस दंपती के बीच आखिर ऐसा क्या हुआ कि सीमा ने आत्महत्या जैसा कदम उठा लिया।

**नक्सलियों के आर्थिक ढांचे को तबाह करने की तैयारी,**

# लेवी देने वालों पर भी होगी कार्रवाई!

**पलामू, एजेंसी।** झारखंड में नक्सल संगठन बेहद ही कमजोर हो गए है। कुछ इलाके में ही इनके कमांडर सक्रिय हैं। इनके खिलाफ अब नई रणनीति के तहत पुलिस काम कर रही है।

झारखंड बिहार सीमावर्ती इलाके में प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी जबकि टीएसपीसी का एक कमांडर बचा हुआ है। सभी के खिलाफ पुलिस ने चेतावनी भी जारी किया है और ऑपरेशन भी चला रही है। पुलिस बचे हुए नक्सल कमांडरों को मिलने वाली लेवी को रकम को रोकना चाहती और उनके आर्थिक ढांचे को तबाह करना चाहती है।

पुलिस को जानकारी मिली है कि बेहद कमजोर होने के बावजूद कुछ लोग नक्सलियों को लेवी की रकम दे रहे हैं। इसी रकम की बदौलत नक्सलियों के बचे हुए कमांडर खुद को छुपाकर रख रहे हैं। लेवी की रकम से नक्सली कमांडर हथियार और गोली खरीद रहे हैं।

नक्सलियों के आर्थिक ढांचे को तबाह करने के पुलिस अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई है। पलामू के हुसैनाबाद एसडीपीओ, हुसैनाबाद थाना प्रभारी, छतरपुर थाना प्रभारी, पिपरा थाना प्रभारी हरिहरगंज थाना प्रभारी, नौडीहा बाजार थाना प्रभारी को जिम्मेदारी थी गई है। सभी अधिकारी नक्सलियों के खिलाफ सटीक सूचना का संकलन करेंगे और उनके खिलाफ अभियान

के साथ-साथ उनके आर्थिक ढांचे के खिलाफ भी कार्रवाई करेंगे।

नक्सलियों के आर्थिक ढांचे के खिलाफ कार्रवाई करने की योजना तैयार की गई है। सीमावर्ती इलाके के एसडीपीओ और थाना प्रभारी को इसकी जिम्मेदीरी दी गई है। हाल के दिनों में नक्सल प्रभावित इलाकों का निरीक्षण किया गया जिसमें कई बातों की जानकारी मिली है। लेवी देने वाले और लेवी लेने वालों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई करेगी। पुलिस नक्सलियों को लेवी देने वाले लोगों का भी पता कर रही है, उनके खिलाफ भी सख्ती बरती जाएगी। नक्सल संगठन बेहद ही कमजोर हो गए हैं उनके कुछ कमांडर बचे हुए हैं जिनको टारगेट करके अभियान भी चलाया जा रहा है और उनसे सरेंडर करने की अपील भी की गई है। -किशोर कौशल, डीआईजी, पलामू।

प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी ने 90 के दशक से विकास योजनाओं में लेवी लेना शुरू किया था। जबकि टीएसपीसी ने गठन के बाद 2005 से लेवी वसूलना शुरू किया। विकास योजना में कुल लागत का पांच प्रतिशत दोनों संगठन लेवी मांगते थे जबकि केंदु पत्ता पर प्रति बोरा 20 से 30 रुपये की लेवी लेते थे।

इसके बाद में झारखंड-बिहार सीमा सीमावर्ती इलाके में बड़े पैमाने पर स्टोन की माइनिंग शुरू हुई। एक संगठन स्टोन माइनिंग से प्रति महीने 50 हजार रुपये, स्टोन क्रशर से 30 हजार जबकि ईंट भट्ठों 20 हजार रुपए प्रति महीने लेवी वसूलते थे। इसके अलावा इलाके में चलने वाले ट्रांसपोर्ट एवं अन्य कार्य में भी नक्सली संगठन लेवी वसूलते थे। भाकपा माओवादी ने शुरुआती दौर में जिन जमीन पर कब्जा किया था और उसे गांव वालों में बांटा था उस जमीन से उपज का एक हिस्सा लेवी के रूप में वसूलते थे।

साल 2018 के बाद झारखंड बिहार सीमावर्ती इलाके में नक्सलियों के खिलाफ कई बड़े सर्च अभियान चलाए गए। इस सर्च अभियान में पुलिस को कई चौंकाने वाली जानकारी मिली जबकि कई डायरी भी हाथ लगी। इन डायरी में नक्सलियों को मिलने वाले लेवी की रकम के बारे में जानकारी थी जबकि कई ऐसे नाम थे जो लेवी देते हैं। झारखंड बिहार का इलाका माओवादियों का मध्य जोन में आता है। मध्य जोन में बिहार के गया औरंगाबाद के साथ-साथ झारखंड का पलामू, चतरा और गढ़वा का इलाका आता है। माओवादी जब मजबूत हुआ करता था तो उस दौरान मध्य जोन से करीब 70 करोड़ की लेवी सालाना वसूलता था।

### पलामू में ओवरब्रिज की रेलिंग से टकराई बाइक

**पलामू, एजेंसी।** जिले के मेदिनीनगर टाउन थाना क्षेत्र के रेडमा ओवरब्रिज पर एक बाइक रेलिंग से टकरा गई। जिससे दो युवकों की मौत हो गई। यह घटना रविवार के अहले सुबह की है। मृतकों की पहचान पलामू के चैनपुर थाना के रहने वाले आनंद कुमार और मिंशु कुमार के रूप में हुई है। टाउन थाना प्रभारी ज्योतिलाल रजवार ने घटना की पुष्टि की है।

घटना को लेकर बताया जा रहा है कि दोनों युवक बाइक से पलामू के लेस्लीगंज के इलाके में एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए गए थे। इसके बाद जब वह शादी समारोह से वापस अपने घर लौट रहा था तो टाउन थाना क्षेत्र के रेडमा ओवरब्रिज पर उसकी बाइक रेलिंग से टकरा गई। इस दुर्घटना में दो युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

इधर, स्थानीय लोगों ने तत्काल घटना की जानकारी टाउन थाना को दी। मामले की जानकारी मिलने के बाद पेट्रोलिंग की टीम भी मौके पर पहुंची और दोनों युवकों को अस्पताल भेजा था।

## धनबाद के मुनीडीह कोल वाशरी के स्लरी में बड़ा हादसा, चार मजदूरों की मौत, कई के दबे होने की आशंका

**धनबाद, एजेंसी।** धनबाद के बीसीसीएल (भारत कोकिंग कोल लिमिटेड) की मुनीडीह वाशरी में शुक्रवार को स्लरी (कोयला की गीली कचरा) में फंसने से चार मजदूरों की मौत हो गई। हादसे में कई अन्य मजदूर भी स्लरी के अंदर फंसे हुए हैं। मुनीडीह ओपी प्रभारी मनिता कुमारी ने बताया कि चार मजदूरों के शव निकाल लिए गए हैं। शेष फंसे मजदूरों को बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू कार्य तेजी से चल रहा है। स्थानीय प्रशासन, एनडीआरएफ और बीसीसीएल की टीम मौके पर मौजूद है।

हादसा उस वक्त हुआ जब पहाड़नुमा स्लेरी की ढेर अचानक भरभरा कर नीचे आ गिरे। स्लेरी लोड कार्य में जुटे मजदूर स्लेरी में दब गए। जबकि अन्य मजदूर जान बचाकर भाग खड़े हुए। घटना के बाद अफरा तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। घटना की सूचना मिलने के बाद मुनीडीह ओपी प्रभारी मनिता और अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। मामले की सूचना बीसीसीएल के अधिकारियों को दी गई। जिसके बाद जेसीबी के जरिए रेस्क्यू कार्य शुरू किया। रेस्क्यू के तहत चार मजदूरों का शव स्लेरी के ढेर से बाहर निकाल लिया गया, जबकि स्लेरी के ढेर में अन्य मजदूरों के दबे होने की आशंका पर रेस्क्यू कार्य जारी है।

प्रत्यक्षदर्शी मजदूरों ने कहा कि पहाड़नुमा स्लेरी की ढेर से लोडिंग का कार्य वह करते हैं। आज स्लेरी लोडिंग के दौरान अचानक ढह गई और काम करने वाले सीधे मजदूरों के ऊपर गिरा, जिसमें चार मजदूर दब गए। हादसे के बाद अफरा तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। जितेंद्र कुमार ने कहा कि प्रेम बाउरी, माणिक बाउरी, दीपक बाउरी और एक नारायण यादव ढेर में दब गए थे। सभी असंगठित मजदूर हैं। असंगठित मजदूरों के द्वारा ही स्लेरी लोडिंग का काम किया जाता है।

## हजारीबाग की महिलाएं किसानों के लिए तैयार कर रहीं जैविक खाद, पौधे के हर मर्ज की दवा है इनके पास!

**हजारीबाग, एजेंसी।** उन्नत खेती के लिए जैविक खाद बेहद महत्व रखता है। हजारीबाग की चुरचू प्रखंड की महिलाएं इन दिनों अपने गांव के किसानों के लिए जैविक खाद तैयार कर रही हैं। साथ ही महिलाएं अपने खेत में जैविक खाद का उपयोग भी कर रही हैं ताकि बंपर खेती हो।

इन दिनों महिलाएं हर एक क्षेत्र में अपना परचम लहलहा रही हैं। हजारीबाग के सुदूरवर्ती चुरचू प्रखंड की महिलाएं पलाश से जुड़कर स्थानीय किसानों के लिए जैविक खाद तैयार कर रही हैं ताकि बंपर खेती हो।

महिलाओं का कहना है कि जैविक खाद तैयार कर पहले गांव की ही महिला किसानों को उपलब्ध कराया गया। महिला किसानों ने जब उपयोग में लाया तो बेहतर परिणाम सामने आया। अब गांव के किसानों के लिए जैविक खाद तैयार किया जा रहा है। जो बेहद कम मुनाफे में किसानों को उपलब्ध कराया जा रहा है।

आमतौर पर किसान जैविक खाद नहीं बनाते हैं। क्योंकि इसे तैयार करने में काफी अधिक समय लगता है। किसान के पास

समय का अभाव भी रहता है। इसे देखते हुए महिलाओं ने कहा कि क्यों ना गांव के किसानों के लिए ही जैविक खाद तैयार किया जाए। गांव की महिलाएं जैविक खाद बनाकर बाजार में उपलब्ध करा रही हैं। साथ ही खुद के खेत में भी उपयोग में ला रही हैं।

महिला किसानों का कहना है कि हाल के दिनों में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने कई कदम उठाया है। रासायनिक कई बीमारियों का कारण बन जाता है। किसान रासायनिक खाद का उपयोग करते हैं और आम जनता उस उत्पाद को खाते हैं। रासायनिक खाद से किसान का भी स्वास्थ्य प्रभावित होता है। जो उत्पाद खा रहे हैं उनके स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक है।

इसे देखते हुए जैविक खाद तैयार किया जा रहा है। महिलाओं का कहना है कि हमेशा टीवी और मोबाइल पर यह बातें आती हैं कि रासायनिक खाद का उपयोग करने से कैंसर जैसी घातक बीमारी होती है। इसे देखते हुए गांव के किसानों के लिए जैविक खाद तैयार कर रहे हैं। महिला किसानों ने नीमास्त्र, ब्रह्मास्त्र, खट्टा मीठा समेत कई तरह के जैविक खाद तैयार कर रही हैं। इसके साथ ही बकरी पालन करने वाले किसानों के लिए भी आहार तैयार किया गया है।

## धनबाद में आवारा कुत्तों ने ली 5 साल के बच्चे की जान, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

**धनबाद, एजेंसी।** गोंदूडीह ओपी क्षेत्र स्थित भोला नाथ बसेरिया, 4 नंबर यादव बस्ती से शुक्रवार को एक बेहद दुखद घटना सामने आई है। आवारा कुत्तों के झुंड ने एक मासूम बच्चे पर हमला कर उसकी जान ले ली। मृतक की पहचान कुंदन यादव के 5 वर्षीय पुत्र अंकित यादव के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, अंकित घर से कुछ दूरी पर स्थित हनुमान मंदिर के पास खेलते हुए गया था।

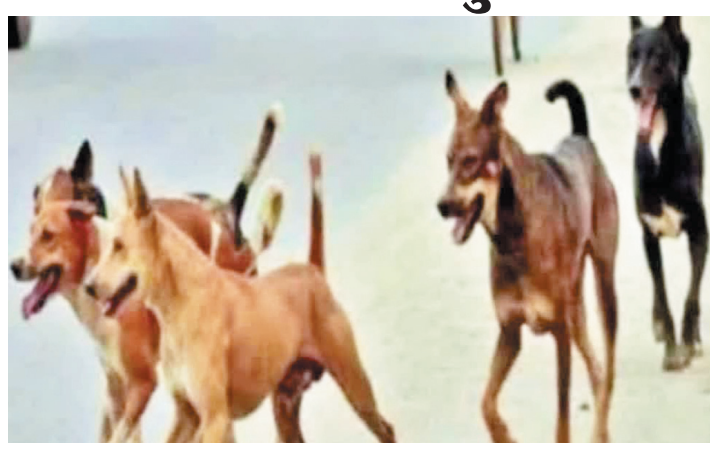

इसी दौरान अचानक आवारा कुत्तों का झुंड उस पर टूट पड़ा। कुत्तों ने बच्चे को चारों ओर से घेर लिया और शरीर के कई हिस्सों को बुरी तरह नोच डाला। गंभीर चोटों के कारण बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग तुरंत पहुंचे और परिजनों को खबर दी। परिवार के सदस्य मौके पर पहुंचे, तो बच्चे का शव देखकर उनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया। इस हृदयविदारक घटना के बाद पूरे इलाके में मातम के साथ-साथ गुस्से का माहौल भी है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इलाके में आवारा कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जिससे लोगों में डर का माहौल बना हुआ है। बावजूद इसके नगर निगम द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। समाजसेवी टुनटुन यादव ने भी इस मुद्दे पर प्रशासन की लापरवाही पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो ऐसे हादसे दोबारा हो सकते हैं। साथ ही उन्होंने पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की।

इधर परिजनों ने प्रशासन से मांग की है कि इलाके में आवारा कुत्तों को पकड़कर सुरक्षित स्थानों पर भेजा जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हो। वहीं गोंदुडीह ओपी प्रभारी लव चौधरी ने कहा कि कुत्तों के झुंड के हमले में एक बच्चे की मौत हुई है। मुआवजा की मांग को लेकर परिजन थाना पहुंचे थे। उन्हें बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए कहा गया था। लेकिन वह राजी नहीं हुए। उन्होंने मामले में सिर्फ निगम पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए शिकायत की है।

## रांची सदर अस्पताल में शुरू हुई न्यूरो फिजियोलॉजी लैब! जांच के लिए निजी अस्पतालों पर कम होगी मरीजों की निर्भरता

**रांची, एजेंसी।** देश के टॉप 10 जिला अस्पतालों में स्थान बना चुके रांची सदर अस्पताल में शुक्रवार से मरीजों के लिए एक और एडवांस सुविधा शुरू हो गई। रांची के सिविल सर्जन डॉ। प्रभात कुमार ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में सदर अस्पताल में अत्याधुनिक 'न्यूरो फिजियोलॉजी लैब' का विधिवत शुभारंभ किया। दरअसल यह लैब राज्य के जिला अस्पतालों में अपनी तरह की पहली सुविधा है, जहां अब मरीजों को न्यूरोलॉजिकल जांच के लिए बड़े शहरों या निजी संस्थानों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। सिविल सर्जन डॉ। प्रभात कुमार ने बताया कि इस लैब का मार्गदर्शन डॉ। संजीव कुमार शर्मा न्यूरोलॉजी, एवं डॉ। अहमद हुसैन द्वारा किया जाएगा, जिससे सेवाओं की गुणवत्ता और विशेषज्ञता सुनिश्चित होगी।

सिविल सर्जन डॉ। प्रभात कुमार ने बताया कि इस अत्याधुनिक न्यूरो फिजियोलॉजी लैब में कई तरह की जांच सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी, जिसमें उन्होंने बताया कि अब तक ये सभी जांच सुविधाएं झारखंड के किसी भी जिला अस्पताल में उपलब्ध नहीं थीं, इस पहल से विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मरीजों को अत्यधिक लाभ मिलेगा।

यह लैब मिर्गी, नसों से संबंधित रोगों, मांसपेशियों की बीमारियों एवं न्यूरोलॉजिकल विकारों के सटीक निदान में अत्यंत सहायक सिद्ध होगा। डॉ प्रभात कुमार ने बताया कि न्यूरो फिजियोलॉजी लैब की सुविधा से श्रवण विकलांगता से ग्रसित बच्चों का समय पर परीक्षण एवं उपचार संभव हो सकेगा।

वहीं सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ। बिमलेश कुमार सिंह ने बताया कि 'न्यूरो फिजियोलॉजी लैब' आज के समय की जरूरत थी, सदर अस्पताल में इस लैब के खुलने से ट्रॉमा के मरीजों के लिए भी यह अत्यंत उपयोगी साबित होगा, क्योंकि इसके माध्यम से आंतरिक चोटों एवं नसों की क्षति का सटीक पता लगाया जा सकेगा, जिससे समय पर और सटीक इलाज संभव हो सकेगा।

वहीं अस्पताल प्रशासन का मानना है कि यह नई सुविधा न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में वृद्धि करेगी बल्कि मरीजों को सुलभ, सस्ता एवं समय पर जांच उपलब्ध कराकर उनके जीवन स्तर में सुधार लाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

# हजारीबाग में लगेगा शतरंज का महाकुंभ, देश भर से 800 से अधिक खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

**हजारीबाग, एजेंसी।** झारखंड के हजारीबाग में शतरंज के महाकुंभ का आयोजन होने जा रहा है। 9 दिवसीय ऑल इंडिया शतरंज टूर्नामेंट की शुरुआत 16 मई से होगी। जिसमें देश भर से 800 से अधिक खिलाड़ी शामिल होंगे। अब तक रजिस्ट्रेशन में सबसे उम्रदराज 93 साल के खिलाड़ी ने तमिलनाडु से रजिस्ट्रेशन कराया है। वहीं सबसे कम उम्र का साढ़े 5 साल का खिलाड़ी हजारीबाग का है। इस आयोजन में 9 राज्य से खिलाड़ी अब तक संपर्क साध चुके हैं। हजारीबाग एक छोटा सा जिला है। खेल के क्षेत्र में यहां के खिलाड़ी अब राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने को आतुर दिख रहे हैं। शतरंज की बिसात यहां बिछने वाली है। जिसमें 800 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा लेने के लिए पूरे देश भर से जुट रहे हैं। कहा जाए तो शतरंज का महाकुंभ हजारीबाग में लगने वाला है।

हजारीबाग चेस एसोसिएशन की देखरेख में 16 से 24 मई तक 9 दिवसीय राष्ट्रीय स्तर के ऑल इंडिया शतरंज टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। हजारीबाग चेस एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय कुमार सिंह ने बताया प्रतियोगिता विनोबा भावे यूनिवर्सिटी के मल्टीपरपज हॉल में संपन्न होगा।

इसे अब तक के सबसे बड़े शतरंज आयोजनों में से एक माना जा रहा है। प्रतियोगिता दो चरणों में आयोजित होगी। जिसमें पहला चरण 16 से 20 मई तक ओपन कैटेगरी में खेला जाएगा, जबकि दूसरा चरण 21 से 24 मई तक 1800 रेटिंग से कम खिलाड़ियों के लिए निर्धारित किया गया है। 16 मई की सुबह 10:00 बजे उद्घाटन कार्यक्रम होगा और 11:00 बजे खिलाड़ियों की

बैठक आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिदिन दो-दो राउंड खेले जाएंगे, जबकि 20 मई की शाम 3:30 बजे पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया जाएगा।

पूरे टूर्नामेंट में कुल 6 लाख 11 हजार रुपये की आकर्षक पुरस्कार राशि निर्धारित की गई है। जिसमें पहले चरण के लिए 4 लाख 5 हजार रुपये और दूसरे चरण के लिए 2 लाख 6 हजार रुपये शामिल है। प्रतियोगिता में कुल 40 खिलाड़ियों को कैश प्राइज दिया जाएगा। प्रथम पुरस्कार 1 लाख रुपये और ट्रॉफी, द्वितीय पुरस्कार 60 हजार, तृतीय पुरस्कार 40 हजार रुपये, चतुर्थ पुरस्कार 28 हजार रुपये, पांचवां पुरस्कार 16 हजार रुपये, छठा पुरस्कार 12 हजार रुपये, सातवां पुरस्कार 10 हजार रुपये, आठवां पुरस्कार 8500 रुपये, नौवां पुरस्कार 7000 रुपये और 10वां पुरस्कार 6000 रुपये निर्धारित है। इसके अलावा 11वें से 15वें स्थान तक 5500 रुपये और 16वें से 21वें स्थान तक 5000 रुपये प्रदान किए जाएंगे।

इस प्रतियोगिता में हर आयु वर्ग के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। अब तक 93 वर्ष के एक अनुभवी खिलाड़ी (तमिलनाडु) और साढ़े 5 वर्ष के एक नन्हें प्रतिभागी ने कोलकाता से पंजीकरण कराया है, जो इस आयोजन को विशेष बनाता है। आयोजन पर लगभग 35 से 40 लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है और यह प्रतियोगिता लगातार चौथी बार आयोजित की जा रही है।

इस संबंध में सचिव मनमीत अकेला ने बताया पहले चरण के लिए बाहर से आने वाले खिलाड़ियों के लिए 2000 रुपये, झारखंड के खिलाड़ियों के लिए 1800 रुपये, हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के खिलाड़ियों के लिए 1500 रुपये और स्कूली बच्चों के लिए 1200 रुपये एंट्री फी निर्धारित की गई है। वहीं दूसरे चरण के लिए सामान्य खिलाड़ियों के लिए 1000 रुपये और हजारीबाग के स्कूली छात्रों के लिए 800 रुपये शुल्क तय किया गया है।

आयोजन समिति की ओर से बाहर से आने वाले सभी खिलाड़ियों के ठहरने के लिए हजारीबाग के विभिन्न होटलों और गेस्ट हाउस में समुचित व्यवस्था की गई है। खिलाड़ियों को आने-जाने में किसी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिए विशेष रूप से बस सेवा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

## संक्षिप्त समाचार

### जंगली जानवरों पर शिकारियों की बुरी नजर, शिकारी के हमले से मादा हिरण की मौत

**गिरिडीह, एजेंसी।** जिला के बगोदर वन प्रक्षेत्र में जंगली जानवरों पर शिकारियों की नजर है। शिकारियों के द्वारा एक हिरण का शिकार किए जाने का मामला सामने है। शिकारी के द्वारा मादा हिरण पर तीर से हमला किए जाने की संभावना है। चूंकि उसके शरीर पर तीर के हमले जैसे जख्म का निशान है। तीर के हमले से हिरण की मौत हो गई है। घटना शनिवार की है। मृत अवस्था में पड़े हिरण पर ग्रामीणों की नजर पड़ी। इसके बाद वन विभाग को घटना की सूचना दी गई।वन विभाग मौके पर पहुंची एवं हिरण के शव को जब्त कर लिया। पशु चिकित्सा विभाग के द्वारा हिरण के शव का पोस्टमार्टम किया गया। इसके बाद शव को दफना दिया गया। बुढ़ाचांच निवासी सामाजिक कार्यकर्ता राणा प्रताप सिंह ने बताया कि जख्मी हालत में हिरण बुढ़ाचांच जंगल की ओर तेजी से भागते हुए बुढ़ाचांच मंदिर होते हुए अटका की ओर दौड़ा जा रहा था। इसी बीच अटका खेत में जख्मी हालत में वह खेत में जाकर गिर गया।

### गोड्डा में तेज रफ्तार का कहर, सड़क हादसे में हुई दो दोस्तों की मौत

**गोड्डा, एजेंसी।** झारखंड के गोड्डा जिले के महगामा थाना क्षेत्र में एनएच 133 पर हुए सड़क हादसे में दो दोस्तों की मौत हो गई। यह घटना गम्हरिया के पास हुई, जब दोनों बुलेट बाइक पर नुनाजोर से पथरगामा की ओर जा रहे थे। मृतक अपने एक दोस्त की शादी के लिए लड़की देखने गोड्डा की तरफ गए थे। देर रात लौटते समय एक दोस्त का फोन गुम हो गया था। रात में फोन न मिलने पर दोनों दोस्त सुबह उसे ढूंढने के लिए निकले थे। एनएच 133 पर एक हाईवा वाहन की चपेट में आने से दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद सड़क पर सैकड़ों की संख्या में लोग जमा हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत महागामा थाना को सूचना दी। सूचना मिलते ही महागामा पुलिस दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने दोनों के बॉडी को महागामा अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रत्यक्षदर्शी शेख नवी ने बताया कि गोड्डा की तरफ से एक बालू लदा हाईवा आ रहा था और नुनाजोर की तरफ से दो व्यक्ति बुलेट पर सवार होकर फोर लेन ह॥ 133 पर गलत दिशा से पथरगामा की ओर जा रहे थे, जहां तेज रफ्तार हाईवा ने टक्कर मार दी। मृतकों की पहचान सत्यम कुमार (22 वर्ष), पिता चंद्रशेखर यादव, ग्राम नूनाजोर, थाना महगामा, जिला गोड्डा और दूसरा विपिन कुमार मंडल, पिता अनिल मंडल, ग्राम धुआवै, थाना सनोखर, जिला भागलपुर के रूप में हुई है।

### जंगल में संदिग्ध अवस्था में मिले दो शव, जांच में जुटी पुलिस

**जामताड़ा, एजेंसी।** जंगल में एक युवक और एक युवति की लाश मिलने से सनसनी फैल गई है। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है। यह घटना मिहिजाम थाना क्षेत्र के जीतपुर गांव में हुई। शनिवार को जंगल में दो लाशें मिली। बताया जा रहा है कि जब गांव वाले जंगल में गए तो उन्हें एक युवक और एक युवती की लाश मिली। यह खबर गांव में जंगल में आग की तरह फैल गई और भारी भीड़ जमा हो गई। बाद में पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। घटना की जानकारी मिलने पर मिहिजाम थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और सभी को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों लाशों को पोस्टमार्टम के लिए जामताड़ा सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस को मौके से एक छोटी सीसी बोतल मिली है। पुलिस के मुताबिक, पहली नजर में मामला आत्महत्या का लग रहा है। इस पूरे मामले को लेकर एसपी शंभू कुमार सिंह ने पूरी जानकारी दी। एसपी ने बताया कि सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके से दोनों के शव बरामद किए। पहली नजर में यह आत्महत्या का मामला लग रहा है, मौके पर मिली बोतल से ऐसा लग रहा है कि दोनों ने आत्महत्या की होगी। एसपी ने बताया कि शवों की पहचान हो गई है।

### खरसावां पुलिस का कमाल, पांच लोगों को मिला खोया हुआ मोबाइल

**सरायकेला, एजेंसी।** झारखंड में खरसावां पुलिस ने पांच लोगों को उनके गुम हुए मोबाइल वापस दिलाए। थाना परिसर में एक साधारण कार्यक्रम में थाना प्रभारी गौरव कुमार ने सभी को उनके मोबाइल सम्मानपूर्वक लौटाए। कई महीनों बाद अपना खोया हुआ मोबाइल पाकर लोगों के चेहरे खुशी से खिल उठे। सीईआईआर पोर्टल की मदद से पुलिस ने सभी मोबाइल बरामद किए और असली मालिकों को वापस सौंप दिए। खरसावां पुलिस ने 13 अक्टूबर 2024 में गुम हुए खरसावां के मणीडीह (पदमपुर) गांव के अमन सामड़ के मोबाइल को बरामद कर वापस लौटाया। अमन सामड़ ने खरसावां पुलिस का आभार जताते हुए कहा कि करीब डेढ़ साल पहले गुम हुए मोबाइल फोन मिलने की उम्मीद ही छोड़ दी थी, लेकिन पुलिस की सक्रियता से उन्हें अपना फोन वापस मिल गया। इसके अलावा, खरसावां के संतारी गांव के रंजन कुमार पाल, जोजोकुड़मा के इस्माइल सिंह बोरमा, कुचाई के बडाचाकड़ी गांव के राम गुंदुवा का मोबाइल फोन दिसंबर 2025 में गुम हुआ था, जबकि रीडिंग के जयप्रकाश हेंब्रमन का मोबाईल फोन फरवरी 2026 को गुम हुआ था। इन्हें भी खरसावां थाना प्रभारी गौरव कुमार ने खोया हुआ फोन वापस किया।

## 2023 में झारखंड से कालाजार उन्मूलन की घोषणा,

# फिर किस बात से परेशान है स्वास्थ्य महकमा !



**रांची, एजेंसी।** साल 2023 में ही झारखंड से कालाजार को एलिमिनेट किये जाने की घोषणा की जा चुकी है। इसके बावजूद एक बार तेजी से बीमारी फैलने का खतरा बना हुआ है। कालाजार के 'सुपर स्प्रेडर' के भय से झारखंड का स्वास्थ्य महकमा सहमा हुआ है।

सैंड फ्लाई यानी बालू मक्खी के काटने से फैलने वाली जानलेवा और खतरनाक बीमारी कालाजार है। वर्ष 2023 में ही झारखंड से एलिमिनेट हो गया है। इसके बावजूद 2026 का यह वर्ष झारखंड और खासकर यहां के स्वास्थ्य महकमे के लिए काफी महत्वपूर्ण है।

झारखंड में नेशनल वेक्टर बॉर्न डिजीज कंट्रोल प्रोग्राम के स्टेट नोडल अधिकारी डॉ। बीके सिंह कहते हैं कि कालाजार हमारे राज्य झारखंड से 2023 में ही एलिमिनेट हो चुका है। कालाजार के उन्मूलन के लिए जरूरी प्रति 10000 की आबादी में 01 या उससे कम कालाजार के मरीज मिलने की स्थिति है। लेकिन इस क्राइटेरिया को राज्य ने वर्ष 2024-2025 में मेंटेन रखा है।

डोजियर और इसके वेरिफिकेशन के लिए ड्ड॥ह और अन्य इंटरनेशनल एजेंसी रहेंगे। वह अब यहां आकर यह सर्टिफाइड करेंगे कि हमने कालाजार को एलिमिनेट कर लिया है। तब अंतरराष्ट्रीय फलक पर यह मान लिया जाएगा कि झारखंड कालाजार को एलिमिनेट करने वाला राज्य बन चुका है। डॉ। बीके सिंह कहते हैं कि सबसे ज्यादा डर इस बात का है कि राज्य में 61 केस ऐसे हैं जो एचआईवी के साथ कालाजार से भी पीड़ित हुए हैं। चूंकि ऐसे मरीजों में रोग से लड़ने की क्षमता कम हो जाती है। ऐसे में ये किसी भी समय सुपर स्प्रेडर की भूमिका निभा सकते हैं। कुछ इसी तरह की चिंता क्क्रष्ठरुयानी पोस्ट कालाजार डर्मल लेश्मेनिया के मरीजों को लेकर है।

पीकेडीएल के केस में पूर्व में कभी कालाजार के मरीज रहे व्यक्ति के ठीक होने के एक से तीन साल बाद क्क्रष्ठरुहोने की संभावना रहती है। कालाजार के परजीवी उसके स्किन में छुपे होते हैं और यह सैंड फ्लाई के काटने पर एक से दूसरे व्यक्ति तक जाकर स्वस्थ व्यक्ति को भी संक्रमित कर सकते हैं। अगर ऐसा हुआ तो फिर हम कालाजार एलिमिनेटेड स्टेट का दर्जा खो देंगे। इसलिए विभाग चिंतित है और प्रीवेंटिव मेजरस और सर्विलांस पर खास ध्यान दे रहा है। जिससे ॥ढ्ढङ्क के साथ कालाजार या क्क्रष्ठरुके रोगी सुपर स्प्रेडर न बन सकें। इसके लिए 14 दिन से अधिक समय तक रहने वाले बुखार में कालाजार की जांच सभी सरकारी अस्पतालों में मुफ्त उपलब्ध कराई जा रही है।

डॉ। बीके सिंह बताते हैं कि संथाल के जिन-जिन गांवों में एचआईवी के साथ कालाजार या फिर पीकेडीएल के मामले हैं। वहां पर फिर से कालाजार के मरीज बड़ी संख्या में मिल सकते हैं। यह एलिमिनेशन के फेज में एक बड़ा व्यावधान हो सकता है, अगर हम चौकस नहीं रहे तो एलिमिनेशन की स्थिति को खो भी सकते हैं।

दरअसल, कालाजार भारत और झारखंड में सार्वजनिक स्वास्थ्य (कम्युनिटी हेल्थ) के सामने वर्षों तक एक गंभीर चुनौती के रूप में बना रहा। कालाजार एक ऐसी बीमारी है, जो दशकों से गरीब और ग्रामीण इलाकों की बड़ी आबादी को प्रभावित करती रही। खासकर बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में इसका प्रकोप कुछ अधिक ही था।

झारखंड, जो भौगोलिक और सामाजिक रूप से एक संवेदनशील माना जाता है। ऐसे में झारखंड के संथाल के चार जिले दुमका, गोड्डा, साहिबगंज और पाकुड़ के 31 ब्लॉक के लोग कालाजार से ज्यादा प्रभावित थे। नेशनल वेक्टर बोर्न डिजीज प्रोग्राम के तहत देश के अन्य कालाजार प्रभावित राज्यों के साथ साथ झारखंड के भी कालाजार प्रभावित चार जिलों में अभियान चलाया गया।

## बोकारो पुलिस ने नाबालिग लड़की को कोलकाता से किया बरामद, आरोपी गिरफ्तार

**बोकारो, एजेंसी।** चास थाना क्षेत्र से नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर भगाने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने नाबालिग को कोलकाता से बरामद किया है और आरोपी आरियन अली जमान को भी गिरफ्तार किया है। लड़की के पिता मो। जाफर कर्बला रोड, सुल्तान नगर, चास) के लिखित आवेदन के आधार पर 28 अप्रैल 2026 को अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। आवेदन में आरोप लगाया गया था कि दिन के करीब 11 बजे उनकी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर भगा लिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक, बोकारो के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (सदर, चास) के नेतृत्व में टीम गठित की गई। तकनीकी सहायता के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 1 मई को पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित बेनियापुकुर थाना क्षेत्र से नाबालिग लड़की को सकुशल बरामद कर लिया। छापेमारी के दौरान लड़की को आरोपी आरियन अली जमान के घर से बरामद किया गया। पुलिस ने मौके से ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने नाबालिग को कमरूज जमान, पता- 3/ए, छातु बाबू लेन, थाना- इन्टाली, जिला- कोलकाता स्थित अपने घर में रखा था। पुलिस ने आरोपी का मोबाइल फोन भी बरामद किया है जिसका फॉरेंसिक एनालिसिस करने की बात चास एसडीपीओ प्रवीण सिंह ने कही है। प्रवीण सिंह ने कहा कि नाबालिग की पिता के द्वारा दिए गए सूचना के बाद टीम को टावर लोकेशन एवं अन्य सूचना के आधार पर इनको बरामद किया। पुलिस आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज कर आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है।

## पलामू में सड़क हादसा, होमगार्ड जवान की मौत




**पलामू, एजेंसी।** जिला में शनिवार को हुए अलग-अलग सड़क हादसों में होमगार्ड जवान समेत दो लोगों की मौत हो गई है। वहीं इन हादसों में एक व्यक्ति गंभीर रूप से जख्मी है और उन्हें इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पीटल में भर्ती करवाया गया है।

दरअसल, पलामू में बिश्रामपुर थाना क्षेत्र के लालगढ़ गांव में अज्ञात वाहन के टक्कर में होमगार्ड के जवान जीतू मोची की मौत हो गई। जीतू पलामू के राजहरा कोलियरी में तैनात है। ड्यूटी खत्म करने के बाद बाइक से अपने पंजरी कलाघर जा रहे थे। इसी क्रम में लालगढ़ में अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना के शिकार जीतू मोची को इलाज के लिए एमएमसीएच में भर्ती करवाया गया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

इस हादसे की जानकारी मिलने के बाद होमगार्ड के कमांडेंट दीपक कुमार समेत अन्य लोग अस्पताल में पहुंचे और परिवार को आर्थिक सहायता दी। बिश्रामपुर थाना प्रभारी ऋषिकेश दुबे ने इस दुर्घटना की पुष्टि की है।

वहीं दूसरी दुर्घटना पलामू के पड़वा थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे 139 पर हुई। नेशनल हाईवे पर शनिवार दोपहर कार और बाइक की टक्कर हो गई। इस हादसे में करुअसना गांव के रहने वाले विजय ठाकुर और मुनेश्वर ठाकुर गंभीर रूप से जख्मी हो गए। दोनों को इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पीटल में भर्ती करवाया गया। जहां डॉक्टरों ने विजय ठाकुर को मृत घोषित कर दिया। पड़वा थाना प्रभारी अंकित कुमार ने बताया कि दुर्घटना में दो लोग जख्मी हुए, जिनमें से एक की मौत हो गयी है।

## गिरिडीह में 27 लाख यूनिट पत्थर की हो चुकी है चोरी, ढाई साल में भी जुर्माना नहीं वसूल सका विभाग



**गिरिडीह, एजेंसी।** वैध खनन पट्टा लेकर पत्थर की बड़े पैमाने पर चोरी कर ली गई। चोरी एक दो टन नहीं बल्कि बल्कि लगभग 27 लाख यूनिट यानी लगभग 1 लाख 8 हजार टन की गई। इसे हम 18 या 25 टन क्षमता वाले हाइवा में बदले तो 18 टन वाला 6000 हाइवा तो 25 टन वाला चार हजार से अधिक हाइवा पत्थर की चोरी की गई। गिरिडीह जिले के अलग-अलग अंचलों में संचालित पत्थर खदानों से लगातार चोरी होती रही और जब उस वक्त के जिलाधिकारी ने जांच करवायी तो चोरी पकड़ में आ गई।

दरअसल, मई 2023 से जनवरी 2024 तक जिलाधिकारी के निर्देश पर खनन विभाग ने जिले के एमएस शिव ज्योति स्टोन, एमएस मां तारा स्टोन, श्रीराम स्टोन चिप्स, गौसिया स्टोन, मुन्ना कुमार सिंह, महादेव साहू, विजय कुमार राय, एमएस मां तारा स्टोन, जय मां गौरी स्टोन समेत कई खदानों की जांच करवायी तो पत्थर की चोरी का खुलासा हुआ।

खुलासा होने के बाद इन खदानों के संचालकों पर लगभग 26।13 करोड़ का जुर्माना लगाया गया। हालांकि लगभग 2 से ढाई वर्ष में मात्र 92।12 लाख जुर्माना ही विभाग वसूल सका है। बाकी वसूली के नाम पर सिर्फ और सिर्फ नोटिस ही जारी किया गया है। विभाग ने जिन माइंस संचालकों पर जुर्माना लगाया है उनमें 12 करोड़ से अधिक का जुर्माना एकतरवा (धनवार) में संचालित एमएस शिव ज्योति स्टोन पर लगाया गया है। जबकि यहीं पर संचालित श्रीराम स्टोन चिप्स पर 30549373 रुपये, एमएस मां तारा स्टोन वर्कस पर 37712785 रुपये, धनवार के माधोपुर में संचालित गौसिया स्टोन पर 3781709 रुपये और जमुआ के करहाडीह में संचालित मुन्ना कुमार सिंह पर 11713834 रुपये का जुर्माना लगा है। यह पूरा आंकड़ा विभाग से मिली जानकारी पर आधारित है।

यहां एक बड़ी बात है कि जिन माइंस संचालकों पर जुर्माना लगाया गया है उनमें से कई का लीज 2025 में ही समाप्त हो चुका है। लीज समाप्त होने के बाद ऐसे माइंस संचालकों से जुर्माना की वसूली चुनौती से कम नहीं है। यहां देखना होगा कि वसूली के लिए विभाग आगे किस तरह का कदम उठाता है या वसूली के नाम पर जो समय काट रहा वैसा आगे भी चलेगा।

## बदलने वाला है पलामू के दिल का स्वरूप, छह मुहान को बनाया जाएगा ग्रीन जोन !



**पलामू, एजेंसी।** प्रमंडलीय मुख्यालय मेदिनीनगर के छह मुहान को पलामू का दिल कहा जाता है। छह मुहान पर छह अलग-अलग दिशा से रास्ता आ कर मिलती है। इस जगह को देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ। राजेंद्र प्रसाद चौक के नाम से भी जाना जाता है।

दरअसल, देश में कुछ ही इलाके हैं जहां छह अलग अलग रास्ते एक जगह पर मिलते हैं। पलामू में छह मुहान की तस्वीर बदलने वाली है। मेदिनीनगर नगर निगम ने इसके लिए एक कार्य योजना तैयार की है करीब पांच करोड़ रुपए की लागत से इसे ग्रीन जोन बनाया जाएगा। इस इलाके में ट्रैफिक में बदलाव किया जाएगा और स्ट्रीट वेंडर के लिए अलग से व्यवस्था की जाएगी। छह मुहान ई-व्हीकल चार्जर के सुविधा उपलब्ध की जाएगी। वर्तमान में नगर निगम के एक भवन को तोड़कर उसे स्ट्रीट वेंडर के लिए मार्केट के रूप में विकसित किया जाएगा। पूरे इलाके को सजाया जाएगा ताकि शहर के लोग इलाके में मॉर्निंग वॉक इवनिंग वॉक कर सके। बच्चों के खेलने और उनके लिए अलग से फूड जोन भी बनाएं जाएंगे।

ग्रीन जोन के लिए टेंडर जारी होने वाला है, डीपीआर तैयार हो गया है। छह मुहान को तीन अलग अलग हिस्सों में बांटा गया है। एक इनर सर्कल होगा जहां नो वेंडर और नो पार्किंग जोन बनाया जाएगा। सेकंड सर्कल भी नो वेंडर जोन रहेगा। थर्ड सर्कल में फुटकर विक्रेता या इन जैसों को रखा जाएगा। ई-व्हीकल चार्जर भी मौजूद रहेगा और ग्रीन पैचेज भी डेवलप किए जाएंगे। अगले छह से आठ महीने में प्रोजेक्ट कंप्लीट हो जाने की उम्मीद है। -जावेद हुसैन, डीडीसी सह प्रभारी नगर आयुक्त, पलामू।

पलामू का छह मुहान देश भर में चर्चित है। यह इलाका काफी व्यस्त माना जाता है और प्रमंडल के सभी इलाके से यहां पर रास्ते आकर मिलते हैं। डालटनगंज रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड इस चौक से काफी नजदीक है। देश के प्रथम राष्ट्रीय डॉ। राजेंद्र प्रसाद के नाम पर इस चौक का नाम रखा गया है।

देश के तत्कालीन राष्ट्रपति आर वेंकटरमण ने 1989 में डॉ। राजेंद्र प्रसाद की प्रतिमा का अनावरण किया था। जानकारी के अनुसार झारखंड के पलामू के अलावा उत्तर प्रदेश के वाराणसी, नई दिल्ली, गुजरात के अहमदाबाद और मध्य प्रदेश के इंदौर में ऐसे चौक मौजूद है जहां छह अलग-अलग रास्ते एक जगह आकर मिलते हैं।

## राजनगर में पंडित रघुनाथ मुर्मू की जयंती मनाई गई,

## चंपाई सोरेन ने भाषा-संस्कृति संरक्षण पर दिया जोर



**सरायकेला, एजेंसी।** सरायकेला खरसावां जिले के गामदेसाई (राजनगर) में संथाली भाषा की ओलचिकी लिपि के आविष्कारक पंडित रघुनाथ मुर्मू की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री सह स्थानीय विधायक चंपाई सोरेन उपस्थित रहे, जिन्होंने प्राइमरी स्तर से संथाली भाषा में पढ़ाई शुरू करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने बताया कि उनके कार्यकाल में झारखंड में संथाली समेत सभी आदिवासी/स्थानीय भाषाओं में प्राथमिक स्कूल के स्तर से पढ़ाई शुरू करने का काम शुरू हुआ था, जिसे बाद में रोक दिया गया। प्राथमिक स्तर से ओलचिकी लिपि में पढ़ाई इस भाषा के साहित्य को समृद्ध बनाने की दिशा में मददगार साबित होगी।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी समाज की असली पहचान उसकी माटी, भाषा, संस्कृति और परंपराओं से जुड़ाव में है। उन्होंने कहा कि आज जब बाहरी घुसपैठ और धर्मांतरण जैसी चुनौतियां समाज की जमीन और अस्तित्व पर असर डाल रही हैं, ऐसे समय में अपनी जड़ों को मजबूती से पकड़ना बेहद जरूरी है। उन्होंने जोर दिया कि भाषा, संस्कृति और परंपराओं का संरक्षण और संवर्धन ही आदिवासी समाज के अस्तित्व की रक्षा कर सकता है।

उन्होंने याद दिलाया कि कई दशकों के संघर्ष और आंदोलन के बाद, केंद्र की तत्कालीन श्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने साल 2003 में संथाली भाषा को भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया था। केंद्र की मोदी सरकार द्वारा संसद के कार्यवाही की संथाली भाषा में अनुवाद की भी व्यवस्था की गई है।

चंपाई सोरेन ने बताया कि इस वर्ष केंद्र सरकार द्वारा ओलचिकी लिपि के 100 वर्ष होने पर शताब्दी समारोह मनाया जा रहा है। भारत सरकार ने पंडित रघुनाथ मुर्मू के सम्मान में और ओलचिकी के 100 वर्ष पूरे होने पर 100 का स्मारक सिक्का और एक विशेष डाक टिकट जारी किया है। इस कार्यक्रम में बड़ी में संख्या भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

## विनीत तिवारी हत्याकांडः पुलिस के शिकंजे में मुख्य आरोपी का भाई, साजिश करने का आरोप



**पलामू, एजेंसी।** जिला के चर्चित विनीत तिवारी अपहरण और हत्याकांड के मुख्य आरोपी प्रदीप तिवारी उर्फ महाकाल के भाई दिलीप तिवारी उर्फ मिंटू को पलामू पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने दिलीप तिवारी उर्फ मिंटू न्यायिक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। दिलीप तिवारी पर अपहरण एवं हत्याकांड के साजिश में शामिल रहने का आरोप है। विनीत तिवारी के परिजनों ने दिलीप तिवारी और प्रदीप तिवारी के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज करवाई थी।

दरअसल, 25 अप्रैल को पलामू के मेदिनीनगर टाउन थाना क्षेत्र समदा आहर के पास से विनीत तिवारी का अपहरण हुआ था। 26 अप्रैल की सुबह सदर थाना क्षेत्र के जोरकट में विनीत तिवारी का शव बरामद हुआ। विनीत तिवारी की हत्या कर शव को फेंक दिया गया था। पुलिस ने पूरे मामले में कार्रवाई करते हुए नामजद आरोपी दिलीप तिवारी को गिरफ्तार कर लिया है।

टाउन थाना प्रभारी ज्योतिलाल रजवार ने बताया विनीत तिवारी के अपहरण और हत्याकांड की साजिश में दिलीप तिवारी शामिल रहा है। पूरी घटना को जमीन के कारोबार के विवाद में अंजाम दिया गया। पुलिस फरार आरोपियों के खिलाफ छापेमारी कर रही है और आगे की कार्रवाई भी कर रही है।

आरोपी दिलीप तिवारी से पूछताछ के दौरान पुलिस को कई जानकारी भी मिली है। शुक्रवार को पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रदीप तिवारी उर्फ महाकाल के घर में मौजूद तीन लग्जरियस गाड़ियों को जब्त किया।

## असम में झामुमो को खास उम्मीदें,

## केंद्रीय प्रवक्ता ने कहा- जेएमएम के समर्थन के बिना यहां नहीं बन पाएगी सरकार




**रांची, एजेंसी।** चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजे का दिन नजदीक आ गया है। 04 मई को मतगणना के बाद यह साफ हो जाएगा कि किस राज्य में जनता ने किस दल या गठबंधन पर अपना भरोसा जताया है।

इस बीच झारखंड की सत्ताधारी पार्टी और असम विधानसभा चुनाव लड़ने वाली झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय प्रवक्ता ने पांचों राज्यों के चुनाव परिणाम को लेकर खास बात कही है। टीएमसी और ममता बनर्जी के पक्ष में एक तरफा होने की उम्मीद जताते हुए मनोज पांडेय ने कहा कि इस बार बंगाल का चुनाव, बंगाली अस्मिता का चुनाव था। बंगाल पर कोई बंगाली राज करेगा या दो गुजराती, इसी मुद्दे पर पश्चिम बंगाल की जनता ने वोट किया है। मनोज पांडेय ने कहा कि पूरा बंगाल चुनाव में ममता दीदी के साथ एकजुट दिखा है और सबसे बड़ी बात है कि हेमंत सोरेन, ममता दीदी के साथ हैं। ऐसे में पश्चिम बंगाल का परिणाम टीएमसी के पक्ष में आएगा।

असम विधानसभा चुनाव में झामुमो ने 17 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ा है। इस पर केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय ने कहा कि असम में इस बार भाजपा अपनी सरकार नहीं बना पाएगी। असम में हमारी पार्टी का बेहतरीन प्रदर्शन होगा। मनोज पांडेय ने कहा कि असम में झारखंड मुक्ति मोर्चा के समर्थन के बिना कोई सरकार नहीं बनेगी। असम में झामुमो पहली बार चुनाव लड़ा है, फिर भी हमारा प्रदर्शन बेहतरीन रहेगा।

केरल विधानसभा चुनाव में मुख्य मुकाबला स्नष्ठस्न और ष्टस्न के बीच होता दिखाई दे रहा है, जिसे भाजपा तीसरा कोण बनाने की कोशिश करती दिख रही है। झामुमो का मानना है कि केरल में दोनों फ्रंट के बीच बेहद नजदीकी मुकाबला है और भाजपा वहां सत्ता की रेस में नहीं है। झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता कहते हैं कि केरल में सेकुलर सरकार ही बनेगी।

झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय प्रवक्ता ने 04 मई को होने वाली मतगणना से पूर्व नतीजों का पूर्वानुमान लगाते हुए तमिलनाडु के संबंध में कहा कि वहां फिर से द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम गठबंधन की सरकार बनेगी।

झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय ने कहा कि इस बार केंद्रशासित प्रदेश पुदुचेरी में कांग्रेस गठबंधन को लाभ मिलेगा और चुनाव परिणाम आने के बाद कांग्रेस की सरकार वहां बनेगी। असम विधानसभा चुनाव में झामुमो के प्रदर्शन को लेकर पूछे गए सवाल पर मनोज पांडेय ने कहा कि पहली बार झामुमो ने असम में व्यापक तरीके से और पूरी गंभीरता से चुनाव लड़ा है। वहां की जनता का हमने दिल जीता है। झामुमो नेता ने कहा कि असम की नई सरकार बिना हमारे समर्थन के नहीं बन सकेगी।

## संक्षिप्त समाचार

### बिहार में अल्पसंख्यक को डरने की जरूरत नहीं, वो यहां सुरक्षित हैं'

**पटना, एजेंसी।** बिहार में नई सरकार बनी है। नई सरकार में बदलते स्वरूप के मुताबिक अब जेडीयू छोटे भाई की भूमिका में आ गई है। वहीं बीजेपी अप्पर हैंड में है। ऐसे में जेडीयू के तरफ से यह सफाई दी जा रही है कि जो पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार के साथ वादा किया था वह बदस्तूर जारी रहेगा। इसको लेकर बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, जेडीयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने मीडिया के सामने आकर उन बातों को बताया जिसके लिए पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जाने जाते थे। खासतौर पर जेडीयू ने बिहार में रह रहे अल्पसंख्यक समुदाय को संबोधित किया। विजय चौधरी ने आगे कहा कि अभी वर्तमान सरकार, जो सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बनी है, उसका रास्ता और तरीका नीतीश कुमार द्वारा तय किया गया है। हम लोग उसी रास्ते पर चल रहे हैं। पिछली बार नीतीश कुमार ने सदन के माध्यम से लोगों को आश्वस्त किया था कि क्राइम, करप्शन और कम्युनलिज्म से समझौता नहीं किया जाएगा। आज भी बिहार में सांप्रदायिकता पर सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति है।

### हाथी ने बुजुर्ग को कुचकर मार डाला, बिहार में झारखंड के हाथी का आतंक

**नवादा, एजेंसी।** बिहार के नवादा में गोविंदपुर थाना क्षेत्र के माधोपुर गांव में जंगली हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार सुबह हाथियों के हमले में एक बुजुर्ग की दर्दनाक मौत हो गई। बीते एक महीने के भीतर हाथियों के हमले से यह चौथी मौत है। हादसे के बाद से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। लगातार हो रहे हमलों से ग्रामीणों में आक्रोश भी बढ़ता जा रहा है। नाराज ग्रामीणों ने गोविंदपुर-फतेहपुर मुख्य सड़क को आरसीबी स्कूल के पास करीब चार घंटे तक जाम कर दिया। हाथी ने सूंड से उठाकर पटका : प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार गोविंदपुर थाना क्षेत्र के माधोपुर गांव के आनंद नगर मोहल्ले में शनिवार सुबह करीब 60 वर्षीय बच्चू राम घर से बाहर निकले थे। इसी दौरान पीछे से आए एक हाथी ने उन्हें सूंड से उठाकर पटक दिया और पैरों से कुचल दिया। घटना स्थल पर ही उनकी मौत हो गई। एक महीने में चौथी मौत : रजौली और गोविंदपुर इलाके में बीते एक महीने के भीतर हाथियों के हमले से यह चौथी मौत है। इससे पहले रजौली के जंगल क्षेत्र में एक व्यक्ति व कौआकोल में एक युवक सनोज भुइया की भी हाथियों ने जान ले ली थी। हाथियों का झुंड लगातार गांवों में घुसकर मकानों और फसलों को नुकसान पहुंचा रहा है। मकान तोड़े, फसल रौंदी : इससे पहले माधोपुर में ही शिवालक यादव के घर पर हमला कर हाथियों ने उनके मकान को पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया था। घर में रखे अनाज, बर्तन और अन्य सामान भी नष्ट हो गए थे। वहीं कौआकोल थाना क्षेत्र के दरावां पंचायत के नेढला, भुआलटाड़, वरौन, महापुर और बाजितपुर गांवों में हाथियों ने गेहूं की फसल रौंद दी। किसान सुरेश प्रसाद सिंह के बगीचे में केले के कई पौधे नष्ट कर दिए। रजौली में हाथियों ने तीन भैंसों को भी मार डाला।

### महिला सिपाही को लेकर खून-खराबा, थाने के प्राइवेट चालक ने सरकारी ड्राइवर को मारी गोली

**गया, एजेंसी।** बिहार के गया जिले में एक महिला सिपाही से जुड़े प्रेम प्रसंग को लेकर दो पुलिस वाहन चालकों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि एक ने दूसरे पर गोली चला दी। इस घटना में कोतवाली थाने के एक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने आरोपित चालक को घटनास्थल से गिरफ्तार कर लिया है। करीब दिनों से दोनों चालकों के बीच महिला सिपाही को लेकर तनातनी चल रही थी। परैया थाने का एक प्राइवेट चालक कथित तौर पर इस बात से नाराज था कि कोतवाली थाने का चालक उसी महिला सिपाही से संपर्क में रहता है, जिसके साथ उसका प्रेम संबंध था। इसी जलन के चलते विवाद बढ़ता गया और हिंसक रूप ले लिया। शनिवार सुबह सिविल लाइन थाना क्षेत्र के पिता महेश्वर इलाके में आरोपी चालक ने घात लगाकर कोतवाली थाने के चालक पर गोली चला दी। गोली सीने के ऊपरी हिस्से में लगी, जिससे चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल चालक किसी तरह कोतवाली थाना पहुंचा और वहां थानाध्यक्ष को पूरी घटना की जानकारी दी। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली और सिविल लाइन थाने की पुलिस टीम सक्रिय हो गई। आरोपित चालक को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। बताया गया है कि गोलीबारी में देसी कट्टे का इस्तेमाल किया गया। महिला सिपाही भी इसी सिविल लाइन थाना क्षेत्र में किराए के मकान में रहती है। घायल चालक को सबसे पहले जयप्रकाश नारायण अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों की निगरानी में उसका इलाज जारी है। सिविल लाइन थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी कर ली गई है और वह परैया थाने का प्राइवेट चालक था। पूरे मामले की गहन छानबीन की जा रही है। गया के सिटी एसपी ने भी पुष्टि की कि प्रथम दृष्टया मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा प्रतीत होता है और अग्रिम कार्रवाई के लिए जांच चल रही है।

**कम फीस, बेहतर पढ़ाई और लंबी वेटिंग लिस्ट**

# केंद्रीय विद्यालय में एडमिशन के लिए अभिभावकों की बढ़ी बेचैनी

**पटना, एजेंसी।** अच्छी पढ़ाई, अनुशासन, बेहतर शिक्षण व्यवस्था और सबसे बड़ी बात कम फीस। यही वजह है कि हर साल हजारों अभिभावकों की पहली पसंद केंद्रीय विद्यालय बनता जा रहा है लेकिन सीटें सीमित हैं और दावेदारों की संख्या लगातार बढ़ रही है। नतीजा यह है कि केंद्रीय विद्यालयों में एडमिशन अब किसी प्रतियोगी परीक्षा से कम नहीं रह गया है। केंद्रीय विद्यालय में दाखिले के लिए मारामारी !: केंद्रीय विद्यालय बच्चों का एडमिशन लॉटरी सिस्टम से होता है। ऐसे में इन दिनों कई अभिभावक महीनों से स्कूलों के चक्कर लगा रहे हैं। लंबी वेटिंग लिस्ट देख रहे हैं और इस उम्मीद में बैठे हैं कि शायद उनके बच्चे का नाम भी चयन सूची में आ जाए।

क्यों केंद्रीय विद्यालय में भीड़: प्राइवेट स्कूलों की तुलना में केंद्रीय विद्यालय की फीस कई गुना कम है। जहां निजी स्कूलों में नर्सरी या पहली कक्षा के लिए ही सालाना हजारों से लेकर लाखों रुपये तक खर्च करने पड़ते हैं। वहीं केंद्रीय विद्यालय में नामांकन के बाद फीस अपेक्षाकृत बहुत कम होती है। यही कारण है कि मध्यमवर्गीय और नौकरीपेशा परिवारों के लिए अपने बच्चों का एडमिशन कराने के लिए पहली पसंद केंद्रीय विद्यालय है। वर्तमान में बिहार में 51 केंद्रीय विद्यालय चल रहे हैं और बीते वर्ष 19 नए केंद्रीय विद्यालय को स्वीकृत किया गया है। जिस पर अभी काम चल रहा है। आने वाले समय में प्रदेश में 70 केंद्रीय विद्यालय होंगे लेकिन अभी के समय 51

केंद्रीय विद्यालय में ही बच्चों का पठन-पाठन हो रहा है। प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन आवेदन से शुरू: केंद्रीय विद्यालयों में सबसे अधिक भीड़ पहली कक्षा में नामांकन के दौरान देखने को मिलती है। यहां प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन आवेदन से शुरू होती है। केंद्रीय विद्यालय संगठन की आधिकारिक वेबसाइट पर निर्धारित समय के भीतर अभिभावकों को आवेदन करना होता है। आवेदन के दौरान बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, निवास प्रमाण, माता-पिता की सेवा संबंधी जानकारी और यदि लागू हो तो आरक्षण से जुड़े दस्तावेज अपलोड करने होते हैं।

क्या बोले पूर्व प्राचार्य: बेली रोड पर शेखपुरा स्थित केंद्रीय विद्यालय से हाल ही में सेवानिवृत हुए पूर्व प्राचार्य पीके सिंह ने बताया कि केंद्रीय विद्यालय में नामांकन की प्रक्रिया पूरी तरह तय नियमों के अनुसार होती है। केंद्रीय विद्यालयों में सबसे पहले केंद्र सरकार के कर्मचारियों, रक्षा सेवाओं, अर्धसैनिक बलों, रेलवे कर्मियों और अन्य ट्रांसफरेबल जॉब वाले कर्मचारियों के बच्चों को प्राथमिकता दी जाती है।

इसके बाद राज्य सरकार के कर्मचारी, स्वायत्त संस्थानों के कर्मचारी और आम नागरिकों के बच्चों को अवसर मिलता है। सीटें सीमित होने के कारण सामान्य वर्ग के अभिभावकों के लिए प्रवेश और भी कठिन हो जाता है। उन्होंने बताया कि कक्षा एक में प्रवेश के लिए उम्र सीमा भी तय होती है। आमतौर पर 6 वर्ष के आसपास आयु अनिवार्य मानी जाती है।

# चेन पुलिंग कर युवती को ट्रेन से उतारा, फिर 4 से अधिक दरिंदों ने किया दुष्कर्म

**गया, एजेंसी।** बिहार के गया-पटना रेल खंड के बेला और नेयामतपुर स्टेशन के बीच बेलागंज थाना क्षेत्र में एक युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म की हैरान करने वाली घटना सामने आई है। ट्रेन से उतरते ही आधा दर्जन युवकों ने युवती को पकड़कर हैवानियत की। पुलिस ने अब तक 10 संदिग्धों को हिरासत में लिया है।

ट्रेन से उतरते ही हुई वारदात: युवती जहानाबाद जिले की रहने वाली थी और गया अपने रिश्तेदार के यहां जा रही थी। जहानाबाद स्टेशन से ट्रेन में चढ़ी युवती के साथ जानबूझकर चेन पुलिंग की गई। अनजाने में वह बेला-नेयामतपुर स्टेशन के बीच उतर गई, जहां घात लगाए बैठे अपराधियों ने उसे पकड़ लिया।

युवकों की शातिराना प्लानिंग: पुलिस के अनुसार अपराधियों ने पहले से प्लानिंग कर चेन पुलिंग की और युवती को ट्रेन से उतरवाया। उतरते ही चार से अधिक लोगों ने मिलकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। घटना शुक्रवार रात की बताई जा रही है।

पीड़िता ने दी सूचना: घटना के बाद युवती ने पुलिस को सूचना दी। बेलागंज थाना की टीम मौके पर पहुंची और पीड़िता को अस्पताल में भर्ती कराया गया। फॉरेंसिक टीम को बुलाकर घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए गए हैं।

हिरासत में 10 संदिग्ध : पुलिस की तेज कार्रवाई में अब तक 10 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। उनसे पूछताछ जारी है। पुलिस के अनुसार 6 से अधिक लोग इस कांड में सीधे शामिल बताए जा रहे हैं।

क्या कहते हैं थानाध्यक्ष: बेलागंज थानाध्यक्ष मनोज कुमार पांडे ने बताया कि मामले को अत्यंत गंभीरता से लिया गया है। सभी आरोपियों की गिरफ्तारी जल्द पूरी कर ली जाएगी। कोई भी आरोपी बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस ने पूरे मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। इलाके में छानबीन तेज कर दी गई है। पीड़िता की सुरक्षा और न्याय सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन सतर्क है।

## शादी में डांसर को बुलाया, फिर 24 घंटे तक किया सामूहिक दुष्कर्म

**बक्सर, एजेंसी।** बिहार के बक्सर में राजपुर थाना क्षेत्र में 25 वर्षीय नर्तकी के साथ कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म की सनसनीखेज घटना सामने आई है। घटना के बाद से पूरे इलाके में डर और आक्रोश का माहौल बन गया है। जानकारी के अनुसार, पीड़िता को एक वैवाहिक कार्यक्रम में प्रस्तुति देने के लिए बुलाया गया था, लेकिन कार्यक्रम के बाद उसके साथ हैवानियत की हद पार कर दी गई।

क्या कहती है पीड़िता: पीड़िता के बयान के मुताबिक एक युवक ने उसे कार्यक्रम के बहाने बुलाया। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद आरोपी उसे बहला-फुसलाकर नदी किनारे ले गए। जहां पहले से मौजूद अन्य लोगों के साथ मिलकर उसे जबरन बंधक बना लिया गया। आरोप है कि करीब 24 घंटे तक उसे कैद में रखकर 4 से 5 लोगों ने बारी-बारी से उसके साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान उसके कपड़े फाड़ दिए गए और उसे शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। बेहोशी की हालत में छोड़ा: पीड़िता ने यह भी बताया कि आरोपियों ने उसके साथ मारपीट करने के बाद उसे बेहोशी की हालत में छोड़ दिया। यहीं नहीं वारदात के बाद आरोपी पीड़िता का मोबाइल फोन तथा पैसे लेकर फरार हो गए। होश में आने के बाद किसी तरह पीड़िता गांव पहुंची और स्थानीय लोगों को अपनी आपबीती सुनाई। इसके बाद मामला सामने आया और पुलिस तक सूचना पहुंची।

**एफआईआर दर्ज :** घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस तुरंत हरकत में आई और पीड़िता के बयान के आधार पर राजपुर थाने में एफआईआर दर्ज की गई। इस मामले को लेकर पुलिस ने बताया कि कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। साथ ही, घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों में साक्ष्य जुटाने के लिए पुलिस टीम सक्रिय रूप से जांच में जुटी है। साथ ही वरीय अधिकारियों के निर्देश पर विशेष टीमों का गठन कर आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की कोशिश की जा रही है।

## 23 साल देश सेवा के बाद घर वापसी पर सीआरपीएफ जवान का भव्य स्वागत , मां ने उतारी आरती

**बक्सर, एजेंसी।** 'ना तन चाहिए और ना मन चाहिए, अमन से भरा ये वतन चाहिए।।। जब तक जिऊं मातृभूमि के लिए, मरूं तो तिरंगा कफन चाहिए।' 4 मार्च 2003 को सीआरपीएफ में भर्ती हुए रितेश पांडेय 23 साल एक महीने तक सेवा देने के बाद अपने गांव लौटे। रितेश पांडेय का स्वागत किसी सेलिब्रिटी से कम नहीं रहा। बक्सर रेलवे स्टेशन उस समय देशभक्ति और सम्मान की भावनाओं से सराबोर हो उठा, जब सीआरपीएफ से वीआरएस लेकर लौटे जवान रितेश पांडेय के स्वागत के लिए सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण ढोल-नगाड़ों के साथ स्टेशन पहुंचे।

भारत माता के जयकारों से गूंज उठा स्टेशन परिसर: सुबह करीब 9 बजे जैसे ही वंदे भारत एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म नंबर एक पर पहुंची, जवान रितेश पांडेय ने बक्सर की धरती पर कदम रखा, पूरा स्टेशन 'भारत माता की जय' के नारों से गूंज उठा। फूल-मालाओं से उनका भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान सबसे भावुक पल वह रहा जब उनकी मां ने आरती उतारकर बेटे का स्वागत किया। इस दृश्य ने वहां मौजूद लोगों की आंखें भी नम कर दीं।

औद्योगिक थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं जवान: रितेश पांडेय, जो औद्योगिक थाना क्षेत्र के हरिकिशुनपुर गांव के निवासी हैं, उन्होंने 23 वर्षों तक देश की सुरक्षा में अपनी अहम भूमिका निभाई। अब उन्होंने स्वेच्छा से सेवानिवृत्ति लेकर अपने माता-पिता और समाज की सेवा करने का निर्णय लिया है। मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि देश सेवा केवल सरहद पर रहकर ही नहीं, बल्कि समाज में रहकर भी की जा सकती है।

'देश सेवा वो नहीं जो सिर्फ बॉर्डर पर की जाए। अगर आप छोटा सा कचरा उठाकर भी कूड़ेदान में डालते हैं तो वह भी देश सेवा है। देश के अलावे समाज को भी हमारी जरूरत है। देश सेवा के बाद अब समाज की सेवा के लिए हमेशा तैयार रहेंगे। इसलिए वीआरएस लेकर वापस समाज में लौटे हैं। समाज के युवाओं को प्रोत्साहित करने का काम करेंगे कि कैसे देश सेवा के लिए फौज में जाएं।' क्या कहते हैं दीपक पांडेय: इस मौके पर मौजूद सामाजिक कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने भी इस स्वागत को एक नई परंपरा की शुरुआत बताया। उनका कहना था कि जो जवान अपना जीवन देश के लिए समर्पित करते हैं, उनके सम्मान में इस तरह का स्वागत होना चाहिए। भाजपा के जिला प्रवक्ता दीपक पांडेय ने कहा कि देश के लिए अपना सब कुछ न्योछावर करने वाले सैनिकों का सम्मान करना समाज की जिम्मेदारी है और बक्सर ने एक नई मिसाल पेश की है।

देश सेवा से लौटने वालों का सम्मान एक परंपरा: गौरतलब है कि बक्सर में अब यह परंपरा धीरे-धीरे मजबूत होती जा रही है, जहां देश सेवा कर लौटने वाले जवानों का पूरे सम्मान और गौरव के साथ स्वागत किया जाता है। यह न केवल उन सैनिकों के मनोबल को बढ़ाता है, बल्कि समाज में देशभक्ति की भावना को भी मजबूत करता है।

**स्व-गणना में देशभर में बिहार टॉप पर,**

# जनगणना 2027 के पहले चरण 'हाउस लिस्टिंग' की राज्य में हुई शुरुआत

**पटना, एजेंसी।** जनगणना 2027 के तहत शुरू हुई स्व-गणना प्रक्रिया में बिहार ने पूरे देश में अव्वल स्थान हासिल किया है। राज्य के लाखों परिवारों ने ऑनलाइन माध्यम से बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिससे यह साफ हो गया कि डिजिटल जनभागीदारी के मामले में बिहार तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी को लेकर पटना स्थित जनगणना कार्य निदेशालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में अधिकारियों ने विस्तृत जानकारी दी और लोगों से आगे भी सहयोग की अपील की।

**जनगणना 2027 का पहला चरण :** जनगणना कार्य-सह-नागरिक निबंधन की निदेशक रंजिता ने बताया कि जनगणना 2027 का पहला चरण, यानी मकान-सूचीकरण (हाउस-लिस्टिंग) बेहद महत्वपूर्ण है। इस चरण में राज्य के सभी मकानों का सूचीकरण किया जा रहा है, जिसके तहत प्रत्येक घर की बुनियादी जानकारी एकत्र की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया आगे होने वाली जनगणना को सटीक और व्यवस्थित बनाने की दिशा में आधार तैयार करेगी।

''इस बार जनगणना में तकनीक का व्यापक उपयोग किया गया है। लोगों को स्वयं अपनी जानकारी ऑनलाइन साझा करने की सुविधा दी गई, जिसे स्व-गणना कहा गया। इस प्रक्रिया में बिहार के 4682284 परिवारों ने हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि देश के लगभग 16 राज्यों में यह प्रक्रिया पूरी हुई, जिसमें बिहार सबसे आगे रहा। बिहार में 17 अप्रैल से 1 मई तक चली इस प्रक्रिया में लोगों की भागीदारी काफी उत्साहजनक रही।''- रंजिता, निदेशक, जनगणना कार्य-सह-नागरिक निबंधन

**टॉप पर मधुबनी :** जिलों की बात करें तो मधुबनी, वैशाली और दरभंगा ने स्व-गणना में सबसे ज्यादा योगदान दिया। मधुबनी में 590248 परिवारों ने स्व-गणना पूरी की, जबकि वैशाली में 572326 और दरभंगा में 484257 परिवारों ने हिस्सा लिया। इसके अलावा गोपालगंज में 298637, पटना में 230249, भोजपुर में 201666, औरंगाबाद में 159012, खगड़िया में 158900, पश्चिम चंपारण में 129936 और पूर्णिया में 116024 शीर्ष 10 जिलों में शामिल रहे। खास बात यह रही कि जो लोग पोर्टल पर गए, उनमें से 96 प्रतिशत से अधिक ने स्व-गणना की प्रक्रिया पूरी भी की।

**कैसे होगी मकान की गणना :** निदेशक रंजिता ने आगे बताया कि जिन लोगों ने स्व-गणना में हिस्सा लिया है, उनके घरों का फिजिकल वेरिफिकेशन भी किया जाएगा। स्व गणना के दौरान लोकेशन पता पोर्टल पर गया हुआ है। ऐसे में जो लोकेशन है उसके तहत शहरी क्षेत्रों में 100 मीटर और ग्रामीण क्षेत्रों में 500 मीटर की परिधि के भीतर घरों का प्रगणक द्वारा सत्यापन किया जाएगा। वहीं, जो लोग स्व-गणना में शामिल नहीं हुए हैं, उनके मकानों की गिनती प्रगणकों द्वारा सीधे जाकर की जाएगी। मकान सूचीकरण और सुविधाओं से जुड़ी जानकारी एकत्र करने का यह कार्य 2 मई से शुरू होकर 31 मई तक चलेगा।

## 'हीट वेव' को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट, मरीजों के लिए एसी, कूलर की व्यवस्था

**रोहतास, एजेंसी।** बिहार में बढ़ती गर्मी के कारण अस्पतालों में मरीजों की तादाद तेजी से बढ़ रही है। पिछले कुछ सालों के अनुभवों से सीखते हुए, इस बार बिहार के अस्पतालों की तैयारियों को लेकर विशेष सजगता बरती जा रही है। सवाल सिर्फ सरकारी आंकड़ों का नहीं है, बल्कि उन हजारों परिवारों का है जिनके सदस्य इस जानलेवा गर्मी की चपेट में आकर अस्पतालों के चक्कर काट रहे हैं। रोहतास जिला मुख्यालय सासाराम स्थित जिले का सबसे बड़ा सरकारी अस्पताल इस समय किसी युद्ध स्तर की तैयारी में जुटा है। जिला प्रशासन ने स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए यहां व्यापक इंतजाम किए हैं। अस्पताल परिसर में घुसते ही आपको प्रशासन की मुस्तैदी साफ दिखाई देगी। यहां विशेष रूप से 12 बेड का एक 'हीट स्ट्रोक वार्ड' स्थापित किया गया है। यह वार्ड केवल नाम का नहीं है, बल्कि इसे मरीजों की सुविधा और राहत को केंद्र में रखकर डिजाइन किया गया है।वार्ड के भीतर का नजारा बाहर की झुलसा देने वाली गर्मी से बिल्कुल उलट है। सदर अस्पताल प्रबंधक की ओर से मरीजों को सुकून देने के लिए यहां पर्याप्त संख्या में एसी, कूलर और पंखे लगे हैं।

# बीच सड़क पर गैस सिलेंडर रखकर किया प्रदर्शन, डीएम के कहने पर ऐजेंसी पर एफआईआर

**सारण, एजेंसी।** बिहार के सारण जिले में एलपीजी आपूर्ति व्यवस्था में किए गए बदलाव का असर शुक्रवार को जलालपुर में देखने को मिला। जहां गैस नहीं मिलने से नाराज उपभोक्ताओं ने ललित गैस एजेंसी के सामने सिलेंडर रखकर सड़क जाम कर दिया। हालांकि प्रशासन और पुलिस की तत्परता से स्थिति सामान्य हो गई और आवागमन फिर से शुरू करा दिया गया।

**गैस सिलेंडर नहीं मिलने से लोग परेशान :** जानकारी के अनुसार, आपूर्ति व्यवस्था को लेकर जिला प्रशासन ने एलपीजी वितरण में कुछ बदलाव किए हैं। प्रशासन द्वारा एजेंसियों को निर्देश दिया गया है कि गैस सिलेंडर की आपूर्ति मुख्य रूप से होम डिलीवरी के माध्यम से की जाए। इसी व्यवस्था के कारण कई उपभोक्ताओं को तत्काल सिलेंडर नहीं मिल सका।

**सड़क पर सिलेंडर रखकर प्रदर्शन :** शुक्रवार को बड़ी संख्या में उपभोक्ता गैस सिलेंडर लेकर सीधे ललित गैस एजेंसी के गोदाम पहुंच गए और ऑन स्पॉट सिलेंडर देने की मांग करने लगे। उपभोक्ताओं का कहना था कि उनके घरों में गैस समाप्त हो चुकी है और मोबाइल ऐप के माध्यम से बुकिंग भी नहीं हो पा रही है। ऐसे में मजबूरी में उन्हें एजेंसी पहुंचना

पड़ा। उपभोक्ताओं और एजेंसी कर्मचारियों के बीच बहस शुरू हो गई, जिसके बाद कुछ लोगों ने सड़क पर सिलेंडर रखकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

''जिला प्रशासन और सरकार के निर्देश के अनुसार पहले से ऑनलाइन बुक किए गए उपभोक्ताओं को ही सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है। बिना बुकिंग के सिलेंडर देना संभव नहीं है।''- गैस एजेंसी प्रबंधन

**प्रशासन ने स्थिति को किया नियंत्रित :** स्थिति की जानकारी मिलते ही जलालपुर थाना अध्यक्ष, प्रखंड विकास पदाधिकारी समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने प्रदर्शन कर रहे लोगों को समझाया कि नियम के अनुसार बुकिंग कराने के बाद ही गैस की आपूर्ति की जाएगी। प्रशासन ने लोगों से धैर्य बनाए रखने और निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने की अपील की। अधिकारियों के समझाने के बाद उपभोक्ता शांत हो गए और अपना-अपना सिलेंडर लेकर वापस घर लौट गए।

**प्रोपराइटर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज :** इधर, सारण जिले में ही गैस वितरण में अनियमितता और अनुदानित घरेलू गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी को लेकर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। जिला पदाधिकारी वैभव श्रीवास्तव के सख्त निर्देश पर नगरा थाना क्षेत्र स्थित मेसर्स महावीर इण्डेन ग्रामीण वितरक के प्रोपराइटर के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम की गंभीर धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस कार्रवाई से जिले के गैस उपभोक्ताओं में हड़कंप मच गया है।

**क्या मिली थी शिकायत :** नगरा के प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी में कहा गया है कि कई उपभोक्ताओं ने शिकायत की थी कि उनके नाम और पहचान पत्र का इस्तेमाल कर बिना जानकारी के गैस सिलेंडर बुक कर लिया जाता था। इतना ही नहीं, कागजों और ऑनलाइन सिस्टम में सिलेंडर की डिलीवरी भी दिखा दी जाती थी, जबकि वास्तविक रूप से उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर मिला ही नहीं।

**जांच में गड़बड़ी पायी गई :** शिकायत मिलने के बाद विभागीय जांच कराई गई। जांच में यह सामने आया कि गैस एजेंसी की ओर से उपभोक्ताओं के नाम पर फर्जी तरीके से गैस बुकिंग की जा रही थी। सिस्टम में सिलेंडर को 'डिलीवर्ड' दिखाकर अनुदानित घरेलू गैस की कालाबाजारी की जा रही थी। प्रशासन ने इसे उपभोक्ताओं के अधिकारों का खुला उल्लंघन और सरकारी नियमों की अनदेखी माना है।

## संक्षिप्त समाचार

### इलाज, प्रशिक्षण और रिसर्च एक ही परिसर में, बन रहा राष्ट्रीय संस्थान

**कानपुर , एजेंसी।** बोलने और सुनने से जुड़ी समस्याओं के इलाज, विशेष शिक्षा और शोध के क्षेत्र में अपने शहर को जल्द ही बड़ी पहचान मिलने जा रही है। सुरार क्षेत्र में बन रहा अखिल भारतीय वाक् एवं श्रवण संस्थान देश का दूसरा और उत्तर भारत का पहला केंद्र होगा। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने शनिवार को निर्माणाधीन परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्य की प्रगति और गुणवत्ता की समीक्षा की। यह परियोजना ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ स्पीच एंड हियरिंग मैसूर के सैटेलाइट सेंटर के रूप में विकसित हो रही है। यह करीब 81 हजार वर्गमीटर क्षेत्रफल में 180 करोड़ रुपये की लागत से बन रही इस महत्वाकांक्षी परियोजना को 31 अक्टूबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। परिसर में 102 पुरुष और 102 महिला विद्यार्थियों के लिए छात्रावास बन रहे हैं। चिकित्सीय ब्लॉक और पूर्व-प्राथमिक ब्लॉक का निर्माण भी तेजी से चल रहा है। पूर्व-प्राथमिक ब्लॉक में छोटे बच्चों की शुरुआती समस्याओं की पहचान व उपचार होगा। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की यह परियोजना एनपीसीसी लिमिटेड बना रहा है। इसकी गुणवत्ता की तकनीकी निगरानी आईआईटी, बीएचयू वाराणसी कर रहा है। संस्थान में मैसूर की तर्ज पर आधुनिक ऑडियोलॉजी प्रयोगशालाएं और वाक् चिकित्सा कक्ष होंगे। जिलाधिकारी ने कार्य को तय समयसीमा व मानकों के अनुरूप पूरा करने के निर्देश दिए।

### एमएससी केमिस्ट्री फ्रेगरेंस एंड फ्लेवर से बनाएं कॅरिअर

**कानपुर , एजेंसी।** सीएसजेएमयू के स्कूल ऑफ बेसिक साइंस के केमिस्ट्री विभाग में केंद्र सरकार के फ्रेगरेंस एंड फ्लेवर डेवलपमेंट सेंटर (एफएफडीसी) कन्नौज के सहयोग से एमएससी केमिस्ट्री (फ्रेगरेंस एंड फ्लेवर) परास्नातक कोर्स संचालित किया जा रहा है। इसके लिए कुल 15 सीटें निर्धारित हैं। कोर्स में प्रवेश के लिए रसायन विज्ञान/वनस्पति विज्ञान में स्नातक या बीटेक (केमिकल इंजीनियरिंग) आवश्यक है। इसकी वार्षिक फीस 1,00,200 रुपये है। नोडल अधिकारी डॉ. इंद्रेश कुमार शुक्ल ने बताया कि दो वर्षीय इस पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष की पढ़ाई और प्रयोगशाला कार्य विश्वविद्यालय कैंपस में होते हैं जबकि द्वितीय वर्ष में अध्ययन और प्रशिक्षण एफएफडीसी कन्नौज में कराया जाता है। इसमें विद्यार्थियों को परफ्यूम निर्माण, परफ्यूम कंपोजिशन, प्राकृतिक तेलों के निष्कर्षण, एरोमा फॉर्मूलेशन, ब्रांड विकास, कॉस्मेटिक्स, एयर फ्रेशनर और फूड फ्लेवर तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके साथ ही भारतीय विषविज्ञान अनुसंधान संस्थान लखनऊ में टॉक्सिकोलॉजी प्रशिक्षण भी दिया जाता है। एफएफडीसी कन्नौज के निदेशक शक्ति विनय शुक्ल ने बताया कि इस कोर्स के बाद छात्रों को फ्रांस, दुबई, कतर सहित कई देशों में रोजगार के अवसर मिलते हैं। स्कूल ऑफ बेसिक साइंस के निदेशक प्रो. राजेश कुमार द्विवेदी ने बताया कि वर्तमान में सात छात्र अध्ययनरत हैं जिनमें कुछ को पहले ही कंपनियों से जॉब ऑफर मिल चुके हैं। उपनिदेशक डॉ. अंजू दीक्षित ने बताया कि विद्यार्थियों को उद्यमी बनने के लिए भी प्रेरित किया जाता है।

### ओटीटी अधिकारी की मौत की गुत्थी उलझी, होटल में महिला सहकर्मी के कमरे में गई थी जान

**आगरा, एजेंसी।** ओटीटी कंपनी के एक अधिकारी की शुक्रवार रात आगरा के एक होटल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है, जिससे मामले की गुत्थी और उलझ गई है। पुलिस ने विसरा सुरक्षित कर फॉरेंसिक लैब भेजा है ताकि मौत की वजह का पता चल सके। गुरुग्राम निवासी 48 वर्षीय अशोक यादव एक ओटीटी कंपनी में पायरेसी सुरक्षा अधिकारी थे। वह पायरेसी के मामलों की जांच के सिलसिले में फिरोजाबाद से आगरा आए थे। उनके साथ एक महिला और एक पुरुष सहयोगी भी थे। तीनों ने शिल्पग्राम सड़क स्थित द ताज कन्वेंशन होटल में तीन कमरे बुक किए थे। शुक्रवार शाम करीब सात बजे अशोक यादव महिला सहयोगी के कमरे में गए, जहां उनकी तबीयत बिगड़ गई। महिला सहयोगी की सूचना पर होटल कर्मचारी उन्हें अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद महिला सहयोगी की भी तबीयत खराब हो गई थी, जिसका पुलिस ने इलाज कराया। परिजन ने पहले किसी साजिश की आशंका जताई थी लेकिन बाद में उन्होंने कोई शिकायत नहीं की। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया गया। एसीपी ताज सुरक्षा मयंक तिवारी ने बताया कि चिकित्सकों के पैनल से पोस्टमार्टम कराया गया था। मौत का कारण स्पष्ट न होने पर विसरा सुरक्षित कर फॉरेंसिक लैब भेजा गया है। लैब की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। परिजन ने इस मामले में कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई है।

# धर्मांतरण गिरोह के स्लीपर सेल

## युवाओं को फंसाते थे आरोपी, धर्म बदलवाकर करा देते निकाह; कई युवतियां कराईं मुक्त

**आगरा , एजेंसी।** धर्मांतरण गैंग के चारों आरोपी रविवार से तीन दिन की पुलिस कस्टडी रिमांड पर रहेंगे। शनिवार को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट शारिब अली की कोर्ट में विवेचक साइबर थाना प्रभारी रीता सिंह ने रिमांड के लिए प्रार्थनापत्र दिया। आरोपियों को गैंग का स्लीपर सेल बताया गया। अभियोजन की एक घंटे तक दलील सुनने के बाद न्यायालय ने यह मंजूरी दी। आरोपियों में से दो का यूपी से कनेक्शन निकला है।

सदर थाना में बीते वर्ष दर्ज सगी बहनों के धर्मांतरण के मामले में डीसीपी सिटी सय्यद अली अब्बास, डीसीपी वेस्ट आदित्य सिंह और एडीसीपी हिमांशु गौरव ने संयुक्त टीम बनाकर शुक्रवार को दिल्ली निवासी तलमीज उर रहमान, परवेज अख्तर, जतिन कपूर और राजस्थान के डींग के रहने वाले हसन मोहम्मद को गिरफ्तार किया था। विवेचना कर रहीं इंस्पेक्टर साइबर क्राइम रीता यादव ने कस्टडी रिमांड प्रार्थनापत्र में बताया कि आरोपी धर्मांतरण गैंग में स्लीपर सेल की तरह काम करते हैं। धर्म बदलवाकर निकाह करवाना, ब्रेनवॉश करना जैसे काम करते हैं। इनसे पूछताछ कर साक्ष्य संकलन करना जरूरी है। आरोपियों ने पूछताछ के दौरान खुद चलकर साक्ष्य बरामद करने का बयान दिए हैं।

अभियोजन पक्ष ने न्यायालय के समक्ष कहा कि तलमीज उर रहमान मूलरूप से यूपी के मुरादाबाद, उसका साथी परवेज अख्तर बिजनौर का रहने वाला है। तलमीज कलीम सिद्दीकी और जाकिर नाइक के संपर्क

में रह चुका है। यह चारों दूसरे धर्म के युवक-युवतियों को बातों में फंसाते थे। जाकिर नाइक और कलीम सिद्दीकी की तकरीरों के वीडियो भेजकर आकर्षित करते थे। धर्मांतरण के बाद उनके निकाह करवाते थे। इस्लामिक साहित्य से ब्रेनवॉश कर उन्हें कट्टर बनाते थे। इसके बाद उन्हें गैंग में भी शामिल करते थे।

इसके लिए युवक-युवतियों को लालच भी दिए जाते थे। पुलिस ने पूर्व में कई युवतियों को मुक्त कराया है। गैंग से जुड़े 14 आरोपी वर्तमान में जेल में बंद हैं। अभियोजन अधिकारी बृजमोहन सिंह कुशवाह की दलीलों के बाद आरोपियों की 3 मई से 5 मई की शाम चार बजे तक पुलिस कस्टडी रिमांड मंजूर की गई।

### तलमीज की जमानत याचिका खारिज

उधर, शनिवार को पुलिस के रिमांड मांगने के दौरान ही तलमीज उर रहमान ने खुद को बेगुनाह बताते हुए जमानत प्रार्थनापत्र प्रस्तुत किया था। पुलिस पर बिना साक्ष्य के फंसाने का आरोप लगाया। गिरफ्तारी के दौरान वजह तक नहीं बताने की बात कही। सुनवाई के बाद न्यायालय ने जमानत याचिका खारिज कर दी।

## पारिवारिक कलह के चलते महिला ने फंदे से लटक कर दी जान

**गोरखपुर , एजेंसी।** खोराबार क्षेत्र के रानीडीहा में शनिवार दोपहर बाद रामरतन मौर्या की पत्नी पूजा मौर्या (27) ने पारिवारिक कलह के चलते फंदे से लटक कर जान दे दी। सूचना पर फॉरेंसिक टीम संग मौके पर पहुंची कैंट पुलिस ने जांच पड़ताल कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।

जानकारी के अनुसार, रानीडीहा निवासी रामरतन मौर्या और उसकी पत्नी पूजा मौर्या के बीच अक्सर विवाद होता था। शुक्रवार शाम को पूजा के पिता और चाचा भी घर आए थे और दोनों को समझाकर लौट गए थे। सास विद्यावती देवी और जेठानी ज्योति के अनुसार, दोपहर में वे नीचे के कमरे में थीं, जबकि पूजा ऊपर आराम करने गई थी। काफी देर तक नीचे न आने पर किसी काम से उसके देवर रोहित मौर्या ऊपर गया। दरवाजा अंदर से बंद था। आवाज देने के बावजूद जब कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली तो खिड़की से झांककर देखा, जहां पूजा फंदे से लटक रही थी।

यह दृश्य देखकर रोहित ने शोर मचाया और खिड़की का शीशा तोड़कर अंदर पहुंचा। आनन-फानन में उसे नीचे उतारकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खोराबार ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही कैंट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। उधर, मां की मौत की खबर सुनकर उसके पांच वर्षीय बेटे अनिकेत का रो-रोकर बुरा हाल है।

## इमरजेंसी में आए मरीजों को सिर्फ रेफर न करें तत्काल इलाज दें

**गोरखपुर , एजेंसी।** एम्स में आयोजित वर्ल्ड हेड इंजरी अवेयरनेस डे कार्यक्रम में सांसद रवि किशन शामिल हुए। शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में चिकित्सकों संग संवाद भी किया। कहा कि ऐसे कार्यक्रम आयोजित करना सराहनीय कदम है। डॉक्टरों संग संवाद में उन्होंने निर्देशित किया और कहा कि करते हुए कहा कि जो भी इमरजेंसी में मरीज आएं उन्हें सिर्फ रेफर न करें बल्कि उन्हें उचित और तत्काल इलाज दें। इस बात का ध्यान दें कि मरीजों और उनके परिजनों को परेशान न होना पड़े।

सांसद ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम आम लोगों को जागरूक करते हैं। उन्हें सावधान करते हैं कि जीवन में इस तरह की आकस्मिक घटनाओं में क्या करना चाहिए। हमें जीवन में क्या सावधानी बरतनी चाहिए जिससे इन घटनाओं से बचा जा सके। वर्ल्ड हेड इंजरी अवेयरनेस डे के अवसर पर उपस्थित चिकित्सकों एवं विशेषज्ञों ने सिर की चोटों के प्रति जागरूकता, समय पर उपचार और सड़क सुरक्षा के महत्व पर विस्तृत जानकारी साझा की। डॉक्टरों ने कहा कि हेड इंजरी जैसी गंभीर समस्या से बचाव के लिए जागरूकता और सावधानी ही सबसे बड़ा उपाय है। डॉक्टरों ने आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि हेलमेट का उपयोग, यातायात नियमों का पालन और सतर्कता अपनाकर हम अनेक दुर्घटनाओं और उनके गंभीर परिणामों से बच सकते हैं। सांसद रवि किशन शुक्ला ने एम्स में डिजिटल एक्स रे मशीन का भी उद्घाटन किया। इसके साथ ही उन्होंने कुछ मरीजों का एक्स रे होते हुए भी देखा। इससे आमजन को सुविधा मिलेगी।सांसद रवि किशन शुक्ला ने शनिवार को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में गेल इंडिया लिमिटेड के सीएसआर के अंतर्गत निर्मित ओपन एयर जिम का उद्घाटन किया। कहा यह पहल स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और आमजन को फिटनेस के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक सराहनीय कदम है।

## करंट से किसान की मौत, सड़क जाम कर प्रदर्शन

**लखनऊ, एजेंसी।** खेत में दौड़ाए गए करंट की चपेट में आने से महिगवां के पहाड़पुर गांव निवासी किसान अमित शर्मा (28) की मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद शनिवार को परिजनों और ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर करीब तीन घंटे तक बख्शी का तालाब-कुम्हरावां मार्ग पर शव रखकर प्रदर्शन किया। विधायक योगेश शुक्ला से मिले आश्वासन के बाद मामला शांत हुआ।

अमित शर्मा ने साथी प्रकाश शर्मा के साथ राम जानकी ट्रस्ट की जमीन खेती के लिए किराये पर ली थी। मवेशियों से फसल को बचाने के लिए प्रकाश शर्मा ने खेत में बिजली का करंट दौड़ाया था। शुक्रवार दोपहर खेत में जाने के दौरान अमित शर्मा करंट की चपेट में आ गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद अमित का शव परिजन और ग्रामीण गांव लेकर निकले। रास्ते में उन्होंने पहाड़पुर गांव के पास शव वाहन को रोक दिया और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। अमित की पत्नी रोहिणी ने इस हादसे के लिए सीधे तौर पर प्रकाश शर्मा को जिम्मेदार ठहराया। प्रदर्शनकारियों ने पीड़ित परिवार के लिए 15 लाख रुपये की आर्थिक मदद की मांग की।

घटना की सूचना मिलते ही एसीपी ज्ञानेंद्र सिंह, नायब तहसीलदार आकाश पांडेय, बख्शी का तालाब, इटौंजा, सैरपुर और महिगवां थाने की पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने

प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे अपनी मांगों पर अड़े रहे।

**तीन घंटे चला प्रदर्शन, ट्रैफिक को करना पड़ा डायवर्ट :** करीब तीन घंटे तक चले इस प्रदर्शन के कारण यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। पुलिस को ट्रैफिक को इटौंजा-कुम्हरावां मार्ग की ओर डायवर्ट करना पड़ा।

आखिरकार पूर्व प्रधान राजेश तिवारी की मध्यस्थता पर परिजनों ने विधायक योगेश शुक्ला से बात की।

विधायक ने अमित की पत्नी रोहिणी के लिए दो लाख रुपये नकद, पांच लाख रुपये की सरकारी सहायता, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास, पेंशन और दोनों बच्चों के लिए प्रतिमाह दो-दो हजार रुपये की आर्थिक मदद का आश्वासन दिया। विधायक के आश्वासन के बाद परिजन शांत हुए और उन्होंने प्रदर्शन समाप्त कर दिया। इसके बाद शव का अंतिम संस्कार किया गया।

## मेडिकल में दाखिले के लिए वाराणसी में परीक्षा देंगे 21388 अभ्यर्थी, 45 मिनट पहले पहुंचना होगा केंद्र

**वाराणसी।** मेडिकल में दाखिले के लिए नीट रविवार को होगा। इसके लिए जिले में 48 केंद्र बनाए गए हैं। इस परीक्षा में 21388 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक कराई जाएगी। इसके लिए शनिवार को ही सभी तैयारियां पूरी कर ली गईं। एडीएम सिटी आलोक वर्मा ने बताया कि नीट का पेपर रविवार को जिले के 48 केंद्रों पर होगा। कुल 21388 अभ्यर्थी इसमें हिस्सा लेंगे। इस बार पेपर में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को सुरक्षा मानकों को देखते हुए विशेष निर्देश जारी किए गए है।

पेपर को देखते हुए सभी तैयारियां शनिवार को पूरी कर ली गईं। परीक्षा कराने के लिए 48 सेक्टर और स्टैटिक मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई है। एडीएम सिटी ने बताया कि परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को केंद्र पर 45 मिनट पहले पहुंचना होगा। साथ ही जो निर्देश परीक्षा एजेंसी की ओर से जारी किए गए हैं, उनका कड़ाई से पालन करना होगा।

उन्होंने बताया कि अभ्यर्थियों को जो निर्देश जारी किए गए हैं, उनमें कहा गया है कि अगर आवश्यकता हो तभी पूरी बांह के कपड़े पहनें। पीने के पानी की अगर बोतल कोई अभ्यर्थी अपने साथ लाता है तो ध्यान देना होगा कि बोतल पारदर्शी हो। धार्मिक चीजें जैसे ताबीज, गंडा आदि पहना जा सकता है लेकिन इसकी जांच कराना जरूरी होगा। जूते के स्थान पर चप्पल या कम हील के सैंडल ही पहनें। एडीएम ने बताया कि परीक्षा के दृष्टिगत सभी केंद्रों पर पुलिस बल तैनात रहेगी। इसके अलावा केंद्रों के आस-पास 200 मीटर के दायरे में लोगों को इकट्ठा होने नहीं दिया जाएगा। किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रानिक उपकरण प्रतिबंधित किए गए हैं। किसी भी प्रकार की खाद्य सामग्री भी केंद्रों में अंदर नहीं जाएगी।

## अस्थमा से खिलाफ सुरक्षा कवच है इनहेलर

**लखनऊ, एजेंसी।** अस्थमा के मरीजों के लिए इनहेलर थेरेपी सुरक्षा कवच की तरह है। मरीजों को बीमारी से अधिक इससे जुड़ी भ्रांतियों से खतरा है। सही उपचार और नियमित फॉलोअप से अस्थमा रोगी सामान्य व स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। ये बातें शनिवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में विश्व अस्थमा दिवस के मौके पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में कही गईं।

श्वसन रोग विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) अजय कुमार वर्मा ने इनहेलर और साक्ष्य-आधारित उपचार की जरूरत पर जोर दिया। कहा कि इससे अस्थमा से होने वाली गंभीर समस्याओं और मृत्यु दर को कम किया जा सकता है। मुख्य अतिथि संस्थान के निदेशक प्रो. सीएम सिंह ने बताया कि बहुत जल्द संस्थान में पल्मोनरी एवं क्रिटिकल केयर मेडिसिन में डीएम पाठ्यक्रम प्रारंभ किया जाएगा।

पल्मोनरी मेडिसिन विभागाध्यक्ष एवं विशिष्ट अतिथि प्रो. (डॉ.) आलोक नाथ और पल्मोनरी एवं क्रिटिकल केयर मेडिसिन विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) वेद प्रकाश ने गंभीर अस्थमा के आधुनिक उपचार पर चर्चा की। पल्मोनरी विशेषज्ञ डॉ. मृत्युंजय सिंह ने अस्थमा से जुड़ी भ्रांतियों को दूर किया। कहा कि इनहेलर लत नहीं, बल्कि जरूरत है। इस अवसर पर मेडिसिन विभाग की डॉ. मृदु सिंह, डॉ. निमिष कपूर, डॉ. अजय कुमार वर्मा, डॉ. हेमंत कुमार, डॉ. सुलक्षणा गौतम एवं डॉ. पुलकित गुप्ता आदि डॉक्टर व अन्य लोग मौजूद रहे।

**इसलिए प्रभावी है इनहेलर इलाज :** इनहेलर एक छोटा सा उपकरण है, जो दवा को सीधे मरीज के फेफड़ों तक पहुंचाता है। जहां एक ओर गोलियां पहले पेट में जाती हैं और फिर खून के जरिए पूरे शरीर में फैलती हैं। वहीं,इनहेलर सीधे उस अंग (फेफड़ों) पर असर करता है जहां समस्या है। दुष्प्रभाव भी लगभग शून्य है।

# मामले में नया मोड़, 4 बच्चों की आरोपी मां अब तक फरार, चाचा बोले ये अकेले उसका काम नहीं

**लखनऊ , एजेंसी।** अकबरपुर के मीरानपुर मुरादाबाद में शनिवार दोपहर एक घर में चार बच्चों की किसी भारी चीज से कूचकर हत्या कर दी गई। पुलिस आशंका जता रही है कि मां गासिया खातून ने शुक्रवार रात बच्चों को खाने में नशीला पदार्थ मिलाकर खिला दिया। बेसुध होने पर चारों की हत्या कर दी।

इसके बाद कमरे को अंदर से बंदकर लापता हो गई। उधर, सऊदी अरब में रह रहे बच्चों के पिता ने फोन न उठने पर अपने रिश्तेदारों को मौके पर भेजा। खबर पाकर पुलिस पहली मंजिल के रास्ते घर में दाखिल हुई तो कमरे में चारों बच्चों के शव पड़े थे। डीआईजी सोमेन वर्मा, डीएम ईशा प्रिया, एसपी प्राची सिंह ने फोरेंसिक टीम के साथ जांच की। फिलहाल पुलिस को मां गासिया खातून पर ही चारों बच्चों की हत्या का शक है। घर में पड़े मिले मोबाइल की पुलिस जांच कर रही है।

महरुआ के कसड़ा निवासी नियाज ने मीरानपुर में अपनी पत्नी गासिया खातून के नाम पर जमीन लेकर चार वर्ष पूर्व मकान का निर्माण कराया था। यहां गासिया अपने बड़े बेटे शफीक (14), सऊद (12), उमर (10) और बेटी बयान (8) के साथ रहकर उनकी परवरिश कर रही थीं। नियाज सऊदी अरब में नौकरी करता है। एसपी

प्राची सिंह ने बताया कि शनिवार सुबह 7:30 बजे दूधवाले ने दरवाजा खटखटाया। कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर वह लौट गया। दोपहर तक बच्चों से फोन पर संपर्क न होने पर नियाज ने शहजादपुर निवासी भाभी बकीतुनिशा से बात की। इसके बाद रिश्तेदारों ने पुलिस को सूचना दी। दोपहर तीन बजे पुलिस पहुंची तो कमरा अंदर से बंद था। पुलिस बालकनी पर चढ़कर घर में दाखिल हुई और किसी तरह मुख्य दरवाजा खोल गया। घर में पहली मंजिल पर बने कमरे में तख्त पर बच्चों के शव खून से लथपथ मिले।

**बच्चों के चाचा बोले अकेले गासिया नहीं दे सकती घटना को अंजाम :** अकबरपुर के मीरानपुर मुरादाबाद मोहल्ले में हुई चार बच्चों की हत्या के मामले में उनके बड़े पापा सलीम का कहना है कि गासिया खातून अकेले चार बच्चों की हत्या को अंजाम नहीं दे सकती है। उन्होंने आरोप लगाया है कि इस पूरे घटनाक्रम के पीछे कुछ और लोग भी शामिल है ऐसे में पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। सलीम बताते हैं कि शुक्रवार को नियाज की अपनी पत्नी और बच्चों से फोन पर बातचीत भी हुई थी लेकिन ऐसी कोई स्थिति नहीं थी कि इस हत्याकांड को अंजाम दिया जा सके। अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी हरेंद्र कुमार, सीओ सिटी नीतीश कुमार तिवारी इस पूरे घटनाक्रम की तहत जांच में जुटे रहे लेकिन अब तक महिला को कोई सुराग नहीं लग सका है। उधर दूसरी ओर चारों बच्चों के शवों का पोस्टमार्टम करने की तैयारी रात 2:00 बजे तक चलती रही। इंस्पेक्टर श्रीनिवास पांडे घटनास्थल और आसपास के इलाकों में देर रात गहन छानबीन भी कराई लेकिन कोई ठोस सबूत हाथ नहीं लग सका है।

नियाज के बड़े भाई की तहरीर पर दर्ज हुई प्राथमिकी

हत्या के बाद देर शाम नियाज के भाई और बच्चों के बड़े पिता सलीम ने आरोपी महिला गासिया खातून के खिलाफ हत्या करने की तहरीर दी है। तहरीर में बताया गया है कि उनके भतीजों को महिला ने पहले खाने में नशीला पदार्थ मिलाकर खिलाया। इसके बाद उनकी हत्या कर दी। इंस्पेक्टर श्रीनिवास पांडेय ने बताया कि तहरीर के आधार पर हत्या सहित अन्य धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।एसपी प्राची सिंह ने बताया कि दीवार से लेकर बिस्तर तक पर खून की छींटे फैले थे। कमरे में बच्चों के उल्टी करने के निशान मिले हैं। शक है कि हत्या से पहले खाने में कुछ विषैला पदार्थ मिलाकर दिया गया और इसके बाद बेरहमी से हत्या की गई।आशंका है कि बच्चों के सिर पर ईंट व हथौड़े से प्रहार किया गया है। हालांकि कमरे से कुछ मिला नहीं है। पुलिस ने चारों शवों को राजकीय मेडिकल कॉलेज भिजवाया। परिवार के लोगों से पूछताछ के साथ महिला की तलाश की जा रही है।

एसपी प्राची सिंह ने बताया कि नियाज ने सऊदी अरब में एक पाकिस्तानी महिला से निकाह कर लिया था। तभी से गासिया खातून से उसकी अनबन चल रही थी। वह चार साल से घर नहीं लौटा था। वह तनाव में रहती थी। आशंका है कि वारदात के पीछे भी कहीं यह वजह न हो। जांच में प्रथम दृष्ट्या यह पता चल रहा है कि महिला ने ही अपने चार बच्चों की हत्या की और इसके बाद बालकनी से कूदकर भाग गई।

## संक्षिप्त समाचार

### राष्ट्रीय राइफल्स को मिलेंगे 159 नए 'बुलेटप्रूफ वाहन', सुरक्षा होगी और मजबूत

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में तैनात राष्ट्रीय राइफल्स की क्षमता बढ़ाने के लिए 159 आधुनिक बुलेटप्रूफ ट्रूप कैरियर (बीपीटीसी) खरीदने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सेना ने इस परियोजना के लिए भारतीय विक्रेताओं की पहचान करने के उद्देश्य से सूचना के लिए अनुरोध (आरएफआई) जारी किया है। चयनित कंपनी को अनुबंध के बाद हर वर्ष कम से कम 60 वाहनों की आपूर्ति करनी होगी। राष्ट्रीय राइफल्स वर्तमान में पुराने वाहनों पर निर्भर है, खासकर जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद विरोधी अभियानों के दौरान सैनिकों की आवाजाही के लिए। नए बुलेटप्रूफ ट्रूप कैरियर सैनिकों को कठिन और पहाड़ी इलाकों में सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करेंगे। आरएफआई के अनुसार, इन वाहनों में पर्याप्त गतिशीलता होनी चाहिए और सवार सैनिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। प्रस्तावित बीपीटीसी में हथियार, गोला-बारूद और संचार उपकरण समेत सीमित युद्ध सामग्री ले जाने की क्षमता भी होगी। 100 किलोमीटर प्रति घंटे तथा ऑफ-रोड 50 से 75 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ सकेंगे। पहाड़ी क्षेत्रों में 300 किलोमीटर होगी। ये वाहन 5,000 मीटर की ऊंचाई तक संचालित हो सकेंगे और जम्मू-कश्मीर-लद्दाख के बर्फीले इलाकों में -10 डिग्री सेल्सियस से लेकर +40 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान में भी प्रभावी ढंग से काम कर सकेंगे। आरएफआई में फायरिंग पॉड्स और वाहन के हैच पर लगी मशीनगनों के जरिए सीमित फायरिंग क्षमता की भी मांग की गई है। खास बात यह है कि सेना इन बुलेटप्रूफ कैरियरों की खरीद पूरी तरह 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के अनुरूप करना चाहती है।

### ऑस्ट्रियाई महिला ने स्लीपर क्लास में पढ़ी हनुमान चालीसा

**नई दिल्ली।** भारतीय रेलवे लाखों लोगों की जीवनरेखा है, लेकिन अक्सर विदेशी पर्यटकों के लिए एक चुनौतीपूर्ण अनुभव के रूप में पेश किया जाता है। बुकिंग से लेकर बोर्डिंग तक विदेशियों को ट्रेन से यात्रा करते वक्त दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इस बीच एक ऑस्ट्रियाई पर्यटक की कहानी ने इन सभी रूढ़ियों को धराशायी कर दिया है। सोशल मीडिया वायरल हो रहे एक वीडियो में स्लीपर क्लास में भारतीय महिलाओं के साथ हनुमान चालीसा का पाठ करते देखा जा रहा है। दरअसल, भारत में 17 से अधिक ट्रेन यात्राएं करने वाली ऑस्ट्रियाई महिला चियारा का कहना है कि जहां उन्हें ट्रेन में यत्रा के दौरान सुरक्षा को लेकर आशंकाएं थीं, वहीं वास्तविकता में उन्हें सह-यात्रियों से केवल स्नेह और भोजन मिला। उन्होंने बताया कि 17 ट्रेनों की यात्रा के दौरान मुझे एक भी बुरा अनुभव नहीं हुआ है। हालांकि, वह अपने पति के साथ यात्रा करने के सुरक्षात्मक बबल को स्वीकार करती है, लेकिन उनका अनुभव पश्चिमी पर्यटकों को अक्सर बेची जाने वाली रूढ़ियों को चुनौती देता है। 560,000 से अधिक व्यूज के साथ, यह पोस्ट वायरल हो रहा है। इस पर 1,500 से अधिक उपयोगकर्ताओं ने लाइक किया। कई उपयोगकर्ताओं ने भारत का सकारात्मक पक्ष दिखाने के लिए उनकी प्रशंसा की। एक यूजर ने कमेंट किया, जब कोई हनुमान चालीसा का पाठ कर रहा होता है...तो वह प्रेम होता है और कुछ नहीं। एक अन्य यूजर ने सुझाव दिया, आपको कम से कम एक बार वृंदावन जरूर जाना चाहिए।

# दिल्ली में 88 लाख किरायेदारों ने बढ़ाई जनगणना अधिकारियों की चिंता, गलत जानकारी देने पर क्या होगा नुकसान?

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली के 88 लाख किरायेदारों ने जनगणना अधिकारियों की चिंता बढ़ा दी है। अधिकारियों की चिंता इस बात की है कि अगर किरायेदारों ने सक्रियता से भाग नहीं लिया तो जनगणना का पूरा गणित गड़बड़ा सकता है। उनकी मानें तो किरायेदारों को बढ़-चढ़ कर इस प्रक्रिया में भाग लेना चाहिए। क्योंकि आबादी के अनुसार, ही शहर में सुविधाएं उपलब्ध कराने की भविष्य की योजनाएं बनती हैं और ऐसे में शहर की आबादी का सही आंकलन जरूरी है। एक अनुमान के अनुसार, में दिल्ली की इस समय कुल आबादी ढाई करोड़ के करीब है। कुल आबादी में 35 प्रतिशत लोग किरायेदार माने जाते हैं। एक मई से दिल्ली नगर निगम के वार्ड क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए जनगणना 2027 के लिए स्व-गणना कवायद शुरू की गई है। अधिकारियों ने कहा कि शहर के बेहतर विकास के लिए आबादी का सही आंकलन जरूरी है। उसी के अनुसार शहर के लिए भविष्य की योजनाएं तैयार करने में

मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि जनगणना ऐसी प्रक्रिया है जिसमें किसी मकान मालिक या किरायेदार की आय या अन्य कोई व्यक्तिगत जानकारी नहीं पूछी जाती है कि जिससे उन्हें कोई असुविधा होगी। अपने किरायेदारों के सही जानकारी देनी चाहिए। तभी उनकी कालोनी के लिए जरूरत के लिहाज से भविष्य में बहेतर सुविधाएं विकसित हो सकेंगी। इसलिए शहर की जनसंख्या का सटीक आंकलन सुनिश्चित करने के लिए उन्हें विशेष रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि निवास स्थान की स्थिति चाहे जो भी हो, सभी निवासी इसमें भाग लेने के पात्र हैं। इसके साथ ही अधिकारियों ने जनगणना के नाम पर हो रही धोखाधड़ी की गतिविधियों के बारे में भी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि कुछ जालसाज जनगणना प्रक्रिया में सहायता करने के बहाने निवासियों से ओटीपी और बैंक विवरण जैसी संवेदनशील जानकारी निकालने का प्रयास कर रहे हैं। जनगणना संबंधी कार्यों के लिए कोई भी अधिकृत अधिकारी ओटीपी, यूपीआई पिन या किसी भी प्रकार का भुगतान नहीं मांगेगा।' उन्होंने लोगों को सलाह दी है कि वे ऐसी किसी भी घटना की सूचना तुरंत साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर दें। अधिकारियों ने बताया कि एमसीडी वार्डों के सभी निवासी, निवास स्थान की स्थिति की परवाह किए बिना, जनगणना पोर्टल पर स्वैच्छिक स्व-गणना कवायद में भाग ले सकते हैं।

# दिल्ली यूनिवर्सिटी के नॉर्थ कैंपस की सुरक्षा होगी और मजबूत, जोन-2 में तैनात होंगे 154 नए सुरक्षा कर्मी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** डीयू में सुरक्षा को पुख्ता करने के लिए प्रशासन ने अधिक सुरक्षा गार्ड तैनात करने का निर्णय लिया है। डीयू में पिछले कुछ दिनों से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर छात्र और शिक्षकों ने कई बार डीयू प्रशासन से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की अपील की थी। हंसराज कॉलेज फेस्ट से लेकर छात्रसंघ चुनाव के दौरान हुए हुड़दंग, कालेज कार्यक्रमों में बाहरी तत्वों की दखलअंदाजी और लगातार मिल रही बम धमकियों ने नॉर्थ कैंपस की शैक्षणिक व्यवस्था और माहौल को प्रभावित किया है। ऐसे में विश्वविद्यालय प्रशासन ने सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। हालांकि, यह सुविधा केवल डीयू के जोन-2 के लिए होगी। दिल्ली विश्वविद्यालय ने नॉर्थ कैंपस के जोन-2 क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए लगभग सात करोड़ रुपये

वार्षिक लागत का ई-टेंडर जारी किया है। विश्वविद्यालय प्रशासन के तहत सार्वजनिक क्षेत्र में अनुभव रखने वाली पंजीकृत सुरक्षा एजेंसियों से तकनीकी और वित्तीय सुरक्षाकर्मी तैनात किए जाएंगे हैं। नॉर्थ कैंपस के जोन-2 सोशल साइंस, फैकल्टी आफ ला, लाईब्रेरी और पटेल चेस्ट से लेकर छात्र रोड तक इलाका आता है। प्रशासन के अनुसार, जोन-2 क्षेत्र में विश्वविद्यालय परिसरों, कालेजों और संबंधित संपत्तियों की चौबीसों घंटे सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 148 सुरक्षा गार्ड और 6 सुरक्षा सुपरवाइजर तैनात किए जाएंगे। इनकी जिम्मेदारी केवल प्रवेश और निकास बिंदुओं की निगरानी तक सीमित नहीं होगी, बल्कि कालेज परिसरों में नियमित निरीक्षण, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर, छात्रों की सुरक्षा, कार्यक्रमों के दौरान व्यवस्था बनाए रखना और विवाद की स्थिति में तत्काल हस्तक्षेप करना भी होगा। प्रारंभिक अनुबंध अवधि दो वर्ष की होगी, जिसे एजेंसी के संतोषजनक प्रदर्शन के आधार पर एक-एक वर्ष के लिए अधिकतम दो वर्ष तक बढ़ाया जा सकेगा। विश्वविद्यालय के उत्तर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को तीन जोनों जोन-1, जोन-2 और जोन-3 में विभाजित किया गया है।जोन-1 और जोन-3 में पहले से सुरक्षा प्रबंध अपेक्षाकृत मजबूत हैं, जबकि जोन-2 के लिए अलग से व्यापक सुरक्षा व्यवस्था विकसित की जा रही है।

### एमसीडी के मास्टरप्लान से चमकेगी दिल्ली, 48 करोड़ की मशीनरी से खत्म किए जाएंगे गंदगी के 'डार्क स्पॉट'

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली में प्रतिदिन की सफाई व्यवस्था से अछूते रहने वाले डार्क स्पॉट को खत्म करने के लिए एमसीडी ने 48 करोड़ की मशीनरी लगाने का निर्णय लिया है। शुरुआती तौर पर छह माह के लिए यह मशीनरी लगाई जाएगी। इसके परिणाण सही आने पर इसका विस्तार किया जाएगा। इस मशीनरी का उद्देश्य उन स्थानों या उन शिकायतों का समाधान करना होगा जिसमें प्रतिदिन होने वाली सफाई के बावजूद भी निपटारा नहीं किया जाता है। या यूं कहें घर-घर से कूड़ा उठाने के लिए लगाई गई एजेंसियों की शर्तों से अतिरिक्त यह शिकायतें आती है। इन शिकायतों का समाधान करने के लिए उन स्थानों की पहचान कर वहां सफाई की जाएगी। एमसीडी के अनुसार 12 में 10 जोन में यह व्यवस्था लागू की जाएगी। जबकि शेष दो जोन में यह पहले ही लागू कर दी गई है। जिसमें 32 करोड़ की मशीनरी तैनात करने की प्रक्रिया चल रही है। एमसीडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि निगम ने हर जोन में डोर-टू-डोर कूड़ा उठाने के लिए एजेंसिया लगा रखी है लेकिन कई बार एमसीडी और कंपनी के बीच कौन सा कूड़ा उठाना है और कौन सा कूड़ा नहीं उठाना है कि शर्तों का मामला फंस जाता है। क्योंकि कुछ जगह पर पेड़ों की छंटाई होती है तो वहां पर वह ग्रीन कचरा उठाने की जिम्मेदारी इन एजेंसियों की नहीं होती। इसी प्रकार कई बार नाले या नाली की सफाई करने के दौरान निकाली गई गाद उठाने की जिम्मेदारी भी इन एजेंसियों के पास नहीं होती है। अलग-अलग जोन में अलग शर्तें हैं। ऐसे में शर्तों के झगड़े में कई बार शिकायतें काफी समय तक लंबित हो जाती है और इलाकों में गंदगी बढ़ती है। इसको देखते हुए हमने हर जोन में आंकलन किया है कि वहां पर आने वाली शिकायतों के आधार पर मशीनरी को छह माह के लिए खरीदने की योजना बनाई है। जिसकी मंजूरी निगमायुक्त ने अपनी शक्तियों का उपयोग करते हुए दे दी है। क्योंकि अब निगम आयुक्त 50 करोड़ तक की योजनाओं को स्वयं ही मंजूर कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि निगम को हर दिन करीब 700 शिकायतें अलग-अलग समस्याओं की मिलती है। ज्यादातर शिकायतें इसमें स्वच्छता से जुड़ी होती है। निगम को उम्मीद है कि जब यह मशनरी लगेगी तो शिकायतों में कमी आएगी। गंदगी का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि एमसीडी वैसे तो प्रतिदिन अब 12800 मीट्रिक टन कूड़ा उठाता है लेकिन जब वह सफाई अभियान चलाता है तो इस कूड़े की मात्रा 15 हजार मीट्रिक टन प्रतिदिन भी पहुंच जाती है। यानि बहुत बड़ी मात्रा में कूड़ा ऐसा होता हो उठने से रह जाता है। निगम की कोशिश इसी कूड़े को उठाकर रिहायशी, व्यावसायिक समेत दूसरे इलाकों को साफ करना है। किस जोन में क्या क्या लगाई जाएगी मशीनरी पश्चिम जोन : 50 छोटे वाहन (एलएमवी) और 30 मध्यम वाहन (एमएमवी) के साथ बैकहो लोडर किराए पर लिए जाएंगे। शाहदरा (दक्षिण) जोन : 52 छोटे वाहन, टिपर ट्रक और अन्य मशीनरी लगाई जाएगी। नजफगढ़ जोन : सड़कों और फुटपाथों पर जमा कचरे को हटाने के लिए 25 एमएमवी, आठ हाइवा और बैकहो लोडर लगाए जाएंगे।

### 2900 डीटीसी के कर्मचारियों का दर्द, ना घर का खर्च ना इलाज के लिए पैसे; तीन विभागों में उलझकर लेट होता है वेतन

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली में डीटीसी में महिला सुरक्षा को लेकर लगे होमगार्ड का वेतन तीन-तीन विभागों में उलझ रहा है, ऐसे में उन्हें वेतन दो से तीन माह देरी से मिलता है। वेतन देरी से मिलने से होमगार्ड अनिल (बदला हुआ नाम) के बच्चों की पढ़ाई तो राजेश की पत्नी का इलाज प्रभावित हो रहा है। होमगार्ड कमलेश मिश्रा के पास घर के खर्च के लिए पैसे नहीं होने से दुकानदार का उधार हो गया है, कुछ अन्य होमगार्ड की अन्य तरह की समस्याएं हैं। मगर इससे प्रशासन को कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। वेतन देरी से मिलने की यह समस्या एक या दो माह की नहीं है, बल्कि पिछले कई सालों से बनी हुई है। दरअसल, डीटीसी में लगे होमगार्ड का वेतन तीन विभागों से होकरी गुजरता है। पूरी व्यवस्था पर नजर डालें तो डीटीसी के संबंधित डिपो के मनेजर द्वारा पहले वेतन की फाइल बनाई जाती है। यहां से यह फाइल होमगार्ड के जिला स्टाफ अधिकारी के पास से जांच होने के बाद होमगार्ड मुख्यालय जाती है जहां से डीटीसी मुख्यालय भेजी जाती है। वहां से परिवहन विभाग और वहां से फंड होमगार्ड मुख्यालय हो भेजा जाता है। इन विभाग में कई लापरवाह बाबुओं की टेबल से भी यह फाइल गुजरती है जो उनकी टेबल पर ही कई कई दिनों तक पड़ी रहती है। ऐसे में वेतन मिलने में देरी होती है। सूत्रों की मानें तो डीटीसी के डिपो से ही फाइल देरी से चलती है जो 10 तारीख तक भेजी जाती है और अधिकारियों की लापरवाही से हर एक उस होमगार्ड का परिवार प्रभावित होता है, जिसका खर्च ही उसके इस वेतन से चलता है। ऐसा एक नहीं डीटीसी में काम कर रहे 2900 होमगार्ड के परिवारों के साथ हो रहा है। जिन्हें फरवरी से वेतन नहीं मिला है। इतना ही नहीं इन लोगों का डेढ़ साल का एरियर की फाइल भी ऐसे ही किसी लापरवाह बाबू की टेबल पर धूल फांक रही है। ये लोग एरियर की फाइल खोज खोज कर परेशान हैं। होमगार्ड के वेतन देरी पर डीटीसी के एक वरिष्ठ अधिकारी कहते हैं कि उनकी ओर से कोई देरी नहीं होती है। स्टाफ सत्यापान के बाद फाइल समय से भुगतान के लिए भेजी जाती है। वहीं, होमगार्ड मुख्यालय ने कहा कि वे लोग एक भी दिन की देरी नहीं करते हैं और फंड आते ही वेतन जारी कर दिया जाता है।

### गलती की तो फिर शुरू हो सकते हैं हमले, ईरान को ट्रंप का सख्त संदेश; परमाणु क्षमता पर भी नजर

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** ईरान के ताजा प्रस्ताव को लेकर अमेरिका का रुख फिलहाल सतर्क लेकिन सख्त नजर आ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि दोनों देशों के बीच बातचीत आगे बढ़ रही है, लेकिन अभी किसी अंतिम निष्कर्ष पर पहुंचना बाकी है। उन्होंने संकेत दिए कि प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है, पर इसे स्वीकार करना आसान नहीं होगा।

ट्रंप ने बातचीत की स्थिति पर टिप्पणी करते हुए कहा 'हम ईरान के मामले में अच्छी प्रगति कर रहे हैं। वे समझौता करना चाहते हैं, लेकिन उन्हें अपने नेतृत्व को लेकर स्पष्टता नहीं है। मैं इस प्रस्ताव पर नजर रख रहा हूं। उन्होंने सौदे की रूपरेखा साझा की है और अब वे इसका पूरा विवरण देने वाले हैं।' उनके इस बयान से साफ है कि अमेरिका ईरान के प्रस्ताव को पूरी तरह खारिज नहीं कर रहा, लेकिन हर पहलू को बारीकी से परखा जा रहा है। ईरान की सैन्य ताकत, खासकर उसकी मिसाइल निर्माण क्षमता को लेकर ट्रंप ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि ईरान की बची हुई मिसाइल क्षमता को पूरी तरह खत्म कर दिया जाए। ट्रंप ने इस पर कहा 'मैं इसे पूरी तरह खत्म करना चाहूंगा। ऐसा करने से वे दोबारा अपनी क्षमता बढ़ाने की शुरुआत नहीं कर पाएंगे।' ट्रंप ने यह भी साफ किया कि अगर ईरान की ओर से कोई आक्रामक या गलत कदम उठाया जाता है, तो अमेरिका सैन्य कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने कहा 'अगर वे कोई गलत कदम उठाते हैं या अनुचित व्यवहार करते हैं तो कार्रवाई की जा सकती है। फिलहाल स्थिति पर नजर रखी जा रही है, लेकिन यह संभावना पूरी तरह से बनी हुई है।' पोस्ट में जानकारी दी कि वे जल्द ही ईरान द्वारा भेजे गए प्रस्ताव की समीक्षा करेंगे। हालांकि, उन्होंने इस प्रस्ताव को लेकर संदेह भी जताया। उन्होंने लिखा 'मैं जल्द ही उस योजना की समीक्षा करूंगा जो ईरान ने हमें भेजी है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि इसे स्वीकार करना आसान होगा, क्योंकि पिछले 47 वर्षों में जो कुछ हुआ है, उसके लिए उन्होंने अभी तक पर्याप्त कीमत नहीं चुकाई है।'

# लेबनान के प्रधानमंत्री की नफरत भड़काने से दूरी की अपील; दक्षिण लेबनान में इस्राइली हमले तेज

**बेरूत, एजेंसी।** अमेरिका ने जर्मनी में तैनात अपने लगभग 5,000 सैनिकों को वापस बुलाने का निर्णय लिया है। इस कदम के बाद जर्मनी अपनी सुरक्षा में अमेरिका पर निर्भरता को लेकर दोबारा विचार कर रहा है। इस फैसले के साथ-साथ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा यूरोपीय संघ में बनी कारों पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी से जर्मनी को हर साल करीब 15 अरब डॉलर तक का नुकसान हो सकता है। इससे यूरोप की आर्थिक और रक्षा रणनीति पर भी असर पड़ने की आशंका है।

अमेरिका ने जर्मनी में तैनात अपने लगभग 5,000 सैनिकों को वापस बुलाने का निर्णय लिया है। इस कदम के बाद जर्मनी अपनी सुरक्षा में अमेरिका पर निर्भरता को लेकर दोबारा विचार कर रहा है। विश्लेषकों के अनुसार, इस फैसले के साथ-साथ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा यूरोपीय संघ में बनी कारों पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी से जर्मनी को हर साल करीब 15 अरब डॉलर तक का नुकसान हो सकता है। इससे यूरोप की आर्थिक और रक्षा रणनीति पर भी असर पड़ने की आशंका है। लेबनान की राष्ट्रीय समाचार एजेंसी के अनुसार, इस्राइली सेना ने दक्षिणी लेबनान के बिंत ज्बैल जिले के बुर्ज कलाविया इलाके पर हवाई हमला किया है। साथ ही इलाके में भारी तोपखाने से गोलाबारी भी की गई। एजेंसी ने यह भी बताया कि सीमा से लगे गांव खियाम में कई घरों में आग लगाने की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। पश्चिम एशिया में 28 फरवरी से शुरू हुई जंग फिलहाल युद्ध विराम की

छांव में है। पर्दे के पीछे से अमेरिका-ईरान के बीच बातचीत के प्रयास किए जा रहे हैं। इस बीच ईरान के जंजन शहर के पास बम फटने से रिवोल्यूशनरी गार्ड के 14 सदस्यों की मौत हो गई। ये बम युद्ध के समय के थे जो उस वक्त नहीं फटे थे। सात अप्रैल को हुए युद्ध विराम के बाद यह सबसे बड़ा हादसा है।

# खराब एसी में अमेरिका में बढ़ रही थीं आग लगने की घटनाएं, इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी पर लगा जुर्माना

**न्यू जर्सी , एजेंसी।** न्यू जर्सी की कंपनी रॉयल सोवरेन इंटरनेशनल इंक को यूजर को 395,786 का मुआवजा देने और 8 मिलियन का आपराधिक जुर्माना भरने की सजा सुनाई गई है।

अमेरिकी उपभोक्ता उत्पाद सुरक्षा आयोग को खतरनाक एयर कंडीशनर के बारे में रिपोर्ट न करने के लिए यह कार्रवाई की गई। इन एसी से 40 से ज्यादा आग लगने की घटनाएं हुई और एक व्यक्ति की मौत भी हो गई।

**कंपनी ने कितने एसी आयात किए:** 2008 से 2014 के बीच कंपनी ने चीन में निर्मित 33,000 से ज्यादा खराब एयर कंडीशनर आयात किए और अमेरिका में बेचे। इनमें खराब ड्रेन मोटर लगी थी, जिसके कारण शॉर्ट सर्किट होकर आग लग जाती थी और आग तेजी से फैल जाती थी। कंपनी ने 2021 में इन मॉडलों को वापस मंगाया था।

अगस्त 2025 में कंपनी ने आपराधिक मामले में अपना दोष स्वीकार कर लिया। उपभोक्ता उत्पाद सुरक्षा अधिनियम के तहत कंपनी पर आरोप था कि उसने जानबूझकर एयर कंडीशनर से जुड़ी खतरनाक जानकारी सीपीएससी को तुरंत नहीं दी।

**कंपनी ने उपभोक्ता उत्पाद सुरक्षा अधिनियम को कैसे किया गुमराह:** नवंबर 2010 में रॉयल सोवरेन ने उपभोक्ता उत्पाद सुरक्षा अधिनियमको गुमराह किया। कंपनी ने एजेंसी को बताया कि उसे एयर कंडीशनर से जुड़ी सिर्फ दो आग लगने की घटनाओं की जानकारी है और अब वह उन्हें नहीं बेच रही है। जबकि वास्तव में कंपनी को कम से कम 16 आग लगने की घटनाओं की जानकारी थी और वह लगातार इन एसी को बेचती रही।

**धुएं में सांस लेने से मौत:** अगस्त 2016 में एक महिला की धुएं में सांस लेने से मौत हो गई और उसके दो बच्चे घायल हो गए। यह घटना उनके घर में लगे रॉयल सोवरेन एयर कंडीशनर में आग लगने के कारण हुई थी। आपराधिक मामले के अलावा, कंपनी ने अमेरिका सरकार के साथ सिविल समझौता भी किया। इसके तहत कंपनी को .16,025,000 का सिविल जुर्माना देना पड़ा, जो उपभोक्ता उत्पाद सुरक्षा अधिनियमके तहत तय अधिकतम राशि है। कंपनी ने अब उपभोक्ता उत्पादों की मार्केटिंग, बिक्री और वितरण से जुड़े सभी कामकाज हमेशा के लिए बंद कर दिए हैं। जस्टिस डिपार्टमेंट के क्रिमिनल डिवीजन के असिस्टेंट अटॉर्नी जनरल ए. टायसन डुवा, डिस्ट्रिक्ट ऑफ न्यू जर्सी के यू.एस. अटॉर्नी पीटर रॉबर्ट फ्रेजर और यू.एस. कंज्यूमर प्रोडक्ट सेफ्टी कमीशन के एक्टिंग चेयरमैन पीटर ए. फेल्डमैन ने इस घोषणा की जानकारी दी। क्रिमिनल डिवीजन के ट्रायल अटॉर्नी एथन कैरोल ने मामले की पैरवी की। उपभोक्ता उत्पाद सुरक्षा अधिनियम की रेनी मैकक्यून और न्यू जर्सी की असिस्टेंट अमेरिकी अटॉर्नी फातिमे मेका कैनो ने भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

# संपादकीय | नफरती भाषणों पर कानून क्यों बेअसर?

पिछले कुछ वर्षों के दौरान देश की राजनीति में लोगों के बीच नफरत फैलाने वाले बयानों या भड़काऊ भाषणों के जरिए सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने की कोशिशें चिंता का कारण बनती रही हैं। ऐसे अनेक मौके सामने आए, जिनमें किसी नेता पर राजनीतिक स्वार्थ साधने या फायदा उठाने की मंशा से ऐसी बयानबाजियां करने या नारे लगाने के आरोप लगे, जिससे सामाजिक सद्भाव बिगड़ने की आशंका पैदा हुई। मगर ऐसे नेताओं को जहां कानून के कठघरे में खड़ा किया जाना चाहिए था, वहां उनके प्रति पुलिस या शासन-तंत्र ने एक तरह से नरम रवैया अपनाया।

शायद इसी वजह से सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल कर बढ़ते नफरती भाषणों की समस्या से निपटने के लिए दिशानिर्देश जारी करने की मांग की गई थी। मगर इस मसले पर सुनवाई के बाद अदालत ने कहा कि वर्तमान कानून का ढांचा लोगों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने, धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने या सार्वजनिक शांति को भंग करने वाली हरकतों से सक्षम तरीके से निपटता है। इसमें भारतीय दंड संहिता और अन्य संबंधित कानूनों के प्रावधान शामिल हैं।

जाहिर है, मौजूदा कानूनी प्रावधानों के संदर्भ में अदालत ने एक तरह से स्थिति स्पष्ट कर दी है। मगर इससे इतर नफरती भाषणों के जरिए अगर लोगों के बीच विद्वेष फैलाने की कोशिश की जाती है, तो इसकी नए सिरे से व्याख्या करने और उसे कानूनी दायरे में लाने की जरूरत है। इस संदर्भ में अदालत ने स्पष्ट किया कि अपराध की व्याख्या या उसे परिभाषित करना और सजा तय करना पूरी तरह विधायिका के अधिकार क्षेत्र में आता है। ऐसे में अदालत केवल सुधारों की जरूरत की ओर

विधायिका और कार्यपालिका का ध्यान खींच सकती है।

अदालत की यह टिप्पणी अहम है कि नफरती भाषणों के संदर्भ में याचिकाकर्ताओं की शिकायत कानून के अभाव में नहीं, बल्कि उसके लागू होने में कमी से पैदा होती है। ऐसी शिकायतें आम रही हैं कि कानूनी प्रावधान होने के बावजूद कई मामलों में पुलिस या तो आरोपों की अनदेखी करती है या फिर कमजोर धाराओं के तहत मामला दर्ज करती है। नतीजतन, जिन गतिविधियों की वजह से आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए थी, उसके विरुद्ध कानून लाचार नजर आता है।

दरअसल, हाल के वर्षों में कुछ नेताओं ने न केवल लोगों की भावनाएं भड़काने वाले भाषण दिए, बल्कि इस बात का खयाल रखना भी जरूरी नहीं समझा कि इससे देश में अलग-अलग समुदायों के बीच सद्भाव को नुकसान पहुंच सकता है और विषम हालात भी पैदा हो सकते हैं। मगर ऐसे आपत्तिजनक भाषण देने वाले लोगों के खिलाफ ठोस कार्रवाई करने को लेकर सरकारों के भीतर ईमानदार इच्छाशक्ति का अभाव दिखता रहा है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि इस तरह की प्रवृत्ति की अनदेखी करने या सुविधाजनक तरीके से कुछ नेताओं के नफरती भाषणों के प्रति आंखें मूंद लेने का नुकसान आखिरकार आम जनता और देश को उठाना पड़ेगा।

शीर्ष अदालत ने भी इसी संदर्भ में कहा कि नफरती भाषण और अफवाह फैलाने से जुड़े मुद्दे सीधे तौर पर भाईचारे, गरिमा और संवैधानिक व्यवस्था के संरक्षण से जुड़े हैं। कायदे से कुछ संवेदनशील स्थितियों के बावजूद अगर मौजूदा कानूनी प्रावधानों का दायरा सीमित है, तो यह केंद्र और राज्य सरकारों पर निर्भर है कि वे बदलते परिदृश्यों तथा चुनौतियों के मद्देनजर आगे किसी ठोस कानूनी उपाय की जरूरत पर विचार करें।

## तेल, महंगाई और बाजारों पर बढ़ता दबाव

पश्चिम एशिया में युद्ध और उससे उपजे तनाव के कारण न केवल इसमें शामिल पक्षों के रणनीतिक मोर्चे पर, बल्कि इसके असर की वजह से दुनिया भर में आर्थिक मोर्चे पर उथल-पुथल मची हुई है। तेल और गैस की कीमतों में उछाल से ज्यादातर देश अपनी ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। ईंधन के लिए मध्यपूर्व के देशों पर निर्भरता के कारण आयात पर बढ़ रहे खर्च को संभालना इस समय कई देशों के लिए बड़ी चुनौती है। सबसे बड़ा संकट यह है कि ईरान और अमेरिका के बीच गतिरोध के कारण वैश्विक अस्थिरता और इससे उपजी समस्या जटिल होती जा रही है। नतीजा यह कि इसका असर कई देशों पर पड़ा है। अनिश्चितता की वजह से एक ओर शेयर बाजार में अक्सर भारी गिरावट देखी जा रही है और उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी हुई है, वहीं सोने-चांदी के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं। इससे निवेशक आशंका में डूबे हैं और वे सुरक्षित निवेश के विकल्पों की ओर देख रहे हैं। जहां तक भारत का सवाल है, तो यहां की अर्थव्यवस्था पर फिलहाल कोई बड़ा असर तो नहीं दिख रहा है, लेकिन पिछले कुछ महीनों में देश में तेल और गैस की किल्लत के समांतर औद्योगिक उत्पादन में कमी चिंता का विषय है। विकास की रफ्तार पर इसका कितना असर पड़ेगा, इसका आकलन शायद बाद में आए, लेकिन आम आदमी के लिए मुश्किलें गहराने की ही आशंका है।अनिश्चितता भरे इस माहौल के बीच तेल आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान का प्रभाव दिखाई दे रहा है। फिलहाल वैश्विक आर्थिक परिदृश्य नाजुक स्थिति में है। अलग-अलग स्तर पर जारी भू-राजनीतिक संघर्ष का असर कितने स्तर पर पड़ेगा, अभी इसका स्पष्ट अनुमान नहीं लगाया जा सकता। हालांकि इतना तय है कि पहले ही महंगाई और क्रयशक्ति में कमी से परेशान आम लोगों पर दबाव बढ़ेगा। जिन देशों का वित्तीय ढांचा मजबूत है और ऊर्जा के विकल्प मौजूद हैं, वहां शायद स्थिति नियंत्रण में रहे, लेकिन जो देश इस मामले में बाहर से आपूर्ति पर निर्भर हैं, उनके लिए चुनौतियां गहरी होंगी। जरूरत इस बात की है कि वैश्विक पैमाने पर आर्थिक मोर्चे पर हो रहे व्यापक नुकसानों के मद्देनजर युद्ध और तनाव जैसे हालात को खत्म करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सहित अन्य स्तर पर ठोस पहल हो।

## आज का कार्टून

# मिट्टी का 'कार्बन बैंक' खाली होने लगा!

**जब मिट्टी गर्म होकर सूख गई, तब उसमें संचित कुल कार्बन का लगभग 12.2 फीसद हिस्सा मिट्टी से गायब हो गया। अमेरिका में जमीन के 48 अलग-अलग टुकड़ों को वैज्ञानिकों ने अपनी प्रयोगशाला बनाकर 12 वर्षों तक शोध करने के बाद पाया कि जब मिट्टी गीली थी, तब उसमें मौजूद कार्बन की मात्रा में लगभग 6.7 फीसद की वृद्धि हुई। तात्पर्य यह कि मिट्टी में जल की मात्रा जितनी अधिक होती है, उसमें कार्बन को सोखकर अपने भीतर संरक्षित करने की क्षमता उतनी ही बढ़ जाती है।हालांकि, यह बदलाव पौधों के कारण नहीं, बल्कि मिट्टी में पाए जाने वाले सूक्ष्मजीवों के कारण आया। वैज्ञानिकों ने शोध के बाद माना कि गर्म और सूखे मौसम में सूक्ष्मजीव तनावग्रस्त रहते हैं। ऐसे में, जीवित रहने के लिए वे कार्बन का अधिक उपयोग करते हैं और फिर उसे कार्बन डाइऑक्साइड के रूप में हवा में छोड़ देते हैं। वहीं, जब मिट्टी गीली होती है, तो सूक्ष्मजीव कार्बन का कम से कम उपयोग करते हैं, जो उनके विकास के लिए आवश्यक होता है। इससे वायुमंडल में कार्बन कम हो जाता है और उसकी अधिक मात्रा मिट्टी में ही संरक्षित रहती है। साथ ही, सूक्ष्मजीवों का पोषण भी बेहतर होता है।**

**चेतनादित्य आलोक**

दुनिया भर के पर्यावरण वैज्ञानिकों के समक्ष इस समय एक बड़ी चुनौती है। यह चुनौती है धरती की कोख में कार्बन का भंडार कम होने की। यानी मिट्टी में कार्बन की मात्रा कम जमा हो रही है। सामान्यतः यह किसी को जानकर अटपटा लग सकता है, लेकिन सच यही है कि हमारी धरती वायुमंडल में कार्बन की मात्रा अत्यधिक होने के कारण जलवायु असंतुलन पैदा होने अथवा बढ़ने से बचाने के लिए अपनी कोख में जहरीले कार्बन जमा कर लेती है। ऐसा इसलिए कि जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणामों से मनुष्यों और जीव-जंतुओं का बचाव हो सके।

गौरतलब है कि मिट्टी में जमा होने वाले कार्बन की मात्रा वायुमंडल द्वारा सोखे जाने वाले कार्बन की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक होती है। कार्बन सोखने के मामले में वायुमंडल की अपेक्षा धरती की क्षमता तीन गुना अधिक होती है।

इस प्रकार देखा जाए, तो मिट्टी द्वारा कार्बन सोखे जाने की यह प्रक्रिया जलवायु संतुलन बनाए रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। खास बात यह भी है कि कार्बन अधिक से अधिक संग्रहीत करने में मिट्टी अकेले ही भूमिका नहीं निभाती, बल्कि इसमें अनेक सूक्ष्म जीवों की भी बहुत बड़ी भूमिका होती है, जो मिट्टी में घुल-मिल कर रहते हैं। इसलिए हम सभी लोग धरती और सूक्ष्म जीवों के ऋणी हैं। हमें इनका आभार मानना चाहिए, क्योंकि ये रात-दिन परिश्रम कर वायुमंडल में कार्बन कम करने का कार्य करते हैं, ताकि हमारे फेफड़ों की सेहत अच्छी बनी रहे। भारतीय संस्कृति में तो सदा से ही सभी जीवों और तत्त्वों के प्रति कृतज्ञ बने रहने और उनके साथ सम्मान, सहयोग, सहभागिता और सहायता के माध्यम से आगे बढ़ने की बात कही जाती रही है।

हमारी संस्कृति का एक महत्त्वपूर्ण सिद्धांत 'जियो और जीने दो' का तात्पर्य ही यही है कि हम एक-दूसरे के अस्तित्व को स्वीकार करते हुए आपसी तालमेल के साथ जीवनयापन करें। उदाहरण के लिए मिट्टी के बिना उसमें घुल-मिल कर रहने वाले सूक्ष्म जीवों का अस्तित्व संकट में पड़ जाएगा। वहीं, मिट्टी और सूक्ष्म जीवों के बिना मनुष्य आदि प्राणियों के अस्तित्व की कल्पना भी नहीं की जा सकती। तात्पर्य यह कि सृष्टि के सभी प्राणी एक-दूसरे पर आश्रित हैं। पृथ्वी पर प्रायः सभी प्राणियों के लिए सुखमय जीवन जीने की अभिलाषा का मुख्य आधार ही परस्पर सभी जीवों और तत्त्वों के अस्तित्व को स्वीकार करना तथा उनके साथ पारस्परिकता के साथ जीना है। यही हमारे संस्कार हैं।

श्रीमद्भागवत के प्रथम स्कंध में उल्लेखित 'जीवो जीवस्य जीवनम्' इसी बात का प्रमाण है। इसे ही आधुनिक समाज में 'सहजीवन' एवं 'सह-अस्तित्व' के रूप में जाना जाता है। सामान्यतः पारस्परिक निर्भरता वाले जीवों को एक-दूसरे के साथ होने से लाभ मिलता है। शैवाल और कवक पारस्परिक 'सह-अस्तित्व' के अच्छे उदाहरण हैं। 'सहजीवन' अन्य संस्कृतियों एवं विकसित समाजों के लिए भले ही एक नया शब्द और सिद्धांत प्रतीत होता हो, लेकिन हमारी वैदिक संस्कृति का प्रधान तत्त्व ही यही है, जो अनेक अवसरों पर विविध रूपों में पल्लवित-पुष्पित होता रहा है। 'सहजीवन' का परिपोषक 'जियो और जीने दो' केवल एक सिद्धांत नहीं,

बल्कि संपूर्ण जीवन दर्शन है।

मनुष्य की जिजीविषा से जुड़ा भारतीय मनीषा का यह कल्याणकारी दर्शन अनेक प्राचीन धार्मिक ग्रंथों में समाहित है। जिन संस्कृतियों एवं समाजों की इस दर्शन में आस्था नहीं, वे अक्सर युद्धरत रहते हैं। अजरबैजान और आर्मेनिया का युद्ध, सूडान और म्यांमार में गृहयुद्ध, चीन-ताइवान का संघर्ष, हैती में गिरोहों का आतंक, फिलीस्तीन-इजराइल और हमास युद्ध, रूस-यूक्रेन युद्ध तथा अमेरिका-इजराइल का ईरान से युद्ध इसके उदाहरण हैं। अब तक इन युद्धों और संघर्षों में बड़ी संख्या में निर्दोष लोग मारे जा चुके हैं और घायल हुए। जो बचे भी हैं, उनका जीवन शायद अब पहले की तरह कभी नहीं हो पाएगा।

इसी प्रकार, धरती की कोख में कार्बन का भंडार कम होने का प्रमुख कारण भी यही है कि मनुष्य ने 'जियो और जीने दो' वाले प्राचीन भारतीय जीवन दर्शन को नकार दिया। कल्पना की जा सकती है कि यदि हम मिट्टी और इसमें पाए जाने वाले सूक्ष्म जीवों के प्रति संवेदनशील होते और अन्न की पैदावार बढ़ाने के लिए उर्वरकों एवं कीटनाशकों का अंधाधुंध उपयोग न कर मिट्टी एवं सूक्ष्म जीवों की सुरक्षा के लिए समुचित कदम उठाए होते, तो आज यह स्थिति पैदा नहीं होती।

इसी प्रकार, हम जल और जलीय जीव-जंतुओं के अस्तित्व की परवाह नहीं करते। नदियों-तालाबों में कूड़ा-कचरा और गंदगी डालकर उसे प्रदूषित करते रहते हैं। इसी संवेदनहीन व्यवहार का नतीजा है कि आज देश में कई जलाशय अपना अस्तित्व खो चुके हैं। आसमान में उड़ने वाले परिंदों के लिए भी हमारी संवेदना नहीं जागती।

अब जबकि मिट्टी में कार्बन की घटती मात्रा के कारण दुनिया भर में जलवायु संतुलन बिगड़ने लगा है, तब वैज्ञानिकों का ध्यान इस ओर गया और उन्होंने इस पर गहन शोध किया। अब उनका मानना है कि जलवायु में मिट्टी तथा सूक्ष्मजीवों की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दरअसल, हम जिस धरती पर चलते हैं, वह केवल धूल से बनी मिट्टी भर नहीं है, बल्कि यह ब्रह्मांड का एक बहुत बड़ा 'कार्बन बैंक' है। पर्यावरण वैज्ञानिकों ने शोध में पाया कि मिट्टी में हवा (वायुमंडल) की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक कार्बन का संरक्षण होता है।

यह कार्बन यदि मिट्टी में ही सुरक्षित रहे, तो इससे हमारा जलवायु-तंत्र संतुलित रहता है। वहीं, यदि मिट्टी में संरक्षित कार्बन, कार्बन डाइऑक्साइड बनकर हवा में घुल-मिल जाए, तो पृथ्वी के तापमान में तेजी से वृद्धि होगी। विज्ञान पत्रिका Nature Climate Change में प्रकाशित शोध का प्रमुख निष्कर्ष यह है कि मिट्टी में कार्बन को संरक्षित रखने में पानी की बहुत बड़ी भूमिका होती है।

इस अध्ययन के अनुसार, जब मिट्टी गर्म होकर सूख गई, तब उसमें संचित कुल कार्बन का लगभग 12.2 फीसद हिस्सा मिट्टी से गायब हो गया। अमेरिका में जमीन के 48 अलग-अलग टुकड़ों को वैज्ञानिकों ने अपनी प्रयोगशाला बनाकर 12 वर्षों तक शोध करने के बाद पाया कि जब मिट्टी गीली थी, तब उसमें मौजूद कार्बन की मात्रा में लगभग 6.7 फीसद की वृद्धि हुई। तात्पर्य यह कि मिट्टी में जल की मात्रा जितनी अधिक होती है, उसमें कार्बन को सोखकर अपने भीतर संरक्षित करने की क्षमता उतनी ही बढ़ जाती है।हालांकि, यह बदलाव पौधों के कारण नहीं, बल्कि मिट्टी में पाए जाने वाले सूक्ष्मजीवों के कारण आया। वैज्ञानिकों ने शोध के बाद माना कि गर्म और सूखे मौसम में सूक्ष्मजीव तनावग्रस्त रहते हैं। ऐसे में, जीवित रहने के लिए वे कार्बन का अधिक उपयोग करते हैं और फिर उसे कार्बन डाइऑक्साइड के रूप में हवा में छोड़ देते हैं। वहीं, जब मिट्टी गीली होती है, तो सूक्ष्मजीव कार्बन का कम से कम उपयोग करते हैं, जो उनके विकास के लिए आवश्यक होता है। इससे वायुमंडल में कार्बन कम हो जाता है और उसकी अधिक मात्रा मिट्टी में ही संरक्षित रहती है। साथ ही, सूक्ष्मजीवों का पोषण भी बेहतर होता है। कार्बन का मिट्टी में सुरक्षित रहना सचमुच बेहद जरूरी है।

# हर 'हां' के पीछे छिपा तनाव!

**मना करने के लिए 'ना' शब्द छोटा है, लेकिन इसकी शक्ति बहुत बड़ी है। यह हमें सिखाता है कि दूसरों की अपेक्षाओं के बीच भी अपनी खुशी, अपने समय और अपनी प्राथमिकताओं को महत्त्व देना जरूरी है। जीवन में सच्चा संतुलन तब आता है, जब हम यह समझ पाते हैं कि कहां हमें आगे बढ़कर 'हां' कहना चाहिए और कहां साहस के साथ 'ना' कहना चाहिए। कभी-कभी एक छोटा-सा 'ना' ही हमें अनावश्यक बोझ से बचाकर उस रास्ते पर ले जाता है, जहां हम अधिक शांत, अधिक संतुलित और अधिक संतुष्ट जीवन जी सकते हैं।**

**महिमा सामंत**

हमारे समाज में बचपन से ही हमें यह सिखाया जाता है कि दूसरों की बात मानना, सबको खुश रखना और किसी को मना न करना अच्छे संस्कार हैं। यह बात सही भी है, क्योंकि सहृदयता और सहयोग मनुष्य को बेहतर बनाते हैं। मगर कई बार यही आदत हमें ऐसी स्थिति में पहुंचा देती है, जहां हम अपनी इच्छाओं, अपने समय और अपनी मानसिक शांति को नजरअंदाज करने लगते हैं।

ऐसे में जीवन हमें एक महत्त्वपूर्ण पाठ सिखाता है- कभी-कभी 'ना' कहना भी उतना ही जरूरी है जितना 'हां' कहना। 'ना' कहना असभ्यता नहीं है, बल्कि यह अपने जीवन की सीमाओं और प्राथमिकताओं को समझने का संकेत है। जब हम हर किसी की बात मानते रहते हैं, तो धीरे-धीरे हमारे ऊपर जिम्मेदारियों का बोझ बढ़ता जाता है। हम ऐसे काम भी करने लगते हैं, जो हमें थका देते हैं या जिनसे हमें कोई संतोष नहीं मिलता।

मसलन, कई बार हमें किसी शादी या समारोह में जाने का मन नहीं होता, क्योंकि हम पहले से थके हुए होते हैं या हमारे पास कोई जरूरी काम होता है। फिर भी हम केवल इसलिए चले जाते हैं कि लोग क्या कहेंगे। परिणाम यह होता है कि हम न तो वहां पूरी खुशी से रह पाते हैं और न ही अपने जरूरी काम पूरे कर पाते हैं।

इसी तरह कार्यस्थल पर भी अक्सर ऐसा

होता है। मान लिया जाए कि किसी सहकर्मी को अपना काम जल्दी खत्म करना है, इसलिए वह अपना कुछ काम हमें दे देता है। हम मना नहीं कर पाते और 'ठीक है, मैं कर देता हूं' कह देते हैं। धीरे-धीरे यह आदत बन जाती है और लोग यह मान लेते हैं कि हम हर बार तैयार रहेंगे। अंत में इसका असर हमारे समय, प्रदर्शन और हमारी ऊर्जा पर पड़ता है। विद्यार्थियों के जीवन में भी यह स्थिति आम है।

कई विद्यार्थी केवल दोस्तों के दबाव में आकर अनावश्यक गतिविधियों में समय बिता देते हैं- कभी घंटों मोबाइल पर बात करना, कभी बिना जरूरत बाहर घूमने जाना। वे मना नहीं कर पाते और बाद में पढ़ाई का दबाव बढ़ जाता है। इन छोटी-छोटी परिस्थितियों में अगर हम विनम्रता के साथ 'ना' कहना सीख लें, तो जीवन कहीं अधिक संतुलित हो सकता है। ऐसा करना स्वार्थ नहीं है। यह स्व-सम्मान और आत्म-जागरूकता का प्रतीक है। जब हम अपनी सीमाओं को पहचानते हैं और उन्हें स्पष्ट रूप से व्यक्त करते हैं, तो लोग भी धीरे-धीरे उसका सम्मान करना सीखते हैं।

हमारे प्राचीन ग्रंथों में भी ऐसे प्रसंग मिलते हैं जो 'ना' कहने के महत्त्व को समझाते हैं। महाभारत में भीष्म पितामह का जीवन इसका एक मार्मिक उदाहरण है। उन्होंने अपने पिता की खुशी के लिए आजीवन ब्रह्मचर्य और सिंहासन के प्रति निष्ठा की प्रतिज्ञा ली। यह प्रतिज्ञा त्याग का अद्भुत प्रतीक थी, लेकिन कई बार वही प्रतिज्ञा उनके लिए बंधन भी बन गई। द्रौपदी के अपमान के समय वे अन्याय का खुलकर विरोध नहीं कर सके। यह प्रसंग हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि कभी-कभी गलत परिस्थिति में मौन रहना या मना नहीं करना भी अन्याय को बढ़ावा दे सकता है।

स्वाभिमान के साथ कहा गया 'ना' केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं, बल्कि इतिहास की दिशा भी बदल सकता है। इसी प्रकार राजकुमार सिद्धार्थ का जीवन भी एक गहरी प्रेरणा देता है। गौतम बुद्ध ने राजमहल के सुख-सुविधाओं को 'ना' कहकर सत्य और ज्ञान की खोज का मार्ग चुना। उनके विचारों ने पूरी दुनिया को प्रभावित किया।

इन उदाहरणों से स्पष्ट होता है कि 'ना' कहना केवल अस्वीकार करना नहीं है। यह अपने विवेक, आत्मसम्मान और जीवन की प्राथमिकताओं को पहचानने का संकेत है। जब हम हर अनुरोध को स्वीकार करते रहते हैं, तो धीरे-धीरे हम अपने लिए समय ही नहीं निकाल पाते। मगर जब हम सोच-समझकर निर्णय लेते हैं, तब हमारा जीवन अधिक संतुलित और सार्थक बनता है।

हालांकि 'ना' कहने का तरीका बहुत मायने रखता है। इसे कठोरता या तिरस्कार के साथ नहीं कहने से अधिकतम सीमा तक बचना चाहिए। अगर हम शांत और विनम्र भाषा में कहें कि 'माफ कीजिए, इस समय मैं यह काम नहीं कर पाऊंगा' या 'अभी मेरे लिए यह संभव नहीं है', तो सामने वाले को बुरा नहीं लगता और हमारी बात भी स्पष्ट हो जाती है। सच तो यह है कि जीवन में संतुलन बनाए रखने के लिए हमें यह समझना होगा कि हर अनुरोध को स्वीकार करना आवश्यक नहीं है। जब हम हर चीज के लिए 'हां' कहते हैं, तो धीरे-धीरे हम खुद को खोने लगते हैं, लेकिन जब हम सही समय पर 'ना' कहते हैं, तो अपने जीवन की दिशा को बेहतर ढंग से तय कर पाते हैं।

मना करने के लिए 'ना' शब्द छोटा है, लेकिन इसकी शक्ति बहुत बड़ी है। यह हमें सिखाता है कि दूसरों की अपेक्षाओं के बीच भी अपनी खुशी, अपने समय और अपनी प्राथमिकताओं को महत्त्व देना जरूरी है। जीवन में सच्चा संतुलन तब आता है, जब हम यह समझ पाते हैं कि कहां हमें आगे बढ़कर 'हां' कहना चाहिए और कहां साहस के साथ 'ना' कहना चाहिए। कभी-कभी एक छोटा-सा 'ना' ही हमें अनावश्यक बोझ से बचाकर उस रास्ते पर ले जाता है, जहां हम अधिक शांत, अधिक संतुलित और अधिक संतुष्ट जीवन जी सकते हैं।

# ऋतुराज ने पत्नी को दी फ्लाइंग किस, हार्दिक के आउट होने पर माहिका हुई उदास

**चेन्नई, एजेंसी।** आईपीएल 2026 का 44वां मुकाबला शनिवार को चेपॉक स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और मुंबई इंडियंस (एमआई) के बीच खेला गया। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ और युवा बल्लेबाज कार्तिक शर्मा की अर्धशतकीय पारी के दम पर सीएसके ने एमआई को आठ विकेट से हरा दिया। एल क्लासिको के नाम से मशहूर इन दो टीमों के बीच मैच में कई दिलचस्प पल भी देखने को मिले।

चेन्नई के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने सीएसके की मुंबई पर जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 48 गेंद में पांच चौके और दो छक्कों की मदद से 67 रन की नाबाद पारी खेली। ऋतुराज ने कार्तिक शर्मा के साथ 98 रन की नाबाद साझदारी निभाई। अर्धशतक लगाने के बाद ऋतुराज ने दर्शक दीर्घा में बैठीं उनकी पत्नी उत्कर्षा को फ्लाइंग किस भी दी। ऋतुराज की बल्लेबाजी खराब रही थी और उन्हें फॉर्म में लौटता देख उत्कर्षा भी काफी खुश नजर आईं।

## कार्तिक शर्मा का धोनी वाला अंदाज

चेन्नई सुपर किंग्स के विकेटकीपर बल्लेबाज कार्तिक शर्मा को फ्रेंचाइजी ने 14.20 करोड़ रुपये में खरीदा था। हालांकि, इस मैच से पहले तक उनका बल्ला कुछ खास नहीं चला था। इस मैच में उन्होंने शानदार बल्लेबाजी की और आईपीएल करियर का पहला अर्धशतक लगाया। अर्धशतक लगाने के बाद उनका गन सेलिब्रेशन ठीक उस तरह था, जैसा सेलिब्रेशन धोनी ने अक्तूबर 2005 में श्रीलंका के खिलाफ 183 रन की पारी खेलने के बाद किया था। कार्तिक धोनी की तरह विकेटकीपर भी हैं।

## माहिका दिखीं उदास

इस मैच में मुंबई की टीम पहले बल्लेबाजी कर रही थी। हालांकि, टीम ने काफी धीमी शुरुआत की। ऐसे में टीम को कप्तान हार्दिक पांड्या से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन वह भी 23 गेंद में दो चौके की मदद से 18 रन बनाकर चलते बने। वापस पवेलियन लौटते वक्त उनकी गर्लफ्रैंड माहिका को दिखाया गया, जो कि काफी उदास दिख रही थीं।

## दुबे-हार्दिक के बीच हुई बात

तस्वीरों में हार्दिक पांड्या और शिवम दुबे के बीच मैच के दौरान एनिमेटेड बातचीत होती दिख रही है। दोनों खिलाड़ी आमने-सामने खड़े हैं और हार्दिक हाथ के इशारों के साथ कुछ समझाते या जवाब देते नजर आ रहे हैं, जबकि दुबे भी ध्यान से सुनते हुए प्रतिक्रिया दे रहे हैं। ऐसा प्रतीत हो रहा है मानो किसी गेंद, शॉट या मैदान पर हुई घटना को लेकर बात चल रही है। दोनों गंभीर दिख रहे होते हैं।

## सूर्यकुमार ने ऋतुराज को दी बधाई

आईपीएल 2026 में मुंबई के खराब प्रदर्शन की एक वजह सूर्यकुमार यादव का फ्लॉप रहना रहा है। हालांकि, सीएसके से मैच के दौरान ऋतुराज को उन्होंने फॉर्म में वापस लौटने की बधाई जरूर दी। सूर्यकुमार ने सीएसके के खिलाफ 12 गेंद में 21 रन की पारी खेली।

## बोल्ट का 90 मीटर का छक्का

ट्रेंट बोल्ट ने सीएसके के खिलाफ अपनी पहली ही गेंद पर 90 मीटर का जोरदार छक्का लगाया। अंशुल कंबोज गेंदबाजी कर रहे थे। बोल्ट का फॉर्म इस सीजन खराब रहा है। उन्हें ज्यादा विकेट भी नहीं मिले हैं और ऐसे में उन्होंने बल्लेबाजी के दौरान छक्का जड़कर अपनी भड़ास निकाली।

## आईपीएल एल क्लासिको मैच का हाल

मैच की बात करें तो मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर मे सात विकेट पर 159 रन बनाए थे। नमन धीर ने 37 गेंद में चार चौके और तीन छक्के की मदद से 57 रन की पारी खेली। वहीं, रेयान रिकेल्टन ने 24 गेंद में 37 रन बनाए। सीएसके की ओर से कंबोज ने तीन और नूर अहमद ने दो विकेट लिए। सीएसके को जीत के लिए 160 रन का लक्ष्य मिला था। गायकवाड़ के 48 गेंदों पर नाबाद 67 रन और कार्तिक शर्मा के 40 गेंदों पर नाबाद 54 रन की मदद से सीएसके ने 11 गेंद रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। सीजन के नौवें मैच में सीएसके की यह चौथी जीत थी।

# टी20 मुंबई लीग में नीलामी, अर्जुन पर लगी भारी भरकम बोली

**मुंबई।** मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने टी20 मुंबई लीग के बहुप्रतीक्षित चौथे सीजन के लिए खिलाड़ियों की नीलामी सफलतापूर्वक पूरी कर ली। इससे पूर्व पहली महिला लीग की नीलामी की सफलता के बाद पुरुषों की फ्रेंचाइजियों ने अपनी टीमों को अंतिम रूप देने के लिए बोली की मेज पर जोरदार मुकाबला किया, जिसमें उन्होंने जाने-माने अंतरराष्ट्रीय सितारों और शहर की सबसे होनहार उभरती प्रतिभाओं का मेल बिठाया।

सीजन 4 की नीलामी में बोलियों की जोरदार जंग देखने को मिली जिसमें ऑलराउंडर आकाश पारकर सबसे कीमती खिलाड़ियों में से एक बने। उन्हें सोबो मुंबई फाल्कन्स ने 12 लाख रुपये में खरीदा। विकेटकीपर-बल्लेबाज प्रसाद पवार (11.50 लाख रुपए) और हरफनमौला मुशीर खान (11 लाख रुपए) को आर्क्स अँधेरी ने अपने इरादे साफ करते हुए अपनी टीम में शामिल किया। इससे पहले लीग ने आइकॉन खिलाड़ियों की एक जबरदस्त सूची की पुष्टि की थी, जो अपनी-अपनी फ्रेंचाइजियों की अगुवाई करेंगे। इस सूची में भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और मुंबई के दिग्गज शामिल हैं जिनमें सूर्यकुमार यादव (ट्रंफ नाइट्स मुंबई नार्थ ईस्ट), श्रेयस अय्यर (सोबो मुंबई फालकन्स), अजिंक्य रहाणे (नार्थ मुंबई पैंथर्स), शिवम दुबे (आर्क्स अंधेरी), यशस्वी जायसवाल (बांद्रा ब्लास्टर्स), शार्दुल ठाकुर (ईगल ठाणे स्ट्राइकर्स), सरफराज खान (आकाश टाइगर्स) और तुषार देशपांडे (स्वष्ट मराठा रॉयल्स) शामिल हैं। इस नीलामी ने भविष्य के सितारों के लिए एक लॉन्चपैड के तौर पर लीग की प्रतिष्ठा को और मजबूत किया।

अर्जुन तेंदुलकर आकर्षण का मुख्य केंद्र बने रहे; उन्हें आर्क्स अंधेरी ने 10 लाख रुपए में खरीदा। दूसरी ओर, युवा सनसनी आयुष म्हात्रे और सूर्यांश शेडगे को ट्रंफ नाइट्स ने अपनी टीम के मुख्य खिलाड़ियों के तौर पर बरकरार रखा। स्वष्ट के प्रेसिडेंट, अजिंक्य नाइक ने कहा, 'टी20 मुंबई लीग देश के सबसे ज्यादा प्रतिस्पर्धी घरेलू टी20 प्लेटफॉर्म्स में से एक के तौर पर लगातार आगे बढ़ रही है। ऑक्शन में हमने जो ज़बरदस्त जोश देखा, वह मुंबई में मौजूद टैलेंट की गहराई और इस इकोसिस्टम पर फ्रेंचाइज़ियों के भरोसे, दोनों को दिखाता है। अब जब खिलाड़ियों का एक मजबूत कोर तैयार हो चुका है, तो हम एक ऐसे सीजन के लिए तैयार हैं जो क्रिकेट की क्वालिटी, मुकाबले और कुल मिलाकर स्टैंडर्ड के मामले में एक नया बेंचमार्क सेट करेगा।' लीग गवर्निंग काउंसिल के चेयरमैन, राजदीप गुप्ता ने आगे कहा, 'ऑक्शन ने एक बार फिर मुंबई की क्रिकेटिंग पाइपलाइन की ताक़त को उजागर किया है। फ्रेंचाइज़ियों ने अपनी अप्रोच में काफी सोच-समझकर फैसले लिए हैं और अनुभवी खिलाड़ियों के साथ-साथ उभरते हुए टैलेंट का एक संतुलित मिश्रण तैयार किया है। यह कॉम्बिनेशन एक हाई-परफॉर्मेंस वाला माहौल बनाए रखने के लिए बहुत जरूरी है, और हमें उम्मीद है कि सीजन 4 में हमें बेहद प्रतिस्पर्धी और रोमांचक क्रिकेट देखने को मिलेगा।' यह टूर्नामेंट जून में शुरू होने वाला है, और इसकी तारीखें और जगहें जल्द ही बता दी जाएंगी। इससे पहले टी20 मुंबई वीमेन्स लीग का पहला ऑक्शन हुआ, जिसमें टीनएज सेंसेशन इरा जाधव ने सुर्खियां बटोरीं, जब आकाश टाइगर्स ने उन्हें अपनी टीम में शामिल करने के लिए 10 लाख रुपये खर्च किए।

# विश्वकप के लिए भारतीय टीम घोषित हरलीन देओल को नहीं मिला मौका

**मुंबई, एजेंसी।** टी20 विश्व कप के लिए शनिवार को भारतीय महिला टीम घोषित हो गई। मुंबई स्थित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के मुख्यालय में चयन समिति की बैठक के बाद टीम का एलान कर दिया गया। भारतीय टीम इस वैश्विक टूर्नामेंट में हरमनप्रीत कौर की अगुआई में खेलने उतरेगी। भारत ने पिछले साल वनडे विश्व कप का खिताब अपने नाम किया था और अब टीम की नजरें अपने पहले टी20 विश्व कप खिताब पर होंगी। महिला टी20 विश्व कप 12 जून से पांच जुलाई तक इंग्लैंड और वेल्स में खेला जाएगा।

## टीम में क्या खास?

टी20 विश्व कप के लिए चुने गए स्क्वॉड में अनकैप्ड नंदिनी शर्मा और विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया को शामिल किया गया है। प्रतिका रावल को टीम से बाहर कर दिया गया जबकि ऑलराउंडर अमनजोत कौर चोट के कारण टीम में जगह नहीं बना पाईं। नंदिनी मध्यम गति की गेंदबाज हैं जिन्होंने महिला प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स के लिए 10 मैच खेलकर कुल 17 विकेट लिए। वह उस भारतीय टीम का भी हिस्सा थीं जिसने इस साल फरवरी में बैंकॉक में आयोजित महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था।

## भारत-इंग्लैंड के बीच टेस्ट मैच के लिए टीम घोषित

टी20 विश्व कप के अलावा इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के लिए भी टीम का एलान किया गया है। इसमें प्रतिका रावल को मौका मिला है। यह मुकाबला 10 से 13 जुलाई के बीट लॉर्ड्स के मैदान पर खेला जाएगा।

**टेस्ट मुकाबले के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है-** हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, प्रतिका रावल, ऋचा घोष, श्री चरणी, यास्तिका भाटिया, नंदिनी शर्मा, हरलीन देओल, रेणुका सिंह, क्रांति गौड़, सयाली सतघरे, स्नेह राणा।

## भारत-पाकिस्तान एक ही ग्रुप में

टी20 विश्व कप के लिए 12 टीमों को छह-छह के दो ग्रुप में बांटा गया है। भारतीय टीम ग्रुप-1 में शामिल है। ग्रुप-1 को 'ग्रुप ऑफ डेथ' माना जा रहा है, जहां मौजूदा दिग्गज टीमों के साथ भारत-पाकिस्तान की पारंपरिक प्रतिद्वंद्विता भी देखने को मिलेगी। भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप चरण का मुकाबला 14 जून को एजबेस्टन में खेला जाएगा। इस हाई-वोल्टेज मैच पर दुनियाभर के क्रिकेट प्रशंसकों की नजरें रहेंगी। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका जैसे मजबूत प्रतिद्वंद्वियों के साथ भारत के मुकाबले भी रोमांचक रहने वाले हैं।

## हरमनप्रीत कौर पांचवीं बार करेंगी कप्तानी

भारतीय टीम की कमान एक बार फिर हरमनप्रीत कौर के हाथों में होगी, जो इस ग्लोबल टूर्नामेंट में पांचवीं बार टीम की अगुवाई करेंगी। हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में वह भारत की शीर्ष स्कोरर रही थीं। उपकप्तानी की जिम्मेदारी स्मृति मंधाना को सौंपी गई है। भारतीय टीम ने अपने स्पिन विभाग को मजबूत किया है, जिसमें दीप्ति शर्मा, श्रेयंका पाटिल, श्री चरणी और राधा यादव शामिल हैं। ये सभी गेंदबाज हालिया दक्षिण अफ्रीका सीरीज में प्रभावी रहे थीं। भारत का हालिया टी20 प्रदर्शन ज्यादा प्रभावशाली नहीं रहा है। 2024 टी20 वर्ल्ड कप के बाद टीम ने 21 में से 13 मैच जीते हैं, लेकिन इस साल 8 में से सिर्फ 3 मुकाबले ही जीत पाई है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल ही में खत्म हुई सीरीज में भारत को 5 में से 4 मैचों में हार झेलनी पड़ी।

# उसे बच्चा ही रहने दो

## आरसीबी के स्टार ने वैभव को लेकर की खास अपील, अपने पुराने बयान पर दिखे कायम

**नई दिल्ली।** वैभव सूर्यवंशी ने अपने बल्ले से धमाल मचा रखा है। 15 साल का ये बल्लेबाज कई लोगों का चहेता है और उनमें से ही एक हैं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के विकेटकीपर-बल्लेबाज जितेश शर्मा। जितेश ने कुछ दिन पहले वैभव को लेकर कहा था कि वह अनप्रोफेशनल हैं। इस बात को लेकर काफी विवाद हुआ था। जितेश ने अब इस पर दोबारा बात की है और कहा है कि वैभव अभी भी बच्चा है और उसे ऐसा ही रहने दो।

जितेश ने आरसीबी के पूर्व बल्लेबाज एबी डिविलियर्स के साथ एक पॉडकास्ट में वैभव को लेकर कहा था कि वह अनप्रोफेशनल हैं। अपने इस बयान को लेकर जितेश ने सफाई दी है।

## ये है सच्चाई

जितेश ने एक पॉडकास्ट में बताया कि डिविलियर्स ने उनसे भारत के भविष्य के बारे में पूछा था और उन्होंने जवाब में वैभव का नाम लिया। उन्होंने कहा, 'वह मेरा बहुत अच्छा दोस्त है। हम दोनों काफी करीब हैं। मैं उसे कुछ भी कह सकता हूं। एबी ने मुझसे पूछा था कि आपको क्या लगता है कि कौन-सा खिलाड़ी भारत के लिए स्टार बनेगा? मैंने तुरंत वैभव का नाम लिया। जब उन्होंने पूछा कि क्यों? तो मैंने उसकी तकनीक, मानसिकता और मेहनत के बारे में बताया। मैंने कहा कि वैभव तीनों फॉर्मेट में धमाल मचा सकता है और वह मैदान पर काफी प्रोफेशनल दिखता है लेकिन मैदान के बाहर ऐसा नहीं है। '

## वैभव सूर्यवंशी को आईसक्रीम पसंद है

अपने और वैभव की दोस्ती के बारे में बात करते हुए जितेश ने कहा, 'वह 15 साल का बच्चा है जिसे आईसक्रीम खाना पसंद है। वह मेरे कमरे में आता है और खाता है। मैं नहीं खाता वो खाता है। एक बच्चा अगर आईसक्रीम नहीं खाएगा तो क्या करेगा? वह मेरे घर आता है, मेरी पत्नी से बात करता है। यूट्यूब पर वीडियो देखता है। वह मेरे छोटे भाई की तरह है।' जितेश ने कहा कि लोग क्या कहते हैं उससे उन्हें फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने कहा, 'मुझे फर्क नहीं पड़ता कि लोग क्या कहते हैं। उनसे काफी सारे प्रोफेशनलिज्म की उम्मीदें हैं क्योंकि उसे इस लेवल पर प्रदर्शन करना है, लेकिन वह अभी भी 15 साल का है। एक बच्चे को बच्चा रहने दो।'

# क्या एमआई का खेल खत्म !

## सीएसके से मिली हार के बाद कैसे प्लेऑफ में पहुंच पाएगी हार्दिक की सेना

**मुंबई, एजेंसी।** पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस को चेन्नई सुपर किंग्स ने शनिवार को करारी मात दी, जिसके बाद टीम प्लेआफ की दौड़ से लगभग बाहर हो गई है।

चेन्नई ने ये मुकाबला आठ विकेट से अपने नाम किया। हार्दिक पांड्या की टीम मौजूदा सीजन में नौ मैचों में से सात हार चुकी है। उसे अभी पांच लीग मैच खेलने हैं। अगर वह सभी मुकाबले जीत भी लेती है तो उसके अधिकतम 14 अंक ही हो पाएंगे, जो प्लेऑफ में पहुंचने के लिए पर्याप्त नहीं होंगे। ऐसे में जानते हैं एमआई की टीम कैसे एमआई की टीम प्लेऑफ का टिकट हासिल कर सकती है।

## हार ने बिगाड़ा समीकरण

चेन्नई के खिलाफ हार ने न केवल मुंबई के अंक तालिका में इजाफे को रोका, बल्कि उनके नेट रन रेट को भी भारी नुकसान पहुंचाया है। मुंबई की टीम फिलहाल निचले पायदानों पर संघर्ष कर रही है। सीएसके से मिली हार के बाद एमआई की टीम प्वाइंट्स टेबल में 9वें पायदान पर है। अब यहां से अगर मुंबई एक भी मैच हारती है तो मतलब की उनका बोरिया बिस्तर पैक होने वाला है।

## कैसे अभी प्लेऑफ में पहुंच सकती है MI

मुंबई इंडियंस को अब प्लेऑफ में पहुंचने के लिए इन तीन बातों पर निर्भर रहना होगा।

**1. बाकी बचे सभी मैचों में जीत-** मुंबई को अपने आगामी सभी मुकाबले जीतने होंगे ताकि वे 16 अंकों के चमत्कारिक अंक तक पहुंच सकें। 14 अंकों के साथ क्वालीफाई करना एमआई के लिए इस साल मुश्किल लग रहा है क्योंकि टॉप-4 टीमें तेजी से अंक बटोर रही हैं।

**2. नेट रन रेट में सुधार-** चेन्नई के खिलाफ मिली हार ने रन रेट को काफी नीचे गिरा दिया है। मुंबई को न केवल जीतना होगा, बल्कि बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी ताकि बराबरी के अंकों पर वे पिछड़ न जाएं

**3. बाकी टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना होगा-** मुंबई को अब दुआ करनी होगी कि सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स जैसी टीमें अपने अगले कुछ मैच हार जाएं, जिससे मिड-टेबल में जगह बनाने का मौका मिले।मुंबई इंडियंस की सबसे बड़ी समस्या उनकी अस्थिर बल्लेबाजी और डेथ ओवर्स में गेंदबाजी रही है। हार्दिक पांड्या की अगुवाई वाली ये टीम मैदान पर वो दिखाने में नाकाम रही है जिसके लिए मुंबई जानी जाती है। रोहित शर्मा, ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव का बल्ला से फ्लॉप होना टीम के लिए सबसे बड़ी मुसीबत रहा।

# थॉमस कप के सेमीफाइनल में भारत को मिली हार; फ्रांस ने 3-0 से दी शिकस्त

**नई दिल्ली ।** थॉमस कप 2026 के सेमीफाइनल में भारत और फ्रांस के बीच शनिवार को खेला गया हाई-वोल्टेज ड्रामे की तरह था। डेनमार्क के फोरम हॉर्सेंस एरिना में खेले गए मैच का माहौल भारतीय और फ्रांसीसी प्रशंसकों के जोश ने रोमांचक बना दिया था। अंतिम स्कोर 0-3 रहा और भारत टूर्नामेंट से बाहर हो गया, लेकिन यह आंकड़ा मैच की वास्तविक प्रतिस्पर्धा को पूरी तरह नहीं दर्शाता। मुकाबले के दौरान कई ऐसे क्षण आए जब भारतीय खिलाड़ियों ने फ्रांस को दबाव में डाला और वापसी की उम्मीद जगाई। फिर भी, निर्णायक मौकों पर फ्रांसीसी खिलाड़ियों ने संयम और सटीकता दिखाते हुए मैच अपने पक्ष में कर लिया।

फ्रांस पहली बार थॉमस कप के फाइनल में के फाइनल में जगह बनाई। फ्रांस की सफलता के मुख्य सूत्रधार रहे टोमा जूनियर पोपोव और क्रिस्टो पोपोव भाइयों ने न केवल शानदार खेल दिखाया, बल्कि रणनीतिक रूप से भी भारतीय टीम को पीछे छोड़ दिया। उन्होंने एकल और डबल्स दोनों में भाग लेते हुए टीम को संतुलन दिया, और मैच क्रम इस तरह तय किया गया कि उन्हें पर्याप्त आराम मिल सके।

भारत के लिए सबसे बड़ा झटका था लक्ष्य सेन का चोट के कारण बाहर होना। उनकी अनुपस्थिति ने टीम संयोजन को प्रभावित किया। पहले सिंगल्स में आयुष शेट्टी को उतारा गया, लेकिन वे दबाव को संभाल नहीं पाए और क्रिस्टो पोपोव के खिलाफ सीधे गेम में हार गए।

दूसरे सिंगल्स में किदांबी श्रीकांत ने अनुभव का बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने एलेक्स लैनियर को कड़ी टक्कर दी और कई मौकों पर बढ़त भी बनाई। हालांकि, अहम क्षणों में सटीकता की कमी के कारण वे मैच गंवा बैठे।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यालय नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670